শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 314 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 14 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आतंकवादियों के खिलाफ कड़े कार्रवाई का निर्देश दिए पेज 2
पेमा खांडू तीसरी बार बने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, ग्यारह विधायक भी बने मंत्री पेज 3
यूपी में परिवार नियोजन के लिए सास बेटा, बहु सम्मेलन कराएगी योगी सरकार पेज 5
पूर्व खेलमंत्री संदीप सिंह को आरोप मुक्त किए जाने की अर्जी पर पुलिस ने दिया जवाब... पेज 11

Door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

रचनात्मकता भविष्य में सफलता की कुंजी है और प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही शिक्षक बच्चों की रचनात्मकता को उभार सकते हैं।

– **अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

मणिपुर में उपद्रवियों ने पांच दुकानों में लगाई आग

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के जिरीबाम में सेना समेत सुरक्षाबलों की व्यापक तैनाती के बावजूद उपद्रवियों ने पांच दुकानों में आग लगा दी। जिरीबाम जिले में बीते सप्ताह भड़की हिंसा अभी जारी है। मणिपुर पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जिरीबाम थाना क्षेत्र के -शेष पृष्ठ दो पर

नीट ग्रेस अंक रद्द, दोबारा परीक्षा देंगे छात्र : एससी

नई दिल्ली। नीट 2024 परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया हैं। एनईईटी विवाद पर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जो दोबारा परीक्षा नहीं देंगे, उन्हें ग्रेस अंक गंवाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि काउंसलिंग होती रहेगी और हम इस पर रोक नहीं लगा रहे हैं। परीक्षा होती है तो सब कुछ समग्रता से होता है। ऐसे में डरने की कोई बात नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पूरी तरह से एग्जाम को रद्द कर देना अभी उचित तरीका नहीं है। बता दें कि केंद्र ने इस मामले में एसयूसीओ में बताया हैं कि 1563 नई यूजी 2024 उम्मीदवारों के स्कोर-कार्ड रद्द करने का निर्णय लिया गया है, जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। केंद्र ने कहा कि इन 1563 छात्रों को दोबारा परीक्षा देने का विकल्प दिया जाएगा। इस बारें में एसयूसीओ ने एनटीए से दो हफ्ते के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा हैं। एनटीए ने कहा हैं कि 23 जून को परीक्षा के बाद काउंसलिंग होगी। ऐसे में 30 जून के बाद नई रैंकिंग सामने आएगी। 1563 बच्चों के सामने विकल्प है कि वो या तो पेपर दे या फिर 4 ग्रेस नंबर को छोड़कर नई रैंकिंग स्वीकार करें। ऐसा इसलिए क्योंकि नई रैंक तो 30 जून के बाद जारी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी दलील सुनने के बाद कहा कि परीक्षा में धांधली के आरोपों के मद्देनजर इसे रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका समेत सभी अर्जियों को आठ जुलाई को सुनवाई के लिए लिया जाएगा। सुनवाई के लिए एनटीए की ओर से वकील कनु अग्ररवाल ने कहा कि 1563 उम्मीदवारों को जारी किए गए सभी स्कोरकार्ड रद्द कर दिए जाएंगे। दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी, जो लोग इस पुन: परीक्षा में शामिल नहीं होंगे उन्हें बिना प्रतिपूरक अंक के परीक्षा देनी होगी।

कुवैत अग्निकांड में भारत के 42 नागरिकों की मौत

मदद के लिए विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन पहुंचे

कुवैत सिटी (हि.स.)। भारत के विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह गुरुवार को कुवैत पहुंचे। यहां पर वह सबसे पहले अस्पताल गए। वहां उन्होंने अग्निकांड में झुलसे भारतीय नागरिकों से मुलाकात कर हालचाल जाना। उन्होंने कुवैत के विदेशमंत्री अब्दुल्ला अली अल याहया से मुलाकात की। याहया ने भरोसा दिलाया कि वे शवों को जल्द से जल्द भारत पहुंचाने में मदद करेंगे। कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने भारतीय नागरिकों के शवों को मातृभूमि पहुंचाने के लिए विमानों की तैयारी का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद भी दी जाएगी। अमीर की घोषणा की पुष्टि आंतरिक मंत्री शेख फहद अल-यूसेफ ने की है। उल्लेखनीय है कि कुवैत के मंगाफ शहर में एक बहुमंजिला इमारत में बुधवार को आग लगने से 49 लोगों की मौत हो गई। इनमें 42 भारतीय नागरिक हैं। इनमें केरल के 14 लोग शामिल हैं। छह मंजिला इमारत में लगी आग की लपटों में बड़ी संख्या में लोग झुलसे हैं। बताया गया है कि भारतीय राज्य केरल की स्वास्थ्यमंत्री वीना जॉर्ज भी कुवैत पहुंचने वाली हैं। वह आज ही भारत से कुवैत के लिए रवाना हुई हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि झुलसे लोगों का -शेष पृष्ठ दो पर

मेरी प्राथमिकता विस चुनाव के लिए पार्टी को मजबूत करने की है : गौरव

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा है कि असम के प्रति उनका कर्तव्य अभी आधा ही पूरा हुआ है और अब उनकी प्राथमिकता 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूत करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि यह न केवल असम में बल्कि पूरे भारत में कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह वर्तमान में व्याप्त खतरे, असुरक्षा, धमकी, उत्पीड़न या घुटन की भावना को खत्म करे। गोगोई ने बातचीत में कहा कि हम चाहते हैं कि -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य का लक्ष्य किसानों को सशक्त बनाने के लिए मजबूत पशुधन तैयार करना है : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने किसानों को सशक्त बनाने और असम में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत पशुधन क्षेत्र बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि हम अपने किसानों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत पशुधन क्षेत्र बनाने के अपने लक्ष्य पर केंद्रित हैं। 2021 से इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं, जिससे इस क्षेत्र को काफी फायदा हुआ है। इसके तहत की गई गतिविधियों की एक विस्तृत सूची मुख्यमंत्री ने ट्वीट की। शर्मा के अनुसार, असम सरकार ने किसानों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने में बड़ी प्रगति की है। 2021 से कई पहल की गई हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पीएम ने की जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा

आतंकवादियों के खिलाफ कड़े कार्रवाई के निर्देश दिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की। उन्हें जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा संबंधी स्थिति से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने उनसे आतंकवाद रोधी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने को कहा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी फोन बात की व आंतकवाद रोधी अभियानों पर चर्चा की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और केंद्र शासित प्रदेश का जायजा लिया। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए हैं। जिमसें दस तीर्थयात्रियों की मौत हुई। साथ ही सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ। इसके अलावा, सात सुरक्षा कर्मी और कई अन्य घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा अलग-अलग जिलों में

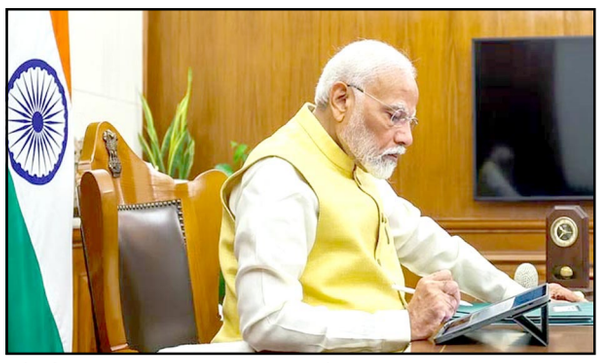

सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी हो रहे हैं। ऑपरेशन से जुड़े विश्वस्त सूत्रों का कहना है, 72 घंटे में तीन हमले, ये एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान से लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर, ताजा घुसपैठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भले ही बॉर्डर पर सीजफायर लागू है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के सदस्य जम्मू-कश्मीर में प्रवेश कर रहे हैं। सेना के सूत्रों ने यह बात मानी है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन में आतंकियों को हर तरह की मदद पहुंचाने वाली *ब्लैक शीप* (काली भेड़) मौजूद हैं। इनके चलते पड़ोसी मुल्क के दहशतगर्द, सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाते हैं। ब्लैक शीप की खोज और पहचान के लिए अलग से ऑपरेशन शुरू किया गया है। पिछले कुछ समय से आतंकियों का फोकस कश्मीर घाटी की बजाए, जम्मू क्षेत्र पर अधिक हो रहा है। रविवार को जम्मू के रियासी में आतंकवादियों ने शिवखोड़ी मंदिर से कटरा जा रहे तीर्थयात्रियों की एक बस को निशाना बनाया था। इस हमले में 10 लोगों की मौत हुई थी, जबकि तीन दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। सूत्रों का कहना है, एकाएक जम्मू की तरफ आतंकी संगठनों के हमलों में जो तेजी देखी जा रही है, उसके पीछे घुसपैठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जम्मू-कश्मीर पुलिस की खुफिया इकाई के सूत्रों का भी कहना है कि पाकिस्तान की तरफ से बड़ी घुसपैठ संभव है।

नीट विवाद पर बोले शिक्षा मंत्री

विपक्ष तथ्यों को जाने बिना संवेदनशील मुद्दे पर फैला रहा झूठ

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को नीट यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों को खारिज कर दिया, परिणामों को लेकर छात्रों द्वारा जारी विरोध प्रदर्शन के बीच दावा किया कि इस तरह के दावों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। प्रधान ने विपक्ष पर वार करते हुए यह भी कहा कि विपक्ष तथ्यों को जाने बिना संवेदनशील मुद्दे पर झूठ फैला रहा है। शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस नेता और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक ट्वीट के जवाब में कहा कि नीट परीक्षा मामले में एनटीए माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए उचित कार्यवाही करने को कटिबद्ध है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 1563 विद्यार्थियों की परीक्षा दोबारा करायी जाएगी। प्रधान ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए आगे लिखा कि मैं कांग्रेस को ये याद दिलाना चाहता हूं की पेपर लीक रोकने और नकल विहीन परीक्षा के लिए केंद्र सरकार ने इसी साल पब्लिक एगजामिनेशन (प्रिवेनशन ऑफ आनफेयर मीन्स) एक्ट पारित किया है जिसमें कई कड़े प्रावधान हैं। कांग्रेस इस गलतफहमी में ना रहे कि कोई भी नेक्सस पाया जाएगा तो उस पर कार्यवाही नहीं होगी। इस एक्ट के प्रावधानों को बहुत बारीकी से अमल में लाया जाएगा। धर्मेंद्र प्रधान ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ है, अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है।

लगभग 1560 छात्रों के लिए कोर्ट द्वारा सुझाया गया मॉडल अपनाया गया और इसके लिए शिक्षाविदों का एक पैनल बनाया गया है। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान प्रधान ने कहा कि मैं छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत सरकार और उसका संस्थान एनटीए उन्हें पारदर्शी और राहत देने वाले तरीके से न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बार 24 लाख छात्रों ने सफलतापूर्वक नीट परीक्षा दी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 5 मई को 4,750 केंद्रों पर नीट परीक्षा आयोजित की, जिसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवार शामिल हुए। मूल रूप से, परिणाम 14 जून को घोषित किए जाने थे, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं के तेजी से मूल्यांकन के कारण 10 दिन पहले, यानी 4 जून को ही घोषित कर दिए गए। इस परीक्षा में कुल 67 छात्रों ने 720 का पूर्ण स्कोर हासिल किया, जो एनटीए के इतिहास में पहली बार हुआ। हरियाणा के फरीदाबाद के एक केंद्र के छह छात्र उनमें शामिल थे, जिससे संभावित अनियमितताओं को लेकर चिंताएं बढ़ गई। सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनमें नीट-यूजी 2024 के नतीजों को रद्द करने और परीक्षा को फिर से आयोजित करने की मांग की गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि 5 मई को हुई परीक्षा लीक पेपर और कदाचार के कारण खराब हुई थी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम की यात्रा से पहले श्रीनगर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

श्रीनागर (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले श्रीनगर शहर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री श्रीनगर में डल झील और जबरवान पहाड़ियों के नजारे वाले एसकेआईसीसी बैकयार्ड में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे। लगातार तीसरी बार पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को कश्मीर की अपनी पहली यात्रा पर आएंगे। उनकी इस यात्रा के लिए सभी सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसमें 21 जून को समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की पूर्ण सुरक्षा और परेशानी मुक्त आवाजाही शामिल है। स्थल की साफ-सफाई, प्रधानमंत्री के मार्ग की सुरक्षा और अन्य सभी संबंधित पहलुओं पर बारीकी से विचार किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एसपीजी की एक टीम स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का समन्वय करने के लिए प्रधानमंत्री के दौरे से दो दिन पहले यहां पहुंच जाएगी।

तीसरी बार एनएसए बनाए गए अजीत डोभाल

नई दिल्ली। देश में तीसरी बार मोदी सरकार बन चुकी है और इसके साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का आवंटन भी हो चुका है। गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अजीत डोभाल को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया गया है। अजीत डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था। तब से डोभाल ही इस पद को संभाल रहे हैं। उनसे पहले शिवशंकर मेनन देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। 1968 बैच के आईपीएस अधिकारी अजीत डोभाल को कूटनीतिक सोच और काउंटर टेरेरिज्म का विशेषज्ञ माना जाता है। उधर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अजीत डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। आईएएस (सेवानिवृत्त) पीके मिश्रा को 10 जून 2024 से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। पीके मिश्रा 1972 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह पिछले 1 दशक से प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रधान सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। पीके मिश्रा प्रशासनिक मामले और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में नियुक्तियों का काम देखेंगे। इसके अलावा अजीत डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य मामले और इंटेलिजेंस की जिम्मेदारी संभालेंगे।

महाराष्ट्र में अजित पवार के साथ रिश्ता खत्म कर सकती है भाजपा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ संबंध तोड़ सकती है। एक रिपोर्ट की मानें तो भाजपा आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ सकती है। अजित पवार ने जहां एक ओर 80 सीटों की मांग की है तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपा का बड़ा गुट अजित को महायुति में रखने का पक्षधर नहीं है। यह बात तब सामने आई है जब आरएसएस के मुखपत्र में एक लेख में कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ गठबंधन महाराष्ट्र में भाजपा की लोकसभा चुनाव में हार का एक कारण था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटें जीतीं। एनडीए का हिस्सा सत्तारूढ़ महायुति को सिर्फ 17 सीटें मिलीं। 2019 में एनडीए ने महाराष्ट्र की 48 में से 43 सीटें जीती थीं, जबकि तत्कालीन यूपीए ने

शेष पांच सीटें हासिल की थीं। यद्यपि मतदाताओं ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अलग-अलग तरीके से चुनाव किया, लेकिन लोकसभा चुनाव के परिणाम का इन दोनों राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों पर असर पड़ेगा। एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है कि आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ताओं को पवार विरोधी नारे पर तैयार किया जा रहा है। सिंचाई और महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटालों से जुड़े होने के कारण वे अजित पवार के विरोधी हैं। लेकिन जूनियर पवार के भाजपा से हाथ मिलाने के बाद पवार विरोधी बयान पीछे छूट गया। घाव पर नमक छिड़कते हुए उन्हें महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री बना दिया गया। रविवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण से कुछ घंटे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल को नई सरकार में स्वतंत्र प्रभार वाला राज्य मंत्री बनाने के भाजपा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। एनसीपी के अजित पवार गुट के सदस्य पटेल ने कहा कि राज्य मंत्री का पद स्वीकार करना उनके लिए एक तरह से पदावनत करने जैसा होगा क्योंकि वह पहले भी कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। भाजपा नेता ने कहा कि लोकसभा चुनावों में यह स्पष्ट था कि आरएसएस-भाजपा कार्यकर्ता एनसीपी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए तैयार नहीं थे और कई जगहों पर वे उदासीन बने रहे।नतीजतन, 2019 में भाजपा की सीटों की

कांगो में नौका पलटने से 80 से अधिक लोगों की मौत

किंशासा (हि.स.)। कांगो की राजधानी किंशासा के पास एक नदी में नाव पलट जाने से उसपर सवार 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इसकी पुष्टि कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी ने एक बयान में इस घटना पर दुख जताया है। मध्य अफ्रीका देश में क्षमता से अधिक लोगों को बैठाने से नौका दुर्घटनाएं होती हैं। एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया है कि सोमवार देर रात माई-नडोम्बे प्रांत में क्वा नदी में नाव पलट गई। बयान के मुताबिक, नौका पर 100 से ज्यादा लोग सवार थे।

सिक्किम : भारी बारिश के बीच भूस्खलन में पांच लोग बहे, एक शव बरामद

गंगटोक (हि.स.)। सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। सिक्किम के उत्तरी हिस्से में बुधवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश से मंगन और जांगु क्षेत्र में जान-माल की व्यापक क्षति हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक अम्बीथांग और पाकसेप में भारी बारिश के बीच हुए भूस्खलन में कम से कम पांच लोग बह गए हैं जबकि एक शव बरामद किया गया है। जांगु और नामपथांग में भूस्खलन से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। भूस्खलन की चपेट में आकर कई सड़क मार्ग भी टूट गए हैं, जिससे यातायात बाधित हो गया है। सांकलांग में पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। बिजली और मोबाइल नेटवर्क भी प्रभावित हुए हैं। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भूस्खलन से उत्तरी सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। उत्तरी जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और संबंधित एजेंसियों से संपर्क कर त्वरित और व्यापक प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है। दस जून को भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आज सुबह इटानगर पहुंचे हैं।

26 को लोस स्पीकर का चुनाव, राष्ट्रपति ने अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव संपन्ना होने के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। सरकार का गठन होने के साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालय भी सौंप दिए गए हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि 18वीं लोकसभा का स्पीकर कौन होगा? इस प्रश्न का उत्तर 26 जून को मिल जाएगा। दरअसल 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। उधर इस तरह की भी खबरें हैं कि राजस्थान की कोटा-बूंदी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले ओम बिड़ला को एक बार फिर से लोकसभा स्पीकर की कमान सौंपी जा सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की बहन डी पुरुंदेश्वरी के नाम पर भी चर्चा चल रही है।

अजब बिहार में गजब की लापरवाही! पैर में प्लास्टर की जगह बांध दिया कार्टन

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से चिकित्सा कदाचार का एक दुखद उदाहरण सामने आया है, जहां एक व्यक्ति के टूटे हुए पैर पर प्लास्टर की जगह कार्टन से पट्टी बांध दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल हुए नीतीश कुमार का राज्य के मीनापुर क्षेत्र में एक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में *इलाज* किया गया। मोटरसाइकिल से गिरने के बाद पैर में चोट लगने के कारण कुमार को मीनापुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, मानक प्लास्टर कास्ट प्राप्त करने के बजाय, कुमार के पैर को कार्डबोर्ड के टुकड़े से बांध दिया गया था। इसके बाद, कुमार को मुजफ्फरपुर के श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच दिनों तक भर्ती रहने के बावजूद, उनके परिवार ने आरोप लगाया कि अस्थायी पट्टी को प्लास्टर कास्ट से बदलने के लिए कोई डॉक्टर उनके पास नहीं गया। अस्पताल के वीडियो में दिखाया गया है कि कुमार एक कमरे के एक कोने में लेटे हुए हैं और उनके पैर में अभी भी पुरानी पट्टी के सहारे कार्डबोर्ड बंधा हुआ है। कुमार ने बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल से मीनापुर गए थे, तभी दुर्घटना हो गई, जिससे उनका पैर घायल हो गया। अस्पताल भेजे जाने

से पहले स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल स्टाफ ने उसके पैर को कार्डबोर्ड कार्टन से बांध दिया। अस्पताल अधीक्षक विभा कुमार ने कहा कि मरीज को जल्द ही उचित इलाज मिलेगा और डॉक्टरों को उसकी देखभाल करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि यह निर्धारित करने के लिए एक जांच चल रही थी कि कार्डबोर्ड स्प्लिंट को प्लास्टर कास्ट से क्यों नहीं बदला गया। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, कुमारी ने श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की ओर से किसी भी तरह की लापरवाही से इनकार किया, इस समस्या के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र को जिम्मेदार ठहराया, जहां शुरुआत में कार्डबोर्ड स्प्लिंट लगाया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

मदद के लिए विदेश...

इलाज कुवैत के पांच अस्पतालों- अदान, जाबेर, फरवानिया, मुबारक अल कबीर और जाहरा में चल रहा है। सभी की हालत पहले से बेहतर है। कुवैत में भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर 965-65505246 जारी किया है। अरब टाइम्स के अनुसार मरने वालों में 20 से 50 साल की आयु के बीच लोग है। इनमें ज्यादातर केरल और तमिलनाडु के हैं। सभी एनबीटीसी कंपनी में काम करते थे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे हैं। अधिकारियों ने घोषणा की है कि हताहत कुछ लोगों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण कराया जाएगा। केरल के जो लोग हताहत हुए हैं, उनमें से कुछ की पहचान हो गई है। इनमें पंडालम के आकाश एस नायर (23), कोल्लम पूयाप्पल्ली के उमरुद्दीन शमीर (33), कोट्टायम पंपडी के स्टेफिन अब्राहम साबू (29), कुंडदुकम (कासरगोड के केआर रंजीत (34), कासरगोड के केलू पोनमलेरी (55), वजहमुट्टम (पथानामथिट्टा) के पीवी मुरलीधरन, पुनालुर (कोल्लम) के साजन जॉर्ज, वेलिचिकला (कोल्लम) के लुकोस (48), कोन्नी के साजू वर्गीस (56), तिरुवल्ला के थॉमस ओम्मन, धर्मडोम (कन्नूर) के विश्वास कृष्णन, कूटयी (तिरुर) मलप्पुरम के नूह, मलप्पुरम के एमपी बहुलायन और चंगनास्सेरी (कोट्टायम) के श्रीहरि प्रदीप हैं। हताहत अन्य भारतीयों की पहचान थॉमस जोसेफ, प्रवीण माधव, भूनाथ रिचर्ड रॉय आनंद, अनिल गिरि, मोहम्मद शरीफ, द्वारिकेश पटनायक, विश्वास कृष्णन, अरुण बाबू, रेमंड, जीसस लोपेज और डेनी बेबी करुणाकरन के रूप में हुई है।

राज्य का लक्ष्य ...

जिससे इस क्षेत्र को काफी लाभ हुआ है। मवेशियों की संख्या बढ़ाने के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाया गया। साथ ही पशुपालकों को व्यापक सहायता प्रदान की गई और अंडा उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। सरकार ने मवेशियों की संख्या बढ़ाने के लिए सेक्स-सॉर्टेड वीर्य की 1.16 लाख खुराकें खरीदीं और किसानों को सात वर्षों में प्रति वयस्क गाय 30,000 रुपए की पेशकश की। इस पहल में कुल 1,384 करोड़ रुपए का निवेश किया गया। सरकार ने 144 डेयरी सहकारी समितियों के लिए 12.34 करोड़ रुपए की बीज राशि आवंटित की, जिससे 4,500 डेयरी किसानों को लाभ हुआ। इसके अतिरिक्त, डेयरी किसानों को और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए 2024-25 के राज्य बजट में 25 करोड़ रुपए का प्रावधान शामिल किया गया। असम सरकार ने अंडा उत्पादन के लिए सहायता प्रदान की जहां 281 उद्यमियों को 50 लाख अंडे उत्पादन के लक्ष्य के साथ पोल्ट्री फार्म स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय अंडा उत्पादन को बढ़ावा देना और पोल्ट्री किसानों के लिए स्थायी आजीविका प्रदान करना है। शर्मा ने उनके नेतृत्व में अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जहां सरकार ने पूरबी डेयरी संयंत्र का विस्तार किया और बंगाईगांव और पटाचारकुची में नए दूध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए। इसके अलावा, पशुधन क्षेत्र की बुनियादी ढांचे की जरूरतों का समर्थन करने के लिए तीन अत्याधुनिक पशु चिकित्सा अस्पतालों और 11,000 मीट्रिक टन कोल्ड स्टोरेज सुविधा के साथ एक क्षेत्रीय कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई। सुअर पालन क्षेत्र पर भी खास ध्यान दिया गया, जिसमें सालाना 20 लाख सुअर पालन का लक्ष्य रखा गया। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2 लाख सुअर किसानों को सहायता के तौर पर प्रदान की गई, जिससे राज्य में सुअर पालन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई और सुअर पालन करने वाले किसानों को सहायता मिली। इन उपायों के साथ, शर्मा ने एक मजबूत पशुधन क्षेत्र बनाने के लिए असम सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करने का प्रयास किया।

मेरी प्राथमिकता विस...

भारत के लोग स्वतंत्र रूप से रहें, अपनी मर्जी से अपने धर्म का पालन करें, अपनी पसंद की किसी भी पार्टी और राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करें और स्वतंत्रता की भावना से काम करें। इस लोकसभा चुनाव में जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने पहले ही मन बना लिया था कि जोरहाट में नतीजे चाहे जो भी हों, मेरा काम लोगों को डर से मुक्त कराना है क्योंकि असम में बहुत सारे लोगों को लगता है कि डर का माहौल है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह असम में नेतृत्व करने की भूमिका के लिए तैयार हैं, तो तीन बार के लोकसभा सदस्य ने कहा कि वह कांग्रेस नेतृत्व से कोई पद या भूमिका नहीं बल्कि समय मांग रहे हैं ताकि वह पार्टी को मजबूत करने और विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए असम में अधिक वक्त दे सकें। उनका कहना था कि मेरी तत्काल प्राथमिकता असम में कांग्रेस को मजबूत करने की होगी। मैंने कहा कि मेरा चुनाव खत्म नहीं हुआ है। मेरा कर्तव्य आधा पूरा हो गया है। मेरी पार्टी के लिए मेरा कर्तव्य सिर्फ जोरहाट की सीट जीतना नहीं है, बल्कि असम राज्य को जीतना है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव वर्ष 2026 की शुरुआत में होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनके भविष्य के बारे में उचित समय पर निर्णय लेगी। गोगोई ने कहा कि जहां तक मेरे भविष्य का सवाल है, मैं पार्टी के फैसले का इंतजार करूंगा। यह पूछे जाने पर कि अगर अगले विधानसभा चुनाव के बाद असम में कांग्रेस सरकार बनाती है तो क्या वह मुख्यमंत्री पद की पेशकश स्वीकार करेंगे, तो 41 वर्षीय सांसद ने कहा कि उन्होंने जो भी चाहा वह उन्हें कभी मिला नहीं और जो कुछ भी उन्हें मिला, उसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था।

मणिपुर में उपद्रवियों ...

नागाबस्ती में बदमाशों ने पांच व्यापारिक प्रतिष्ठानों को आग के हवाले कर दिया गया। जिसमें व्यापारिक प्रतिष्ठानों को काफी नुकसान पहुंचा है। सन्नाटे का फायदा उठाते हुए उपद्रवियों ने आग लगा दी। इस आगजनी में कोई घायल नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि 6 जून को कछार जिले की सीमा से लगे जिरीबाम जिले में उपद्रवियों ने एक मैतेई मणिपुरी व्यापारी की बेरहमी से हत्या कर दी थी। अबतक शांत रहे जिरीबाम में इसके बाद से मैतेई और कूकी के बीच हिंसा प्रति हिंसा शुरू हो गई है।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत धन के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाली याचिका का हाईकोर्ट ने निपटारा किया

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने एक रिट याचिका का निपटारा कर दिया जिसमें वित्तीय वर्ष 2010-2019 के दौरान असम सर्व शिक्षा अभियान मिशन के तहत आवंटित सरकारी धन के भ्रष्टाचार और दुरुपयोग के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई थी। दूसरी ओर उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रधान महालेखा परीक्षक (ऑडिट), असम संबंधित लेखा परीक्षा आपत्तियों पर शीघ्रता से निर्णय लेंगे। मुख्य न्यायाधीश विजय विश्नोई और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम इस आशा और विश्वास के साथ रिट याचिका का निपटारा करना उचित समझते हैं कि प्रधान महालेखा परीक्षक (ऑडिट), असम कानून के अनुसार शीघ्रता से उन लेखा परीक्षा आपत्तियों का निर्णय करेंगे और यदि कोई सरकारी अधिकारी असम सर्व शिक्षा अभियान मिशन के तहत उपलब्ध कराए गए सरकारी

धन के दुरुपयोग में शामिल पाया जाता है, तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उचित सिफारिशें राज्य सरकार को भेजी जाएंगी। याचिकाकर्ता ने अपने दावे को पुष्ट करने के लिए महालेखाकार की लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर भरोसा किया था, जिसमें यह कहा गया था कि असम सर्व शिक्षा अभियान मिशन के अधिकारी भ्रष्टाचार और सरकार द्वारा आवंटित धन के दुरुपयोग में शामिल हैं। कथित अनियमितताओं के संबंध में याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उन्होंने पहले ही 30 अगस्त, 2019 और 2 फरवरी, 2021 को शिकायतें दर्ज कराई थीं। फिर भी प्रतिवादी अधिकारियों ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। प्रतिवादियों की ओर से जवाबी हलफनामे दायर किए गए हैं, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि प्रधान महालेखा परीक्षक (लेखा परीक्षा), असम को मामले की जानकारी है और 43 लेखा परीक्षा आपत्तियों में से 23 को संबंधित प्राधिकारी से संतोषजनक स्पष्टीकरण/उत्तर मिलने के बाद पहले ही हटा दिया गया है। आगे बताया गया कि शेष लेखापरीक्षा आपत्तियों के संबंध में उत्तर/स्पष्टीकरण पहले ही मांगे जा चुके हैं तथा ऐसे उत्तरों/स्पष्टीकरणों पर विचार करने के पश्चात उन लेखापरीक्षा आपत्तियों पर विचार किया जाएगा। न्यायालय ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों तथा विशेषकर विपक्ष के हलफनामे में प्रतिवादियों के बयान को ध्यान में रखा और तत्पश्चात जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

पेमा खांडू तीसरी बार बने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, ग्यारह विधायक भी बने मंत्री

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में भाजपा नेता पेमा खांडू को राज्यपाल केटी परनाइक ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही राज्यपाल परनायक ने 11 विधायकों को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई। पेमा खांडू तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री और चोना मीन को फिर से उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। गुरुवार को डीके कन्वेंशन सेंटर में राज्यपाल केटी परनाइक ने सबसे पहले पेमा खांडू को अरुणाचल प्रदेश के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद 11 विधायकों को भी राज्यपाल ने मंत्री पद की शपथ दिलाई। पेमा खांडू के मंत्रिमंडल के कैबिनेट मंत्रियों में ब्यूराम वागे, न्यातो दुकम, गेब्रियल डी वांगशु,

वांग्की लोवांग, पीडी सोना, मामा नातुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटों जिनी और ओजिंग टैसिंग को शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री खांडू ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने भरोसा कर भाजपा को चुना है। हम मंत्रिमंडल के साथ मिलकर राज्य की जनता का भरोसा कायम रखेंगे और राज्य के विकास के लिए और राज्य को और आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मंत्रिमंडल की टीम भाजपा के संकल्प पत्र का पालन करते हुए काम करेंगे। उन्होंने राज्य के लोगों को भाजपा पर भरोसा करने और दोबारा चुनने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल का भी आभार जताया। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर के साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री असम के डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, मणिपुर के एन बीरेन सिंह, त्रिपुरा के डॉ. माणिक साहा, सिक्किम के प्रेम सिंह तमांग आदि प्रमुख गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सांसद मेधी ने की उमानंद महादेव की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद बिजुली कलिता मेधी आज भगवान शिव का आशिर्वाद लेने उमानंद मंदिर पहुंचीं। इस दौरान सांसद के साथ उनके पति भी थे। सांसद के रूप में शपथ लेने से पहले उन्होंने उमानंद महादेव की पूजा-अर्चना की। सांसद मेधी ने कहा कि भगवान से उन्होंने प्रार्थना की है कि प्रधानमंत्री मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में देश के साथ-साथ राज्य के लिए अच्छे काम कर सकें। ज्ञात हो कि बिजुली कलिता मेधी 18 जून को संसद भवन में सांसद पद की शपथ लेंगी।

जेमा ने एसोसिएशन के मेधावी छात्रों का किया सम्मान

गुवाहाटी। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट एसोसिएशन (जेमा)ने अपनी संस्था के सदस्यों के जिन बच्चों ने सीबीएसई परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की उन मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। छात्रों को फूलाम गमछा के अलावा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इससे पहले संगठन के उपाध्यक्ष गोपाल पसारी ने स्वागत संबोधन दिया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक सज्जन अग्रवाल के अलावा निवर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीपत दुग्गड, उपाध्यक्ष प्रमोद मोर, सचिव साकेत राज पुगलिया, सह सचिव अभिषेक केजरीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, कोषाध्यक्ष अभिषेक केजरीवाल, कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार धानुका, प्रदीप अग्रवाल, सौरभ बोथरा, राजेश सोनी, अजीत सेठिया के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

डिब्रूगढ़ के कटाव का मंत्री पीयूष ने किया निरीक्षण

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने डिब्रूगढ़ शहर में ब्रह्मपुत्र नद के कारण हो रहे तट कटाव का निरीक्षण किया। माईजान से आई थान तक हुए भीषण कटाव का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने कहा कि 329 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का कटाव रोधी कार्य पहले से ही चल रहा है। परियोजना के जरिए डिब्रूगढ़ शहर को बचाने के प्रयास जारी हैं, लेकिन गंभीर कटाव आज भी जारी है। शहर के मोहनाघाट के साथ ही सुरक्षा बांध के पास कोयला घाट, पांचाली, मालीपट्टी, कछारी घाट, आई थान, तीनकोनिया, माईजान, भगाआली, माटिकटा आदि स्थानों पर भीषण कटाव जारी है। जल संसाधन विभाग की एक परियोजना के बावजूद आज भी शहर के कटाव का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। आईआईटी गुवाहाटी की एक विशेषज्ञ टीम ने हाल ही में स्थिति का अवलोकन किया। उनकी रिपोर्ट के अनुसार ही जल संसाधन विभाग 329 करोड़ रुपए की वृहद परियोजना के जरिए कटाव को रोकने के प्रयास किया जा रहा है। काम जारी है, लेकिन डिब्रूगढ़ शहर में ब्रह्मपुत्र का कटाव जारी है, जो एक चिंता का विषय है।

शिक्षा विभाग का अम्बुवासी मेले की अवधि में गुवाहाटी में परीक्षा नहीं कराने का आदेश

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी अम्बुवासी मेले के दौरान कामरूप (मेट्रो) जिले के सभी अधीनस्थ स्कूलों के निरीक्षक और मिशन समन्वयक ने सरकारी, प्रांतीय और निजी स्कूलों की परीक्षाएं आयोजित नहीं करने के निर्देश जारी किए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस संबंध में स्कूलों के प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी किया है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि किसी स्कूल ने इस अवधि के दौरान के लिए पहले ही परीक्षा कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया है तो स्कूल प्रमुख को फिर से नया शेड्यूल प्रकाशित करना होगा। ज्ञात हो कि शक्तिपीठ कामाख्या धाम में 22 जून से 26 जून तक अंबुबासी मेला लगेगा।

कामरूप जिले में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर बैठक

रंगिया (विभास)। विश्वभर के साथ कामरूप जिले में भी आगामी 21 जून को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त अभिजीत गोगोई ने आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की तैयारियों के तहत आज कामरूप जिले के एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में एक बैठक की अध्यक्षता की। अतिरिक्त जिला आयुक्त ने जून में कामरूप जिले में होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की अतिरिक्त जिला आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि जिला स्तरीय कार्यक्रमों के अलावा जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों, चिकित्सा संस्थानों, नगरपालिका कार्यालयों और ग्राम पंचायत कार्यालयों को भी सभी की भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाना चाहिए। बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम के संयोजन में चार श्रेणियों क्रमश: 10 वर्ष से कम, 10 से 18 वर्ष, 18 से 35 वर्ष और 35 वर्ष से अधिक उम्र की शाखा में जिला-स्तरीय योग प्रतियोगिता आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में स्वास्थ्य, खेल, महिला एवं बाल विकास आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

माहेश्वरी महिला समिति ने बच्चों के बीच विभिन्न खेलों का आयोजन किया

गुवाहाटी। माहेश्वरी महिला समिति के तत्वाधान में महेश नवमी के पावन पर्व के उपलक्ष में विभिन्न तरह के कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है। इसी कड़ी में दिनांक 12 जून बुधवार को समिति द्वारा माहेश्वरी भवन में समाज की महिलाओं एवं बच्चों के लिए मस्ती से भरपूर बहुत ही रोचक एवं मनोरंजक विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्षा वर्षा सोमानी ने महेश नवमी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए सभी का स्वागत किया। वंदना बिहानी, संगीता पेड़िवाल, पूजा काबरा सभी के संयोजन में यह कार्यक्रम हुआ। इसमें काफी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया और भरपूर आनंद उठाया। सभी विजेताओं को पुरस्कार दिया गया और कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम में निबर्तमान अध्यक्ष सरला लाहोटी, सचिव पुष्पा सोनी, कोषाध्यक्ष मधुलिका चांडक, मंजू बागड़ी, मंजू सोनी, पार्वती बिड़ला, शोभा लड्ढा, रचना काबरा, बबीता काबरा, शोभना लड्ढा, रीता साबू, उपस्थित थी। सभी सदस्याओं ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

ट्रक की ठोकर से पुरोहित की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के चांगसारी के गोरेश्वर देवालय के समीप हुई एक सड़क दुर्घटना में पुरोहित की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को गोरेश्वर देवालय के पुरोहित रवीन शर्मा की मौत ट्रक (एएस-01बीसी-2423) की चपेट में आने से मौके पर ही हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने हादसे के लिए जिम्मेदार ट्रक को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अपोलो अस्पताल, चेन्नई के डॉक्टरों ने रोगी की छाती का पुनर्निर्माण किया

गुवाहाटी। अपोलो अस्पताल, चेन्नई के डॉक्टरों ने एक मरीज की पसलियों से विकसित एक कैंसर ट्यूमर को हटाने के बादउसकी छाती की दीवार को हड्डी सीमेंट और जाली से फिर से बनाया। रोगी अपनी पसलियों से विकसित एक ट्यूमर के साथ चेन्नई के अपोलो अस्पताल आया था। डॉक्टरों ने कहा कि ट्यूमर उसकी छाती की दीवार पर सूजन के रूप में शुरू हुआ था। डॉक्टरों ने उसकी पहली और दूसरी पसलियों के साथ ट्यूमर को हटा दिया। परीक्षणों से पता चला कि यह चोंड्रोसारकोमा था, जो एक कैंसरयुक्त ट्यूमर है जो उपास्थि से उत्पन्न होता है जो पसली को रीढ़ से जोड़ता है, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अजीत पई ने कहा। छह महीने मेंट्यूमर वापस आ गया। इस बार यह तेजी से बढ़ रहा था और बड़ा था। यह महत्वपूर्ण गर्दन संरचनाओं में विकसित हुआ और हृदय से निकलने वाली विशाल नसों को छू गया। चेन्नई के अपोलो अस्पताल में डॉक्टरों से मिलने से पहले ही उसकी कीमोथेरेपी शुरू हो गई थी। छाती की दीवार पर ट्यूमर कीमोथेरेपी और लक्षित चिकित्सा के बावजूद कम नहीं हुआ। इसके बजाए यह बड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। विभिन्न टीमों के डॉक्टरों की एक टीम ने 14 घंटे की सर्जरी की। ट्यूमर, पसलियों और कॉलर हड्डियों के हिस्से को हटा दिया गया। महत्वपूर्ण रक्त वाहिकाओं को संरक्षित किया गया। बाद में सर्जनों ने छाती की दीवार को सिंथेटिक सामग्री और पीठ की मांसपेशियों से ऊतक के साथ फिर से बनाया। उरोस्थि (एक हड्डी) को एक जाली में बंद हड्डी सीमेंट के साथ फिर से बनाया गया और एक नई छाती की दीवार बनाई गई। ऑपरेशन के बाद की अवधि में रोगी अच्छी तरह से ठीक हो गया है और परीक्षणों से पता चला है कि कैंसर के ट्यूमर को नकारात्मक मार्जिन के साथ पूरी तरह से हटा दिया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे मिला शव

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के किनारे एक व्यक्ति का शव बरामद होने के चलते इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गौरीपुर के गोबाजार माधुसैलमारी प्रथम खंड गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के किनारे पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने खून से लथपथ अवस्था में एक व्यक्ति का शव बरामद किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में भेज दिया। अंतिम सूचना मिलने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस शव की पहचान करने के लिए अस्पताल के शव गृह में 72 घंटे के लिए उसे रखेगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रंगिया : नवगठित नागरिक मंच की पहली कार्यकारिणी बैठक संपन्न

रंगिया (विभास)। नवगठित नागरिक मंच, रंगिया की पहली कार्यकारिणी बैठक स्थानीय हरदत्त-बिरदत्त भवन रोड में स्थित आनंदराम बरुआ अकादमी प्रांगन में आयोजित की गई। बैठक में मंच के सभी सदस्य समय पर उपस्थित रहे। रंगिया के पूर्व विधायक अनंत डेका की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में रंगिया के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मंच ने रंगिया से लोक निर्माण विभाग (गृह) के कार्यकारी अभियंता के कार्यालय को रंगिया के लोगों को इसके बारे में बताए बिना अमीनगांव स्थानांतरित करने के निर्णय पर मंच ने आपत्ती जताते हुए क्षोभ व्यक्त किया। उन्होंने अनुमान लगाया कि हो सकता है कि किसी को खुश करने के लिए कोई ऐसे जिद्दी फैसले पर राजी हुआ है। बैठक में संबंधित विभागों को चेतावनी दी गई कि वे आने वाले दिनों में इस तरह के अड़ियल फैसले न लें। नागरिक मंच के आज की बैठक में रंगिया के स्वास्थ्य और शिक्षा खंड की जांच के बाद महकमाधिपती और जिलाधिपती से मिलने और उन्हें एक ज्ञापन सौंपने का निर्णय

लिया। बैठक में रंगीया से होकर बहने वाली अतिशांत बरौलिया नदी के दोनों किनारों की सफाई कर, वहां कचरा डंपिंग पर प्रतिबंध लगाने, नागरिकों पर लगाए गए बढ़े हुए नगरपालिका करों को कम करने और करों को लोगों के लिए स्वीकार्य बनाने पर पुनर्विचार करने के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा रंगिया गौरव व स्वाभिमान ऐतिहासिक सन 1951 में निर्मित हरदत्त-बीरदत्त भवन के उपयोग के लिए निर्धारित किराया बहुत अधिक हो जाने का बैठक में मत व्यक्त किया गया। इसके बजाए, उन्होंने यह 3, 6, 9, 12 और 18 घंटे के हिसाब से सरकार से किराया दरें तय करने और सार्वजनिक संपत्ति को सर्वसाधारण लोगों को उपयोग करने का अवसर देने का भी आग्रह किया। बैठक में रेलवे की विभिन्न निर्माणाधीन योजनाओं पर भी चर्चा की गई, उन्होंने कहा कि रेल नगरी के रूप में विख्यात रंगिया आने वाले दिनों में फ्लाईओवर नगरी बनने जा रहा है। रंगिया में अबतक दो पुल पहले ही पूरे हो चुके हैं और तीन अन्य जल्द ही शुरू किए जाने के लिए मंच द्वारा मांग की जा रही है। दूसरी ओर चक्राधिकारी कार्यालय के पास से शुरू होने वाले एसके-14 गेट पर फ्लाईओवर के नीचे तीन सुरंगें और पुल से रेलवे जंक्शन तक एक सड़क बनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने इस वर्ष के लिए राज्य सरकार के बजट में राष्ट्रीय राजमार्ग (127डी) पर रंगिया-भूटान रोड पर तिनाली रेल क्रॉसिंग पर प्रस्तावित फ्लाईओवर को शामिल करने के लिए स्थानीय विधायक का ध्यान आकर्षित किया। बैठक में महासचिव मुकुट चौधुरी, द्विपेन चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष गौरी प्रभा मोहंतो, दिनेश चंद्र मोहंतो, नव कलिता, अजीजुर रहमान, साईदुल इस्लाम, कोषाध्यक्ष अबुबक्कर सिद्दीकी, करुणानंद शर्मा, खानिन्द्र कलिता, सुरभि लहकर आदि ने रंगिया के मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए।

मेधीपाड़ा में जलजोली नदी घाट से भारी मात्रा में तस्करी की लकड़ी जब्त

नगरबेड़ा (विभास)। ऐसे समय में जब ग्वालपाड़ा जिले में रंगजुली वन अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से लकड़ी की तस्करी बेरोकटोक जारी थी, वन विभाग की एक टीम कामरूप और ग्वालपाड़ा की सीमा से सटे मेधीपाड़ा गांव से सटे जलजोली नदी में गोपनसूत्र के अनुसार पीछा करने वाले वाहन सहित बड़ी मात्रा में तस्करी की लकड़ी को जब्त करने में कामयाब रही। शिमलिटोला ब्लॉक वन विभाग के वन अधिकारी कनक चंद्र डेका के नेतृत्व में वन अधिकारियों की एक टीम ने छापा मारा और वाहन एएस 18-सी 6869 सहित बड़ी मात्रा में तस्करी की लकड़ी जब्त की। हालांकि छापेमारी

करने वाली टीम किसी भी तस्कर को पकड़ नहीं पाई है। जब्त तस्करी की सागौन की लकड़ी का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 50, 000 रुपए बताया जाता है। जब्त तस्करी की लकड़ी को शिमलिटोला ब्लॉक वन विभाग कार्यालय में संग्रहीत किया गया है।

लायंस उमंग का पर्यावरण जागरूकता सप्ताह संपन्न

गुवाहाटी। मावन, समाज सेवा के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से पर्यावरण जागरूकता सप्ताह आयोजित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पौद्दार के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके तहत पबितरा, नारंग स्थित बीरकूची एलपी स्कूल, शांतिनगर स्थित गणेश मंदिर पथ, नारंगी स्थित बोंदा आंचलिक कॉलेज, नारंगी तिनाली, चांदमारी स्थित पूब गुवाहाटा आदर्श हाई स्कूल खेल मैदान सहित गुवाहाटी तथा आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पौधे लगाए एवं लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्य को संपादित करने में लायंस जिलापाल (निर्वाचित) सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पौद्दार, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, सचिव संगीता अग्रवाल सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

लव जिहाद आरोपी गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बाईहटा चाराली इलाके से लव जिहाद की घटना में शामिल युवक को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पड़कर पुलिस को सौंप दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी के चांदमारी स्थित मारुति सुजुकी डीलर कंपनी में काम करने वाला बरपेटा जिलांतर्गत वेल्ला निवासी रकीबुल हक हिंदू लड़की को गुवाहाटी घूमने का बहाना बनाकर शिलांग ले गया। सूत्रों ने बताया है कि स्वयं को हिंदू बताकर मुस्लिम युवक द्वारा हिंदू युवती को भगाकर ले जाने की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रकीबुल हक को पकड़कर बाईहटा चाराली पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में दर्ज शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

चेन्नई के कावेरी अस्पताल ने विश्व हृदयालय सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी। चेन्नई के कावेरी अस्पताल ने पिछले 2 वर्षों में असम के कम से कम 10 लोगों का *हृदय ताल समस्याओं* के लिए इलाज किया है। ये मरीज असम के विभिन्न जिलों से आए थे। ये सभी मरीज अपने घर वापस लौट गए हैं और उनका स्वास्थ्य अच्छा है। कावेरी अस्पताल के डॉक्टरों के साथ टेलीकंसल्टेशन पर उनकी बारीकी से निगरानी की जा रही है। चेन्नई के कावेरी अस्पताल के प्रमुख कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट और वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप चंद राजा ने कहा कि हृदय के अंदर विद्युत तार होते हैं। ये विद्युत तार हृदय की धड़कन के दो महत्वपूर्ण पहलुओं, अर्थात दर और लय को बनाए रखते हैं। हृदय संगीत के प्रवाह की तरह एक नियमित लय में धड़कता है। कभी-कभी हृदय की धड़कन बहुत धीमी हो सकती है, प्रति मिनट 60 धड़कन से भी कम, जिसे *ब्रैडीकार्डिया* कहा जाता है। कभी-कभी बिना किसी उकसावे के हृदय की धड़कन 100 प्रति मिनट से भी अधिक हो सकती है, जिसे *टैचीकार्डिया* कहा जाता है। कभी-कभी हृदय की लय गड़बड़ा जाती है, जैसे शोरगुल वाला संगीत, जिसे *अनियमित लय* कहा जाता है। हृदय की लय संबंधी समस्याएं हृदय के विद्युत तारों के अंदर शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं। ये शॉर्ट सर्किट ऊपरी कक्ष या निचले कक्ष से हो सकते हैं। सबसे आम हृदय लय संबंधी समस्याएं *एट्रियल फिब्रिलेशन* और *एसवीटी-सुप्रावेंट्रिकुलर टैचीकार्डिया* हैं। ये आमतौर पर मृत्यु का कारण नहीं बनते हैं। हालांकि, इन रोगियों के लिए *ब्रेन स्ट्रोक* का जोखिम होता है। हृदय लय संबंधी अधिकांश समस्याएं कुछ हृदय प्रक्रियाओं से ठीक हो सकती हैं। ये प्रक्रियाएं *बिना सर्जरी* के की जाती हैं। इन हृदय लय संबंधी समस्याओं का इलाज करने वाले डॉक्टर को *कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट* कहा जाता है। वह *हृदय का इलेक्ट्रीशियन* होता है। वह समस्या का निदान करने के लिए *इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी अध्ययन (ईपी अध्ययन)* कर सकता है और रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आरएफए) द्वारा उन्हें ठीक कर सकता है। ये दर्द रहित गैर-सर्जिकल प्रक्रियाएं हैं। हृदय की लय की गड़बड़ी को नियंत्रित रखने और इन *तेज* हृदय ताल की समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए उत्कृष्ट दवाएं उपलब्ध हैं। दुर्भाग्य से *धीमी* हृदय लय की समस्याओं को ठीक करने के लिए कोई दवा नहीं है। धीमी हृदय गति की गड़बड़ी के लिए पेसमेकर ही एकमात्र उपाय है।

ग्वालपाड़ा के जियागुड़ी में केको सांप बरामद

नगरबेड़ा (विभास)। रंगजूली वन अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत शिमलाटोला ब्लॉक वन अधिकारी के कार्यालय के अंतर्गत जियागुड़ी एलपी स्कूल में एक कोको सांप के रेस्क्यू से इलाके में सनसनी फैल गई। यह पता चला है कि छात्र, शिक्षक और बड़ी संख्या में लोग स्कूल के पास इकट्ठा हो गए, जब उन्होंने जियागुड़ी प्राथमिक विद्यालय नंबर 912 के कक्षा चार अध्ययन कक्ष के अंदर देखा और चिल्लाया। बाद में, जब स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जुल्हास अली की देखरेख में शिमलिटोला ब्लॉक वन अधिकारी के कार्यालय में सूचित किया गया, तो वन कर्मियों की एक टीम पहुंची और स्कूल के शिक्षकों, अध्यक्षों और जनता की मदद से कोको सांप को बचाया और अंत में वन अधिकारी कार्यालय के तहत घने जंगल क्षेत्र में केको सांप को छोड़ दिया।

योग दिवस से पहले पीएम मोदी ने किया आसन का वीडियो शेयर

-ताड़ासन को बताया शरीर को सबसे ज्यादा ताकत देने वाला योग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 21 जून यानी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस। इस दिन पूरी दुनिया में योग दिवस मानाया जाता है। इस आयोजन के जरिए लोगों को अपनी दिनचर्या में योग शामिल करने और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को योग को अपने जीवन में शामिल करने का आग्रह करते हुए आसन का एक वीडियो शेयर किया। पीएम मोदी ने अपने एक्स पर आसन करते हुए अपना एआई-जनरेटेड वीडियो शेयर करते हुए लिखा-ताड़ासन शरीर के लिए बहुत अच्छा योगा है। इससे बॉडी को ज्यादा ताकत मिलती है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले, पीएम मोदी योग के अलग-अलग आसनों और उनके फायदों के बारे में बताते हुए अपने वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी, पीएम मोदी ने एक योग वीडियो की एक सीरीज पोस्ट की थी जिसमें पीएम मोदी ने कहा था योग दिवस नजदीक आ रहा है। मैं वीडियो शेयर कर रहा हूं, जिसमें कई तरह के आसन और उनके लाभ बताए गए हैं। मुझे उम्मीद है कि यह आप सभी को नियमित रूप से योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि योग शांति प्रदान करता है, यह हमें जीवन की चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने में मजबूत बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि अब दुनिया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर मानव समाज के कल्याण के लिए दुनिया भर में

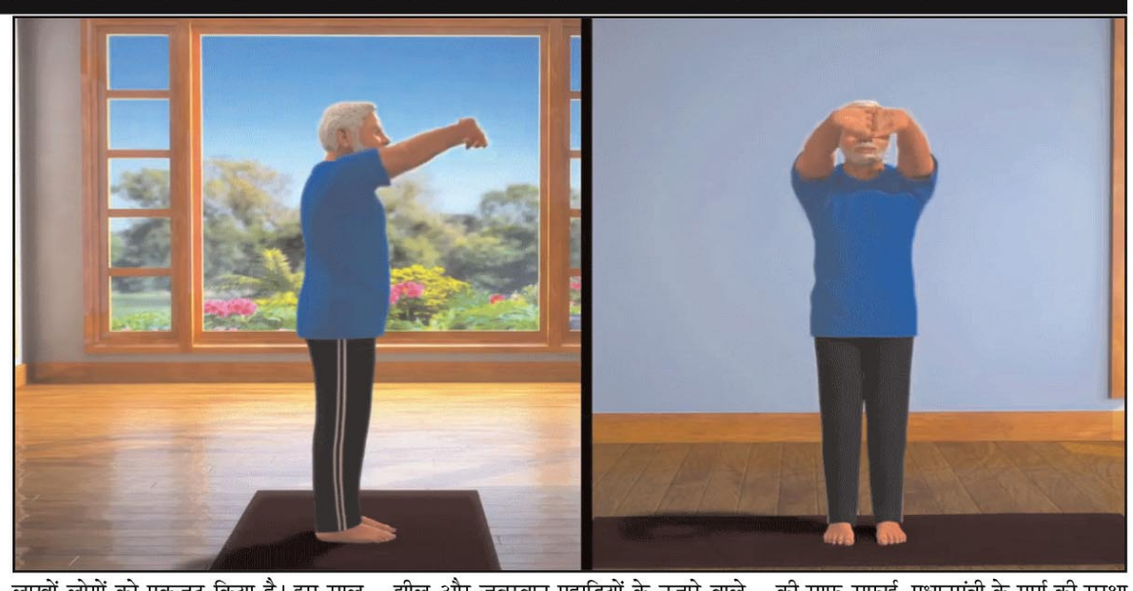

लाखों लोगों को एकजुट किया है। इस साल 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस बार थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग रखी गई है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले श्रीनगर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम - अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा से पहले श्रीनगर शहर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री श्रीनगर में डल झील और जबरवान पहाड़ियों के नजारे वाले एसकेआईसीसी बैकयार्ड में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे। लगातार तीसरी बार पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 जून को कश्मीर की अपनी पहली यात्रा पर आएंगे। उनकी इस यात्रा के लिए सभी सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसमें 21 जून को समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की पूर्ण सुरक्षा और परेशानी मुक्त आवाजाही शामिल है। स्थल की साफ-सफाई, प्रधानमंत्री के मार्ग की सुरक्षा और अन्य सभी संबंधित पहलुओं पर बारीकी से विचार किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एसपीजी की एक टीम स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का समन्वय करने के लिए प्रधानमंत्री के दौरे से दो दिन पहले यहां पहुंच जाएगी। प्रमुख खिलाड़ियों सहित करीब 6,000 लोग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ शामिल होंगे।

जल संकट पर बोली भाजपा- दिल्ली सरकार की पानी माफिया के साथ सांठगांठ

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी के कई हिस्सों में जल संकट बरकरार है। लोगों को भीषण गर्मी में पानी की किल्लत से दो-चार होना पड़ रहा है। दिल्ली सरकार की नाकामी और "टैंकर माफिया" पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार का टैंकर माफिया के साथ सांठगांठ है। गुरुवार को भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बाद दिल्ली सरकार को बहाने बनाना बंद करना चाहिए, पानी की सप्लाई को दोष देना बंद करना चाहिए। दूसरों को दोष देने से अपने पाप कम नहीं होते। दिल्ली सरकार को लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने पानी माफिया के खिलाफ क्या कार्रवाई की है। दिल्ली

सरकार पानी टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय उन्हें बचाने के लिए बहाने बना रही है, क्योंकि शायद उन्हें हर पानी के टैंकर पर कमीशन मिल रहा है, इसलिए कार्रवाई करने की बजाय दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। पूनावाला ने कहा कि आम आदमी पार्टी हरियाणा पर आरोप लगाती है लेकिन हिमाचल प्रदेश ही पानी देने से मना कर रहा है। कांग्रेस को बताना चाहिए कि क्या हरियाणा के लोगों के साथ यह दुर्व्यवहार उचित है। आम आदमी पार्टी जेल से सरकार चला रही है और दिल्ली के लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए सड़कों पर हैं। यह कितना उचित है। उल्लेखनीय है कि आज सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार ने हलफनामा दाखिल कर कहा कि टैंकर माफिया पर वे कार्रवाई नहीं कर सकते, क्योंकि ये सब टैंकर माफिया हरियाणा से संचालित हैं।

पेमा खांडू के लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर जेपी नड्डा ने दी बधाई, बताया ऐतिहासिक क्षण

नई दिल्ली, (हि.स.)। पेमा खांडू ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली। शपथ ग्रहण समारोह में चौना मीन ने अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने पेमा खांडू को विधायक दल का नेता चुना था। इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षकों- रविशंकर प्रसाद और तरुण चुग भी मौजूद थे। पेमा खांडू के शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई अन्य नेता मौजूद थे। भाजपा ने 60 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट पर जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश की सत्ता में वापसी की है। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पेमा

खांडू को बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने ट्वीट करके कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में पेमा खांडू के समर्पित और अभिनव नेतृत्व विकास की गति को तेज करेगा और राज्य को 'विकसित अरुणाचल' की ओर ले जाएगा और मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण में प्रभावी ढंग से योगदान देगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भाजपा सरकार ने बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देकर, कनेक्टिविटी को बढ़ाकर और अपने लोगों के लिए अधिक आर्थिक और सामाजिक अवसर पैदा करके अरुणाचल प्रदेश को बदल दिया है।

कारगिल विजय की रजत जयंती पर भारतीय सेना का 'डी5' मोटर साइकिल अभियान शुरू

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना ने कारगिल विजय की रजत जयंती (25 वर्ष) पूर्ण होने पर 'डी5' मोटर साइकिल अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मकसद देश के वीर सैनिकों के शौर्य और पराक्रम का सम्मान करना है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की कल शाम जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, यह अभियान 1999 के कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय गाथा पर केंद्रित है। इसका मकसद वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करना भी है। आठ मोटरसाइकिलों की तीन टीमों ने देश के तीन कोनों- पूर्व में दिनजन, पश्चिम में द्वारका और दक्षिण में धनुषकोडि से इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरूआत की है। अभियान में शामिल टीम अपने-अपने मार्ग में कारगिल युद्ध के नायकों, दिग्गजों और वीर नारियों से संपर्क करेंगे। मार्ग में पड़ने वाले युद्ध स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। युवाओं को भारतीय सेना में शामिल

होने के लिए भी प्रेरित करेंगे। पूर्वी मार्ग में दिनजन से दिल्ली तक की आवाजाही शामिल है। टीम लगभग 2,489 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए जोरहाट, गुवाहाटी, बिनागुरी, कटिहार, दानापुर, गोरखपुर, लखनऊ और आगरा से गुजरेगी। पश्चिमी मार्ग में द्वारका से ध्रांगधरा, अहमदाबाद, उदयपुर, जोधपुर, अजमेर, जयपुर और अलवर होते हुए दिल्ली तक की आवाजाही शामिल है। यह टीम लगभग 1,565 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। दक्षिणी मार्ग में धनुषकोडि से दिल्ली तक मदुरै, कोयम्बटूर, बेंगलुरु, अनंतपुर, हैदराबाद, नागपुर, भोपाल, ग्वालियर और अलवर होते हुए लगभग 2,963 किलोमीटर की आवाजाही शामिल है। तीनों टीमें 26 जून को दिल्ली में एकत्र होंगी और दो अलग-अलग मार्गों से द्रास के लिए रवाना होंगी। अभियान का समापन में द्रास के गन हिल में होगा। गन हिल कारगिल युद्ध के दौरान अपने रणनीतिक महत्व के लिए इतिहास में अंकित प्रमुख स्थान है। इस अभियान का नेतृत्व तोपखाने की रेजिमेंट कर रही है। इस रेजिमेंट नेऑपरेशन विजय में सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत रवाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह आज सुबह नई दिल्ली से कुवैत रवाना हो गए। उल्लेखनीय है कि कुवैत के मंगाफ शहर में एक बहुमंजिला इमारत में कल आग लगने से भारत के लगभग 42-43 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में अधिकांश केरल, तमिलनाडु और उत्तर भारतीय राज्यों के नागरिक शामिल हैं। सिंह ने विदेश रवाना से पहले नई दिल्ली में कहा, "अग्निकांड की सूचना मिलते ही हमने कल शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक में चर्चा की। वहां पहुंचने पर पूरी स्थिति साफ हो सकेगी। अभी यह जानकारी यह है कि कुछ शव इतने झुलस गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल है।

पहचान के लिए डीएनए परीक्षण चल रहा है। जैसे ही शवों की पहचान हो जाएगी, उनके परिजनों को सूचित किया जाएगा। शवों को वापस वायुसेना के विमान से स्वदेश लाया जाएगा। हमारे पास कल रात के नवीनतम आंकड़े हैं। हताहतों की संख्या लगभग 48-49 है। इनमें से 42 या 43 भारतीय नागरिक हैं।"

सुप्रीम कोर्ट ने अपर यमुना रिवर बोर्ड से दिल्ली जल संकट जल्द से जल्द सुलझाने को कहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली जल संकट विवाद से किनारा कर लिया है। कोर्ट ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना जल के बंटवारे से संबंधित मुद्दा एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। सुप्रीम कोर्ट के पास फॉमूर्ला तय करने की विशेषज्ञता नहीं है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वे आज शाम पांच बजे तक अपर यमुना रिवर बोर्ड के समक्ष अपनी मांग रखे। कोर्ट ने अपर यमुना रिवर बोर्ड को निर्देश दिया कि वो दिल्ली सरकार का आवेदन मिलने के बाद कल शाम बैठक कर इस मामले को जितना जल्द हो सके सुलझाएं। अगर जरूरत पड़ी तो अपर यमुना रिवर बोर्ड रोजाना बैठक कर सकती है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा है कि वो टैंकर माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकती, क्योंकि टैंकर माफिया यमुना के दूसरे किनारे से पानी ले रहे हैं जो हरियाणा में पड़ता है। दिल्ली सरकार ने कहा है कि अदालत इस मामले में हरियाणा से पूछे कि कार्रवाई क्यों नहीं की गई। दरअसल, 12 जून को सुप्रीम कोर्ट ने पानी की बबार्दी और टैंकर माफिया को लेकर दिल्ली सरकार को फटकार

लगाई थी। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने दिल्ली सरकार से कहा था कि अगर टैंकर माफिया के खिलाफ आप कार्रवाई नहीं कर रहे हैं तो हम दिल्ली पुलिस को आदेश देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को हलफनामा दाखिल कर ये बताने को कहा है कि पानी की बबार्दी रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं। दिल्ली सरकार की याचिका में दिल्ली में पानी की किल्लत को देखते हुए हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए अतिरिक्त पानी दिए जाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। दिल्ली सरकार ने भीषण गर्मी का हवाला देते हुए कहा था कि दिल्ली की पानी की जरूरत बढ़ गई है। ऐसे में देश की राजधानी में पानी की जरूरत पूरा करना सबकी जिम्मेदारी है। इसलिए सीमावर्ती राज्य अतिरिक्त पानी दिल्ली को दें।

अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा ने राकांपा (एपी) गुट से राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए गुरुवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने विधान भवन में अपना नामांकन दाखिल किया है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना शिंदे समूह का कोई नेता उपस्थित नहीं था। सुनेत्रा पवार ने बारामती लोकसभा क्षेत्र से भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, लेकिन वह एनसीपी (शरद पवार गुट) की उम्मीदवार सुप्रिया सूले से पराजित हो गईं। इसी वजह से पूर्व मंत्री प्रफुल्ल पटेल की रिक्त राज्यसभा सदस्य पद की सीट पर सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाए जाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद सुनेत्रा पवार ने आज विधान भवन में जाकर अपना नामांकन दाखिल

किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार, राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल, राकांपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, वरिष्ठ नेता व मंत्री छगन भुजबल, विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल आदि नेता उपस्थित थे। सुनेत्रा पवार ने पत्रकारों को बताया कि पार्टी ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें सर्वसम्मति से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। इसलिए मैं सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास दिखाया है, इसलिए वे जनहित में बेहतर काम करेंगी।

नीट-यूजी : 1563 छात्रों के ग्रेस मार्क्स रद्द, 23 जून को दोबारा होगी परीक्षा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 1,563 नीट-यूजी 2024 उम्मीदवारों को ग्रेस मार्क्स देने का फैसला रद्द कर दिया गया है। इन उम्मीदवारों को 23 जून को होने वाली दोबारा परीक्षा का विकल्प चुनने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने एक बयान जारी कर बताया कि उच्चाधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में सभी 1563 छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स वापस ले लिये गए हैं। सभी 1563 उम्मीदवारों के लिए 23 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का परिणाम 30 जून को घोषित किया जाएगा। बयान में कहा

गया है कि एनटीए जल्द ही एक सार्वजनिक सूचना जारी करेगा और इन 1563 उम्मीदवारों से ई-मेल के माध्यम से संपर्क करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें आधिकारिक संचार प्राप्त हो।

राजनाथ सिंह ने लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री का कार्यभार संभाला

- रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राजनाथ सिंह मुलाकात की

नई दिल्ली, (हि.स.)। लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया है। 2019 से 2024 तक के सफल कार्यकाल के बाद उन्हें लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्रालय सौंपा गया है। पिछली सरकार में राजनाथ सिंह ने 01 जून, 2019 को पहली बार रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभाला था। उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता राजनाथ सिंह का जन्म 10 जुलाई, 1951 को उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में हुआ था। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातकोत्तर किया। वे पेशे से शिक्षाक रहे हैं। वे 1977-1980 और 2001-2003 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। वे 1991-1992 में उत्तर प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री रहे। 1999 से 2000 तक वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में भूतल परिवहन मंत्री रहे। बाद में 2000-2002 तक वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। 2003 में उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल में कृषि मंत्री के रूप में अपनी सेवा दी। वे 1994-1999 और 2003-2008 तक दो बार राज्यसभा के लिए चुने गए। 2009 में वे 15वीं लोकसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 07 अक्टूबर, 2009 को आचार समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। राजनाथ सिंह को 27 मई, 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में गृह मंत्री के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। कार्यभार ग्रहण करते ही राजनाथ सिंह से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुलाकात की। झारखंड के रांची से सांसद संजय सेठ ने बुधवार को ही रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार संभाल लिया है। संजय सेठ 2019 में पहली बार रांची से सांसद बने और वे सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति के सदस्य रहे हैं। 2024 में भी वे रांची से ही लोकसभा के लिए चुने गए।

कठुआ आतंकी हमले में बलिदानी जवान का पैतृक गांव में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

- नम आंखों से हजारों लोगों ने दी अंतिम विदाई, सीआरपीएफ जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

छिंदवाड़ा, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले में बलिदान हुए जवान कबीर दास उईके का गुरुवार को उनके पैतृक गांव छिंदवाड़ा जिले पुलपुलडोह में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हजारों लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। अंतिम यात्रा के दर्शन के लिए लोग घरों की छतों पर चढ़ गए। अंतिम संस्कार के समय सीआरपीएफ के आईजी सुखबीर सिंह सोढ़ी और डीआईजी नीतू सिंह भी मौजूद रहीं। वही, कलेक्टर शिलेंद्र सिंह, एसपी मनीष खत्री भी मौजूद थे। बीते मंगलवार रात जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर स्थित सैदा सुखल गांव में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ जवान कबीर दास (35 वर्ष) गोली लगने से घायल हो गए थे, बुधवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली थी। कबीर दास मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की बिछुआ तहसील के ग्राम

पुलपुलडोह के रहने वाले थे। वे 2011 में बतौर कॉन्स्टेबल सीआरपीएफ में शामिल हुए थे। उनकी चार साल पहले शादी हुई थी। परिवार में उनकी मां इंदरवति उईके, पत्नी ममता उईके, छोटा भाई हैं। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। पिता का निधन हो चुका है। शहीद कबीर दास उइके का पार्थिव शरीर पहले हवाई मार्ग से गुरुवार सुबह नागपुर पहुंचा और यहां से सेना के वाहन द्वारा सड़क मार्ग से पुलपुलडोह (मरजातपुर) लाया गया। गांव पहुंचते ही शहीद के अंतिम दर्शन के लिए लोग उमड़ पड़े। इस दौरा पूरा गांव देशभक्ति के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे भी लगाए गए। अंतिम दर्शन के बाद उनके घर अंतिम रस्म पूरी की गई। सीआरपीएफ जवानों ने बलिदानी कबीर दास को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जिस तिरंगे से ढंक कर उनकी पार्थिव देह लाई गई, वह तिरंगा उनके परिजन को भेंट किया गया। इसके बाद आदिवासी परंपरा के अनुसार कबीर दास की पार्थिव देह को उनके घर के पीछे खेत में दफनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग उनके घर मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश में शुरू हुई पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा, राजधानी भोपाल से सीधे जुड़े आठ शहर

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश में पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा शुरू हो गई है। गुरुवार को राजधानी भोपाल के राजाभोज अंतरराष्ट्रीय विमानतल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर इस सेवा की पहली उड़ान (एयर टैक्सी) को रवाना किया। इसी के साथ भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रीवा, खजुराहो और सिंगरौली एक-दूसरे से सीधे जुड़ गए। इन शहरों के बीच छह सीटर दो एयर टैक्सी संचालित होंगी। इस वायु सेवा के शुरू होने से भोपाल से इंदौर का सफर 55 मिनट में पूरा हो जाएगा। शुरूआती 30 दिन तक किराए में 50 फीसदी डिस्काउंट भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा संचालन के शुभारंभ अवसर पर भोपाल एयरपोर्ट स्थित सेवा का टिकट बुकिंग काउंटर का भी शुभारंभ किया तथा यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए। यह फ्लाइट भोपाल से जबलपुर होकर रीवा जाएगी और वहां से

सिंगरौली लैंड होगी। इसके बाद इसी रूट से वापस भोपाल आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा से प्रदेश में पर्यटन के साथ-साथ उद्योग, व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र को भी लाभ होगा। प्रदेश में बढ़ रही एयर कनेक्टिविटी की सौगात सभी सेक्टरों को मिलेगी और प्रदेश के विकास को नये आयाम मिलेंगे। यह नियमित एयर टैक्सी सेवा भोपाल से प्रातः 7.45 बजे चलकर प्रातः 9.15 बजे जबलपुर पहुंचेगी। इसके बाद जबलपुर से प्रातः 9.45 बजे प्रस्थान कर प्रातः 11.15 बजे रीवा पहुंचेगी। भोपाल से केवल साढ़े तीन घंटे में यात्री रीवा पहुंच जाएंगे। इसके बाद एयर टैक्सी प्रातः 11.30 बजे रीवा से प्रस्थान कर 12 बजे सिंगरौली पहुंचेगी। सिंगरौली से एयर टैक्सी की वापसी यात्रा दोपहर 12.15 बजे होगी। एयर टैक्सी दोपहर 12.45 बजे रीवा पहुंचेगी। रीवा से यात्रियों को लेकर दोपहर 1.15 बजे प्रस्थान कर दोपहर 2.35 बजे जबलपुर पहुंचेगी। जबलपुर से 2.45 बजे प्रस्थान कर शाम 4.15 बजे भोपाल पहुंचेगी। दूसरी एयर टैक्सी का शुरूआत 15 जून को ग्वालियर एयरपोर्ट से होगी। यह एयर टैक्सी ग्वालियर से इंदौर, भोपाल और उज्जैन के बीच संचालित होगी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिवशेखर शुक्ला, प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी, अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी मौजूद रहे।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा का रिजल्ट जारी किया

जम्मू (हिंस)। जम्मू और कश्मीर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इससे दसवीं की परीक्षा देने वाले छात्रों का इंतजार अब खत्म हो गया है। जिन भी विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। वे अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। छात्र अपने रोल नंबर और अपने नाम का उपयोग करके अपने जेकेबीओएसई परिणाम 2024 की जांच कर सकते हैं। जम्मू.कश्मीर के हार्ड और साफ्ट जोन के 1, 46, 136 विद्यार्थियों ने इस बार परीक्षा दी। इनमें 1, 15, 816 विद्यार्थी पास हो गए हैं। इसमें 74, 395 छात्राएं और 71, 741 छात्र शामिल हैं। इस बार दसवीं का परीक्षा परिणाम 79.25 प्रतिशत रहा है। इसमें 81.10 प्रतिशत छात्राएं और 77.33 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। जम्मू एवं कश्मीर बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं की परीक्षाएं सॉफ्ट जोन में 11 मार्च से 4 अप्रैल 2024 तक और हार्ड जोन में 4 अप्रैल से 9 मई 2024 तक आयोजित की गईं थीं।

यूपी में परिवार नियोजन के लिए सास बेटा, बहु सम्मेलन कराएगी योगी सरकार

लखनऊ (हिस)। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का दूसरा चरण कम्युनिटी मोबिलाइजेशन 27 जून से शुरू होकर 10 जुलाई तक चलेगा। योगी सरकार जनसमुदाय को परिवार नियोजन के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे- सारथी वाहन और सास-बेटा-बहु सम्मलेन का आयोजन किया जाएगा। पखवाड़े का तीसरा चरण सेवा प्रदायगी 11 से 24 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान सभी स्वास्थ्य इकाइयों में परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों (बास्केट ऑफ च्वाइस) के बारे में परामर्श दिया जाएगा और योग्य एवं इच्छुक लाभार्थियों के लिए को यह साधन उपलब्ध भी कराए जाएंगे। जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस संबंध में प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि

जनसंख्या पखवाड़ा हर साल मनाया जाता है, जिसमें अधिकारी से लेकर स्वास्थ्य कार्यकर्ता, समुदाय सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं। इसके साथ ही साथ परिवार कल्याण के कई कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। इन्हीं सबका परिणाम है कि प्रदेश में सकल प्रजनन दर (टीएफआर) में कमी आई है, जो हमें राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण से स्पष्ट होती है। एनएफएचस- 5 (2019-20) के अनुसार टीएफआर 2.4 है जबकि एनएफएचस-4 (2015-16) में यह आंकड़ा 2.7 था। इसी क्रम में एक जून से 20 जून तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े के प्रारंभिक चरण पर काम शुरू हो गया है। इसके तहत लक्षित दंपतियों को प्रेरित करने, सेवा प्रदायगी गतिविधियों को अच्छे ढंग से जमीन पर उतारने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसमें सेवा प्रदाताओं का क्षमतावर्धन, परिवार नियोजन साधनों की आपूर्ति और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर काम किया जा रहा है। इस वर्ष जनसंख्या पखवाड़ा का नारा है- विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान। वहीं इस बार की थीम मां और बच्चे की सेहत के लिए गर्भधारण का सही समय और अंतर रखी गई है। परिवार कल्याण कार्यक्रम के महाप्रबंधक डॉ. सूर्यांश ओझा ने बताया कि कार्यक्रम का पूरा जोर समुदाय को परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित करने, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और फैमिली प्लानिंग लॉजिस्टिक मैनेजमेन्ट इनफॉर्मेशन सिस्टम (एफपीएलएमआईएस) पोर्टल को सुदृढ़ करने पर है क्योंकि इसके द्वारा सभी स्तरों पर परिवार नियोजन सामग्री एवं साधनों का निरीक्षण एवं प्रबंधन किया जाता है। पखवारे के दौरान यदि कोई जनपद नवाचार करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। परिवार नियोजन के अस्थायी साधन जैसे त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा, साप्ताहिक गर्भनिरोधक गोली छाया, प्रसव बाद इंट्रायूट्राइन कॉन्ट्रासेप्टिव डिवाइस (पीपीआईयूसीडी), गर्भपात बाद इंट्रायूट्राइन कॉन्सेट्राप्टिव डिवाइस (पीएआईयूसीडी), कॉपर टी, माला-एन, आकस्मिक गर्भनिरोधक गोली और कांडोम।

जीविका दीदियों को जैविक खेती करने के लिए भारत सरकार से मिला प्रमाण पत्र

सहरसा (हिंस)। भारत सरकार की पहल के तहत, खरीफ और रवि सीजन में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की उपक्रम पीजएस ने सहरसा की जीविका से जुडी महिला किसानों को ष्ट1 प्रमाणपत्र जारी कर सम्मानित किया गया है। जिला परियोजना प्रबंधक अमित कुमार ने उदहारण स्वरुप 05 जीविका किसान दीदियों को अपने कार्यालय वैश्म में इन प्रमाणपत्रों को वितरित किया है। इन उत्कृष्ट महिलाओं में सिमरी बख्तियारपुर की मुन्नी देवी और संजन देवी, पतरघट से रूपा देवी, रानी देवी और अर्चना देवी शामिल हैं। इन प्रमाणपत्रों का वितरण सरकार की महिलाओं को कृषि में सशक्त करने और पर्यावरणीय खेती को बढ़ावा देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। यह पहल न केवल इन महिलाओं के समर्पण और मेहनत की प्रशंसा करती है, बल्कि खेती में जैविक तंत्र के महत्व को भी उजागर करती है। सरकारी इस प्रयास से खेती क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण समुदायों को सशक्त करने में अपने समर्थन की पुष्टि करती है। सहरसा के 24 स्थानीय समूहों में 924 महिला सदस्य हैं जो 385 हेक्टेयर भूमि पर 05 प्रखंड -सोनबरसा, सौरबाजार, पतरघट, सिमरी बख्तियारपुर और नौहट्टा में जैविक खेती कर रही हैं। ये सभी खेती बिना रासायनिक खादों के की जा रही है और जैविक खादों का प्रयोग किया जा रहा है। इससे मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ रही है और उत्पादन में शुद्धता आ रही है। रोगरहित जीवन के लिए जैविक खेती बहुत महत्वपूर्ण है। ये महिलाएं अपने घर खेत में अपने से जैविक खाद को बना कर, गोबर की खाद और वर्मी कंपोस्ट का प्रयोग कर रही हैं। जैविक खाद- जैसे जीवामृत, धन-जीवामृत, जैविक कीटनाशक, निमश्त्र, अग्निअश्त्र, ब्रह्माश्त्र, और वेस्टदिकोम्पोजर आदि बना कर प्रयोग कर रही है। सभी महिलाओं को जैविक खाद बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जीविका और सिम्फेड के संयुक्त प्रयासों से जैविक खेती का कार्यक्रम उच्च स्तर पर चल रहा है। साथ ही, जैविक उत्पादन के पैकेजिंग और विपणन का भी व्यापक कार्य किया जा रहा है। इन महिलाओं को एक वर्ष में लाखपति बनाने का लक्ष्य है।

बीएसएफ के एडीजी (पूर्वी कमान) ने बीएसएफ उत्तरी बंगाल फ्रंटियर क्षेत्र का किया दौरा

किशनगंज (हिंस)। बीएसएफ के एडीजी पूर्वी कमान कोलकाता फ्रंटियर मुख्यालय रवि गांधी गुरुवार को बीएसएफ उत्तर बंगाल के कदमतला पहुंचे। एडीजी (पूर्वी कमान) का उत्तर बंगाल फ्रंटियर के आईजी सूर्यकांत शर्मा और बीएसएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। वे 13 जून से 16 जून तक बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। एडीजी रवि गांधी किशनगंज सेक्टर के अंतर्गत 132वीं बटालियन बीएसएफ के भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के लिए रवाना हुए। उनके साथ बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर के आईजी भी रवाना हुए। एडीजी ने बीएसएफ 132वीं बटालियन के भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के आसपास रहने वाली सीमावर्ती लोगों के साथ बातचीत की। साथ ही भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों के साथ भी बातचीत की और उनके द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और सीमा पार बदमाशों की नापाक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चैबीसों घंटे सीमा पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।

गंगा नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज को तेजी से पूरा कराएं, गुणवत्ता का रखें ध्यान : जिलाधिकारी

वाराणसी (हिस)। लोकसभा चुनाव के बाद जिला प्रशासन ने निर्माणाधीन सभी विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा कराने के लिए खासा जोर दिया है। गुरुवार को जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माणाधीन सभी विकास परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जनपद में निर्माणाधीन सभी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कराते हुए त्वरित गति से पूर्ण कराने के लिए अफसरों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के निर्माण में समय के साथ ही गुणवत्ता का भी पूर्ण ध्यान रहे, किसी भी परियोजना में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उन्होंने कज्जाकपुरा रेलवे ओवरब्रिज की धीमी प्रगति पर असंतोष जताया। और तेजी से कार्य करने के लिए कहा। समीक्षा के दौरान वाराणसी रिंग रोड

फेज दो के अवशेष कार्यों तथा गंगा नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज को तेजी से कार्य कराते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि जनसामान्य के आवागमन के लिए चालू किया जा सके। इसी तरह लहरतारा बीएचयू, कचहरी से संदहा मार्ग, पांडेयपुर-आजमगढ़ मार्ग, काली माता मंदिर से आजमगढ़ मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यों की समीक्षा के दौरान अवशेष धर्मस्थलों को समुचित स्थलों पर शिफ्टिंग कराते हुए अविलंब कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार पड़ाव से रामनगर टेंगरा मोड़ सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़करण के कार्य को जुलाई अंत प्रत्येक दशा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान आईटीआई, मेडिकल कालेज, सिगरा स्टेडियम के पुनर्विकास, रोप वे, सारनाथ पर्यटन विकास, शहर में पार्कों के सुंदरीकरण आदि अन्य परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यों को समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में एडीएम प्रशासन विपिन कुमार, एडीएम प्रोटोकॉल, जिला विकास अधिकारी, पीडी डीआरडीए, पीडब्लूडी, जल निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ओमप्रकाश राजभर ने अजय राय को कहा *कालिया*

लखनऊ (हिस)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष एवं उप्र सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। लोकसभा चुनाव में अपनी सीट गंवाने के बाद फिर से विवादित बयान देकर एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। ओमप्रकाश राजभर ने मीडिया से बातचीत में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर निशाना साधते हुए कहा कि वाराणसी सीट से प्रियंका वाड्रा चुनाव लड़ेगी तो ऐसे में तेरा (अजय राय) का क्या होगा *कालिया*। ओमप्रकाश राजभर ने अजय राय को कालिया नाम से संबोधित करने के बाद कहा कि वाराणसी सीट पर दो पार्टियों सपा और कांग्रेस के वोटरों के एक होने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीते हैं। दो पार्टियों के वोटरों के मिल जाने से जीत का सिर्फ अंतर कम हुआ है। उस पर राहुल गांधी कहते हैं कि प्रियंका

वाराणसी से लड़ती तो दो लाख वोटों से जीत जाती। राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव में हराना नामुमकीन है। सुभासपा अध्यक्ष राजभर ने अपनी हार पर कहा कि चुनावी गणित में कही पीछे रह गए। समीक्षा की जाएगी और इसके बाद ही कोई निष्कर्ष बताया जाएगा। प्रत्याशियों के चयन की जहां तक बात है तो वो विषय भाजपा जाने। हम तो हर समय चुनाव के मूड में रहते हैं। अगले चुनाव को लेकर हमने तैयारियों शुरू कर दी हैं। कार्यकर्ताओं के साथ तीन बैठकें कर चुका हूं। ओमप्रकाश राजभर ने बसपा प्रमुख मायावती की तारीफ करते हुए कहा कि मान्यवर कांशीराम के विचारों को बसपा प्रमुख ने बढ़ाया है। गरीब, वंचित, एससी-एसटी और कमजोर लोगों को मजबूत करने का काम मायावती ने किया है। फिर उन्हें लोकसभा चुनाव में कोई सीट नहीं मिली, यह एक अलग वजह है। बसपा के कार्य में गरीब, कमजोर को मजबूत करना छुपा हुआ है।

अनंतनाग में एक आतंकी सहयोगी की संपत्ति जब्त

अनंतनाग (हिस)। पुलिस ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक आतंकी सहयोगी की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई आतंकवाद से लड़ने और इन नापाक गतिविधियों को सक्षम करने वाले सहायक ढांचे को बाधित करने के लिए की गई है। पुलिस ने कहा कि लोहार सेन्जी गडोले निवासी आतंकी सहयोगी रियाज अहमद भट के दो मंजिला आवासीय घर को कश्मीर के संभागीय आयुक्त के आदेश पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 25 के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया है।

धर्म परिवर्तन के लिए किशोरी को धमकी और भाई से मारपीट, सात पर मुकदमा दर्ज

मीरजापुर (हिस)। विंध्याचल थाना क्षेत्र निवासी किशोरी को तमंचा सटाकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक समेत परिवार के सात सदस्यों पर मारपीट और पथराव करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। किशोरी की मां ने विंध्याचल थाने पर तहरीर देकर शिकायत की थी। आरोप लगाया कि पड़ोसी समीर हाशमी उसकी नाबालिग पुत्री को दो वर्ष से धर्म परिवर्तन करने की धमकी देता रहा है। बात न मानने पर पिता और भाई की हत्या की धमकी दे रहा है। बुधवार को पुत्र और पुत्री

दुकान पर थे। तभी समीर के परिवार के सलमान, मुन्ना हाशमी, मेराज हाशमी, अरबेज, समीर की माता, चाची और अन्य लोगों ने दुकान पर पथराव कर शिकायत वापस लेने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी समीर हाशमी, सलमान, मुन्ना हाशमी, मेराज हाशमी, अरबेज, समीर की माता, चाची और अन्य अज्ञात पर धर्म परिवर्तन के लिए धमकी देने व मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि नाबालिग को धमकाने और दबाव बनाने के मामले में परोक्ष अथवा अपरोक्ष रूप से शामिल सभी लोगों को नामजद किया गया है। जल्द ही सभी की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। थाना प्रभारी विंध्याचल दयाशंकर ओझा ने बताया कि कुछ लोगों की गिरफ्तारी की गई है। शेष लोगों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक के नीचे चार घंटे दबी रही कार, मासूम सहित तीन की मौत

जयपुर (हिस)। रायसर थाना इलाके में बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पांच साल की मासूम भी है। एक्सीडेंट के दौरान कार ट्रक के नीचे दब गई। पूरा परिवार करीब चार घंटे तक कार में ही फंसा रहा है। अगर रेस्क्यू समय पर हो जाता तो सभी की जान बच सकती थी। सीआई महेन्द्र सिंह ने बताया कि परिवार हाथरस (यूपी) का रहने वाला है। मृतकों में अंकित (34), अंकित का साला रवि (32), अंकित की बेटी देवती (5) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अंकित की पत्नी रिंकी (28) गम्भीर रूप से घायल है। जिसका निम्स हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। मृतक अंकित अपने परिवार के साथ बुधवार शाम खाटूश्याम से दर्शन कर घर लौट रहा था। देर रात रायसर थाना इलाके के बाकी माता कट पर सामने आ रहे ट्रक से कार की भिड़ंत हो गई। इसी दौरान कार ट्रक के नीच घुस गई। ट्रक चालक कार को घसीटता हुआ खेत में ले गया। जहां पर एक गड्ढे में कार जाकर फंसी तो ट्रक रुका। एक्सीडेंट की सूचना पुलिस को स्थानीय लोगों ने दी। रायसल, चंदवाजी और मनोहरपुर थानों की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन कार में फंसे घायलों को एक्सीडेंट के चार घंटे बाद कार से निकाला जा सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक्सीडेंट की जानकारी के कुछ देर बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन घायलों को बाहर नहीं निकाला।

डीआईजी की मुस्लिम समाज से अपील, *खुले में कुर्बानी न करें*

वाराणसी (हिस)। पुलिस उप महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र डॉ. ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि बकरीद पर्व पर कोई नई परंपरा नहीं शुरू होगी। उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील की की पर्व पर नई परंपरा की शुरुआत न करें। उन्होंने परिक्षेत्र के पुलिस अफसरों के साथ गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में बैठक की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि पर्व के पूर्व अफसर धर्मगुरूओं के साथ शांति समिति की बैठक करें। डीआईजी ने लोकसभा चुनाव सकुशल शांतिपूर्वक संपन्न कराने पर पुलिस अफसरों और जवानों को बधाई दी। इसके बाद बकरीद के त्यौहार के दृष्टिगत की गई तैयारियों की समीक्षा की। डीआईजी ने पानी की उपलब्धता, कुर्बानी से निकलने वाले वेस्ट मेटेरियल के समुचित निस्तारण पर खासा जोर दिया। डीआईजी ने लोगों से खुले में कुर्बानी न देने, संरक्षित पशुओं की कुर्बानी न करने, कुर्बानी का वीडियो न बनाने, कुर्बानी के अवशेष को गड्ढे में दबाने के लिए कहा, ताकि कोई जानवर उसे निकालकर इधर-उधर न डाल सके। बैठक में आइजीआरएस व जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के डिफाल्टर से पूर्व की स्थिति में समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर बल दिया। उन्होंने टॉप टेन सूची में शामिल अभियुक्तों की सतत निगरानी व उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए। यूपी 112 पर प्राप्त सूचनाओं को पीआरवी वाहनों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर समयबद्ध निस्तारण, लूटेरे, अवैध शराब व पशु

तस्करों आदि पेशेवर अपराधियों की सूची तैयार करने का भी निर्देश दिया। साथ ही बदमाशों की सतत निगरानी व सत्यापन करते हुए सक्रिय दुर्दांत अपराधियों का जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई कराने को कहा। अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे आपरेशन त्रिनेत्र पर उन्होंने खासा बल दिया। उन्होंने कहा कि अभियान में ग्राम पंचायत एवं व्यापारियों, प्रतिष्ठान मालिकों, समाजसेवियों व अन्य लोगों से वार्ता कर व सामंजस्य बना जनसहयोग से अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित व संचालन कराए। डीआईजी ने अपराध की रोकथाम एवं बिना नंबर प्लेट व त्रुटिपूर्ण नंबर प्लेट लगे वाहनों की सघन चेकिंग, रात्रि गश्त, पैदल गश्त के निर्देश दिए। डीआईजी ने बैठक में आमजनमानस के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न करने की संख्त हिदायत दी। महिलाओं व बालिकाओं की शिकायत को गंभीरता से सुन प्रतिदिन प्राप्त प्रार्थना पत्रों की ससमय जांच कराने और उसके निस्तारण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के क्रम में महिला बीट अधिकारी *शक्ति दीदी* सार्वजनिक स्थानों, कस्बों व गांवों में चौपाल लगाकर महिलाओं को जागरूक करें।

जम्मू-कश्मीर के सभी स्कूलों को सुबह की सभा राष्ट्रगान के साथ शुरू करने का निर्देश

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के स्कूल शिक्षा विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश के सभी स्कूलों को सुबह की सभा राष्ट्रगान के साथ शुरू करने का निर्देश दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने एक परिपत्र के माध्यम से सभी स्कूलों को पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुबह की सभा एक समान बनाने का निर्देश दिया। गुरूवार को जारी परिपत्र में कहा गया है कि मानक प्रोटोकॉल के अनुसार सुबह की सभा राष्ट्रगान के साथ शुरू होनी चाहिए। विभाग ने कहा कि सुबह की सभा छात्रों में एकता और अनुशासन की भावना पैदा करने में एक अमूल्य अनुष्ठान साबित हुई है। परिपत्र में कहा गया है कि वे (सभाएं) नैतिक अखंडता, साझा समुदाय और मानसिक शांति के मूल्यों को पोषित करने के लिए मंच के रूप में काम करती हैं। हालांकि, यह देखा गया है कि इस तरह के महत्वपूर्ण अनुष्ठान/परंपरा को जम्मू-कश्मीर के विभिन्न स्कूलों में समान रूप से नहीं निभाया जा रहा है। परिपत्र में स्कूलों के लिए 16 कदम सुझाए गए हैं। विभाग ने अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित करने, पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने और नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ कुछ कदम उठाने का सुझाव दिया जो स्कूलों को सुबह की सभाओं में शामिल करने चाहिए।

डीएम के आदेश पर 10 ग्रामों में होगी पंचायत सहायकों की नियुक्ति

मुरादाबाद (हिस)। जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह के आदेश पर जिले के बिलारी ब्लॉक के 10 गांव में नए पंचायत सहायकों की नियुक्ति होगी। एडीओ पंचायत देवेश कन्हैया ने गुरुवार को बताया कि शासन की अधिसूचना और डीएम के आदेश के बाद अब ब्लॉक में बगपुरा, बहटा सरथल, हाजीपुर, हाथीपुर बहाउद्दीन, इमरतपुर स्योंडारा, मोहम्मद हयातपुर, नमैनी उदैया, नसीरपुर, समाथल और बीरमपुर में नए पंचायत सहायकों की नियुक्ति होगी।

कर्नल किरोड़ी बैंसला के नाम एजुकेशन इंस्टीट्यूट की घोषणा, युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरणा मिलेगी : सीएम

जयपुर (हिस)। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रतिमा का गुरुवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गंगापुर में अनावरण किया गया। मुख्यमंत्री ने यहां किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नल साहब की सोच राष्ट्रवादी थी। यहां लगी उनकी प्रतिमा युवाओं को सेना में जाने के लिए प्रेरित भी करेगी। उन्होंने कहा कि कर्नल साहब का सपना था कि हर व्यक्ति को अच्छी सेहत और शिक्षा मिले। बालिका शिक्षा पर उन्होंने हमेशा जोर दिया। हमारी सरकारी भी इसी ओर काम कर रही है। सीएम ने कर्नल किरोड़ी बैंसला के नाम एजुकेशन इंस्टीट्यूट की भी घोषणा की। गंगापुर सिटी के मूंडिया गांव में कर्नल बैंसला की वियतनाम पत्थर से बनी विशेष मूर्ति लगाई गई है। करीब डेढ़ साल यह प्रतिमा बनकर तैयार हुई है। कार्यक्रम में करौली, धौलपुर सहित कई जिलों से सर्व समाज के लोग शामिल हुए। कर्नल बैंसला का मार्च 2022 में निधन हो गया था। उन्होंने साल 2004 में सबसे पहले गुर्जर समाज को अलग से आरक्षण देने की मांग की थी। पटरी पर बैठकर आंदोलन करने से वह आरक्षण आंदोलन का चेहरा बन गए थे। सीएम ने कहा कि हम एक-एक वादे को पूरा करेंगे। पहले भी देखा होगा, अब भी देखते है कई पार्टियां भ्रमित करने का काम करती हैं। हमें उनके झांसे में नहीं आना है। सबसे ज्यादा राज राजस्थान में किसने किया। अब वो क्या पूछना चाहते हैं। 15 गुणा 20 आकार के फ्लैट में कोई रहना पसंद नहीं करता। अगर गांवों में सुविधा मिलती तो शहर में कोई नहीं जाता। अब भाजपा सरकार ने एक एक गांव को सड़क से जोड़ने का काम किया है। जेजेएम के अंदर राजस्थान में कितना पैसा आया, लेकिन या तो वो लगा नहीं या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। पिछली सरकार ना तो पानी ला पाई और बनी हुई सड़कों को भी तोड़ दिया। सीएम ने कहा कि देश के किसान हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल का पहला फैसला किसान सम्मान निधि की किस्त जारी करने का किया। राज्य सरकार ने चंबल नदी का पानी लाने के लिए ईआरसीपी की मंजूरी दी। इसे धरातल पर उतारने का काम शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री किसान निधि में राज्य सरकार ने दो हजार बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नल साहब के सीनियर उन्हें जिब्राल्टर की चट्टान कहते थे। कर्नल साहब के साथी उन्हें इंडियन रैंबो कहते थे। वे तीन दशक तक सेना में रहे। उन्होंने 1962 और 1971 के युद्ध में आगे रहे। सेना से रिटायर होने पर समाज के लिए लड़ाई लड़ी। कर्नल साहब का सपना था कि हर व्यक्ति को अच्छी सेहत और शिक्षा मिले। बालिका शिक्षा पर उन्होंने हमेशा जोर दिया। कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की मूर्ति के अनावरण के दौरान पूरा सभास्थल उनके जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर सर्व समाज के नेता भी मौजूद रहे। कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे रिटायर्ड कर्नल दौलत सिंह ने कहा कि उनका संघर्ष सदियों तक याद किया जाएगा। उसका कोई मुकाबला नहीं है। वे समाज को ऐसी देन दे गए, जिससे हमारी भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़ी है। सभी क्षेत्रों में हमारे समाज के लोग पहुंचे हैं। मुझे अपने पिता पर गर्व है।

संपादकीय

सरकार नई, चेहरे पुराने

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के स्पष्ट संकेत हैं कि यह निरंतरता की ही सरकार है। भाजपा के अल्पमत का तनाव और गठबंधन के दबावों, सवालों की जरा-सी भी चिंता प्रधानमंत्री मोदी को नहीं है। कार्यभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर 'किसान सम्मान निधि' वाली फाइल पर किए, तो किसी भी मंत्री को जानकारी नहीं थी। प्रधानमंत्री ने 9.30 करोड़ किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए जारी किए। किसानों की 17वीं किस्त दी गई। शाम को कैबिनेट की प्रथम बैठक में ही गरीबों के लिए ऐसे 3 करोड़ आवास बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई, जिनमें शौचालय, एलपीजी, नल और बिजली के कनेक्शन की सुविधाएं भी होंगी। ये मकान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। मोदी सरकार अपने 10 साला कालखंड में ऐसे 4.21 करोड़ मकान बनाकर बांट चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि पिछली सरकार में जो मंत्री रक्षा, गृह, सडक परिवहन, विदेश, वित्त, शिक्षा, रेल, पेट्रोलियम, वाणिज्य-उद्योग, कानून और पर्यावरण आदि मंत्रालयों के प्रभारी थे, उन्हीं चेहरों को यथावत कार्यभार सौंपा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 2014 की मोदी सरकार में ही स्वास्थ्य मंत्री थे। अब 2024 की कैबिनेट में भी वह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, सर्बानंद सोनोवाल, किरेन रिजीजू, प्रह्लाद जोशी, मनसुख मांडविया, गजेन्द्र शेखावत, जी किशन रेड्डी आदि पुराने मंत्री हैं, जिन्हें नए मंत्रालय के साथ नई सरकार का हिस्सा बनाया गया है। कई राज्यमंत्रियों के भी मंत्रालय वही पुराने रखे गए हैं। सबसे संवेदनशील सुरक्षा की कैबिनेट कमेटी में भी कोई फेरबदल नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी पर तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, शिवसेना, एनसीपी सरीखे सहयोगी दलों का कोई दबाव और तनाव दीखता नहीं है। उन्हें प्रधानमंत्री ने अपने विशेषाधिकार के अनुसार मंत्रालय सौंपे हैं। सरकार में प्रधानमंत्री समेत 72 मंत्री हैं, जिनमें से 61 मंत्री भाजपा के हैं। हिंदी भाषी क्षेत्रों से 36 मंत्री और दक्षिण भारत से 13 मंत्री लिए गए हैं। महिला मंत्रियों की संख्या 7 है। शायद इसी आंकड़े की परंपरा रही है। मौजूदा मंत्रिपरिषद की औसत आयु 58.7 साल है, जबकि 2019 में यही 60 साल के कुछ ऊपर थी। हालांकि कैबिनेट में 7 पूर्व मुख्यमंत्री हैं, लेकिन हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय दिए गए हैं और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया है। रेल के साथ-साथ सूचना-प्रसारण मंत्रालय भी अश्विनी वैष्णव को दिया गया है। वह प्रौद्योगिकी सम्पन्न मंत्री हैं, सूचनाओं को दबाने या बांटने के खेल से अनभिज्ञ हैं, लिहाजा सूचना मंत्रालय दिए जाने पर आश्चर्य होता है। संभव है कि जब कैबिनेट का विस्तार या फेरबदल होगा, तो यह मंत्रालय किसी और मंत्री को दिया जा सकता है। इसी तरह ऊर्जा मंत्रालय भी तकनीक और विज्ञान पर आधारित मंत्रालय है। खट्टर के संदर्भ में तालमेल मुश्किल हो सकता है। बहरहाल शिवराज सिंह चौहान पर इतना बोझ, दायित्व डाल दिया गया है, जितना उन्होंने मुख्यमंत्री के 16.5 सालों के दौरान महसूस नहीं किया होगा। किसान और गांव परस्पर पूरक हैं। नए मंत्री के सामने जलता और उबलता-सा सवाल होगा कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी का क्या किया जाए? किसानों की आय कब तक और किस तरह दोगुनी की जा सकती है? कृषि वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री एमएसपी की कानूनी गारंटी के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन एमएसपी में निरंतर बढ़ोतरी के समर्थक हैं। जब किसान आंदोलन समाप्त किया गया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को आश्वस्त किया था कि एमएसपी के कानूनी दर्जे के बारे में जरूर कुछ किया जाएगा। एक कमेटी भी बनाई गई थी, लेकिन आज तक कोई निष्कर्ष सामने नहीं है। आम चुनाव में किसानों के तनाव, गुस्से और संकट ने कई राज्यों में भाजपा की पराजय की जमीन तैयार की थी, लिहाजा यह मुद्दा प्राथमिकता का है। मोदी सरकार के लिए गरीबी, बेरोजगारी, निम्न आय वर्ग की चिंताएं भी प्राथमिकता पर होनी चाहिए।

भाजपा के अल्पमत का तनाव और गठबंधन के दबावों, सवालों की जरा-सी भी चिंता प्रधानमंत्री मोदी को नहीं है। कार्यभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर 'किसान सम्मान निधि' वाली फाइल पर किए, तो किसी भी मंत्री को जानकारी नहीं थी। प्रधानमंत्री ने 9.30 करोड़ किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए जारी किए। किसानों की 17वीं किस्त दी गई। शाम को कैबिनेट की प्रथम बैठक में ही गरीबों के लिए ऐसे 3 करोड़ आवास बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई, जिनमें शौचालय, एलपीजी, नल और बिजली के कनेक्शन की सुविधाएं भी होंगी। ये मकान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। मोदी सरकार अपने 10 साला कालखंड में ऐसे 4.21 करोड़ मकान बनाकर बांट चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि पिछली सरकार में जो मंत्री रक्षा, गृह, सडक परिवहन, विदेश, वित्त, शिक्षा, रेल, पेट्रोलियम, वाणिज्य-उद्योग, कानून और पर्यावरण आदि मंत्रालयों के प्रभारी थे, उन्हीं चेहरों को यथावत कार्यभार सौंपा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 2014 की मोदी सरकार में ही स्वास्थ्य मंत्री थे। अब 2024 की कैबिनेट में भी वह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं।

छह केंद्रों के लगभग 1500 छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें परीक्षा पूरी करने के लिए पूरा समय नहीं दिया गया

मेडिकल छात्रों को न्याय मिले

डा. वरिंदर भाटिया

वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा में लगभग 24 लाख बच्चे शामिल हुए थे। इनमें से 13 लाख से अधिक पास हुए। इसमें भी खास बात यह है कि इस बार की नीट परीक्षा के रिजल्ट में 67 बच्चों को टॉपर घोषित किया गया है। इन टॉपर्स को 720 में से 720 अंक मिले हैं। कुछ बच्चों को 718 और 719 नंबर तक मिले हैं, जिसके बाद नीट रिजल्ट को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

नीट परीक्षा को लेकर जिस तरह पूरे देश में बवाल मचा है, उसे देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या नीट यूजी परीक्षा के नतीजे रद्द किए जाएंगे और नीट यूजी की परीक्षा एक बार फिर से कराई जाएगी। मालूम हो कि जब मई में नीट यूजी के पेपर हो रहे थे उस समय भी कई जगहों पर पेपर लीक की सूचनाएं आई थीं। तब भी तमाम अभ्यर्थियों ने इसको कैंसिल करने और दोबारा पेपर कराने की मांग की थी, लेकिन उस समय इस पर कुछ नहीं हुआ। अब जब रिजल्ट आया है तो एक बार फिर यह मामला गर्म हो गया है। हालांकि इस पर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा में लगभग 24 लाख बच्चे शामिल हुए थे। इनमें से 13 लाख से अधिक पास हुए। इसमें भी खास बात यह है कि इस बार की नीट परीक्षा के रिजल्ट में 67 बच्चों को टॉपर घोषित किया गया है। इन टॉपर्स को 720 में से 720 अंक मिले हैं। कुछ बच्चों को 718 और 719 नंबर तक मिले हैं, जिसके बाद नीट रिजल्ट को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। तमाम लोगों ने रिजल्ट को लेकर परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए को भी कटघरे में खड़ा किया है, हालांकि एनटीए ने अपने आरोपों पर सफाई भी दी है। उसके बाद भी कुछ अभ्यर्थियों ने मध्य प्रदेश हाईकोई में नीट के रिजल्ट को लेकर याचिका दायर कर दी है। इससे पहले जब नीट की परीक्षा 5 मई 2024 को हुई थी, उस समय राजस्थान के एक परीक्षा केंद्र पर यूजी पेपर लीक की खबरें आई थीं, जिसके बाद नीट यूजी परीक्षा के पेपर लीक का हवाला देते हुए कुछ उम्मीदवारों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की और इस परीक्षा को नए सिरे से कराने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में सुनवाई करने की बात कही है। वर्ष 2015 में एमबीबीएस, बीडीएस एडमिशन के लिए नेशनल लेवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा (ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट) हुआ करती थी। तब यह परीक्षा सीबीएसई कराता था। उस समय भी पेपर लीक की खबरें आई थीं। आरोप था कि एग्जाम सेंटर्स पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस पर स्टूडेंट्स को क्वेश्चन पेपर के आंसर की भेजे गए हैं। उस समय भी यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। तब 3 मई को परीक्षा हुई थी और 5 जून को रिजल्ट आना था। कोर्ट ने 15 जून को दिए अपने फैसले में कहा कि मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम कैंसिल किया जाए और परीक्षा 4 हफ्ते में दोबारा से ली जाए। अब इस बार कोर्ट का क्या फैसला होता है, यह तो देखने वाली बात है, लेकिन इस बार परीक्षा कैंसिल जैसी कोई बात नजर नहीं आ रही। भारत में नीट को लागू हुए एक दशक से कुछ ही ज्यादा समय हुआ है और इसने ठहरे हुए पत्थर पर काई जमने जितनी बदनामी बटोर ली है। इसमें सबसे ताजा यह है कि नीट का संचालन कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को 2024 के लिए हुई मेडिकल की पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के वास्ते एक चार सदस्यीय समिति नियुक्त करनी पड़ी है। छह केंद्रों के लगभग 1500 छात्रों ने शिकायत की कि उन्हें परीक्षा पूरी करने के लिए पूरा समय नहीं दिया गया। ऐसा विभिन्न वजहों से हुआ। गलत प्रश्नपत्र का वितरण, फटी हुई ओएमआर शीट, तकनीकी गड़बडियां और ओएमआर शीट के वितरण में देरी। अदालत ने प्रभावित छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने की इजाजत दी। नतीजे प्रकाशित होने के बाद यह देखा गया कि कुछ छात्रों को 720 में 718 और 719 अंक मिले, जो मौजूदा मूल्यांकन पद्धति में असंभव है। यह भी आरोप था कि असामान्य रूप से ज्यादा संख्या में छात्रों ने पूरे अंक हासिल किए। एनटीए ने बाद में यह साफ किया कि अजीब लग रहे अंक अदालत के आदेशानुसार ग्रेस मार्क्स दिए जाने का नतीजा है और चूंकि यह एक आसान प्रश्नपत्र था, इसलिए कई सारे छात्रों ने पूरे अंक प्राप्त किए। लेकिन बात इतनी ही नहीं थी। परीक्षा से पहले नीट यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आई थीं। एनटीए नीट यूजी की आधिकारिक उत्तर कुंजी में अशुद्धियां होने की बात कही गई थी और यूजी प्रश्नपत्रों के विसंगतिपूर्ण मूल्यांकन के आरोप थे। राजनीतिक दलों ने इन आरोपों की गहन जांच किसी सक्षम तृतीय पक्ष से कराने की मांग की है। और, छात्रों के समूहों ने भी दोबारा परीक्षा की मांग उठाई है। हर साल, खराब ढंग से प्रबंधित परीक्षा केंद्रों और अभ्यर्थियों को क्या पहनने की इजाजत है, इसे लेकर फिजूल की कड़ाई के आरोप सामने आते हैं। कदाचार (चीटिंग) से जुड़े ऐसे घपले उजागर हुए हैं जहां अभ्यर्थियों ने परीक्षा देने के लिए अपनी जगह दूसरों को भेजा है। याद रहे कि नीट को हर साल होने वाली सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। लगभग 23 लाख छात्रों के इस परीक्षा में शामिल होने के मद्देनजर, इसमें कोई अचरज नहीं कि नीट का एक उतार-चढ़ाव भरा अतीत है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पैमाने पर होने वाली परीक्षा को पूरी तरह त्रुटिहीन बनाना असंभव है। लेकिन साल दर साल परीक्षा के दौरान घोर उल्लंघनों की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। एनटीए को राज्यों की मदद से यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीकी गड़बडियां और कदाचार से जुड़े घपले न हों। इसमें प्रश्नपत्रों का समय से पहले जारी होना और वास्तविक अभ्यर्थी की जगह दूसरों का इस्तेमाल शामिल है। अगर यह अधिक सख्ती बरतने और एक ज्यादा लंबी व ज्यादा सतर्कता भरी तैयारी से संभव है, तो ऐसा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जानी चाहिए। इसके अलावा इन मांगों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि नीट के सभी दाखिले सिंगल विंडो काउंसिलिंग के तहत आएं और पीजी दाखिलों के लिए जीरो पर्सेंटाइल मानदंड का पुनर्मूल्यांकन हो। साथ ही निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस का सख्त नियमन हो। कुल मिला कर इस साल नीट में हुई खटपट का मामला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब कुछ पीड़ितों ने न्याय की आस में देश की सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटा दिया है। सवाल है कि क्या मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम यानी नीट दुरुस्त तरीके से हुए हैं। नीट के रिजल्ट आए कुछ दिन बीत चुके हैं, लेकिन छात्रों में भ्रम आज भी बरकरार है। लाखों बच्चों को समझ नहीं आ रहा कि वे एनटीए ने जो नतीजे घोषित किए हैं, क्या उन्हें ही आखिरी मान लें या फिर दोबारा परीक्षा की तैयारी में जुट जाएं। इस मामले में छात्रों के हितों को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। मेडिकल छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। जो छात्र कई सालों से इसमें कामयाबी की बात देख रहे थे, तथाकथित परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं ने उनका भविष्य खराब कर दिया है। इसके लिए देश हित में जिम्मेवारी को नियत किया जाए और प्रशासनिक लापरवाही के लिए पुनः परीक्षा आयोजित करना ही उपयुक्त होगा। छात्रों के साथ अगर अन्याय होता है तो उनके डिप्रेशन में चले जाने की संभावनाएं रहती हैं।

दृष्टि कोण

कुंठाओं और कट्टरवाद को तिलांजलि दें

एक उच्च जातीय हिंदू हूं। मैंने अपने नाम शेर सिंह के साथ अपना कुलनाम (सरनेम) का कभी उपयोग नहीं किया। हम खेती-किसानी वाले उच्च जाति परिवार से हैं। मेरे पिता केवल हिंदी में अपने हस्ताक्षर भर कर सकते थे। हमारे दादा, परदादा, पुरखे तो अक्षरों की अहमियत को शायद ही जानते थे। ऐसा संभवतः जिले का सर्वाधिक पिछड़ा क्षेत्र होने के परिणामस्वरूप रहा होगा। हम मूलतः ऐसे क्षेत्र से हैं जो राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से सटा हुआ है। बहुत दूरदराज और अत्यंत पिछड़ा इलाका होने के बावजूद यहां जातपात, छुआछूत का बहुत अधिक प्रचलन था, और आज भी है, बेशक थोड़ा कुंद पड़ गया हो! कई दृष्टांतों में से बचपन के एक-दो का उल्लेख करना चाहूंगा। जब कभी अपने बचपन को याद करता हूं, तो मुझे अपने मूचाण्ड (अछूत) और उसके परिवार बरबस याद हो आते हैं। जब कभी कोई त्योहार, उत्सव, शादी-ब्याह, जीने-मरने का अवसर होता, तो वे परिवार सहित हमारे गांव, हमारे घर पहुंच जाते थे। परिवार में उनके छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं सभी होते थे। वे हमारे दोमंजिला घर के भूतल में प्रवेश द्वार से बाहर बने गोबर लिपे कच्चे और खुले आंगन में नंगी जमीन पर कोई उकड़ूं, कोई पालथी मारकर बैठते। उन्हें घर के अंदर आने की तो क्या, सीढियों को छूने तक की इजाजत नहीं थी। घर में उनके लिए कुछ विशेष नहीं बनता था। त्योहारों आदि में घर में जो कुछ बना होता, उन्हें दे दिया जाता था। वे वहीं बैठकर अपने साथ लाए थाली, प्याली आदि में खाते, पीते और बचे हुए खाने को पोटलियों में बांधकर ले जाते। हम बच्चे छत से कौतुहल, आश्चर्य लेकिन उपहास भरी नजरों से उन्हें देखते। वे हमें मालिक कहते थे। हमें मालिक तथा उच्च जाति का होने का मनोवैज्ञानिक तौर पर गर्व और घमंड का एहसास होता। हालांकि यह हमारा अहंकार और गलतफहमी थी। वे हमारे खेतों में आकर बेगारी भी करते। बदले में शाम को अपने घर जाते समय उन्हें खड़ा, सबूत अनाज आदि दे दिया जाता। इस प्रकार बचपन में ही हमारे अंदर उच्च जाति की भावना और छुआछूत का बीजारोपण हो चुका था। बौद्ध धर्म बहुल क्षेत्र में मु्ी भर हिंदू, और वो भी सवर्ण उच्च जाति का होने की भावना हमेशा बनी रही। जब किशोर और युवावस्था में पहुंचे तो एक स्कूल में अध्यापक द्वारा दलित जाति के बच्चों को सबसे अलग बिठाने और सभी के लिए रखे पानी के पात्र को छूने तक की मनाही देखी। मुझे थोड़ा अचंभा भी हुआ था क्योंकि तब तक कुछ पढ़-लिख चुका था। इस प्रकार ऊंच-नीच की भावना को अच्छे से जान और समझ चुका था। लेकिन मैंने अध्यापक के इस व्यवहार को आपत्तिजनक मानने के बावजूद किसी तरह का हस्तक्षेप, विरोध नहीं किया। मैंने एक प्रकार से अपनी अंतरात्मा की आवाज का गला घोंट दिया था। बाद के वर्षों में देश के लगभग हर राज्य, शहर, नगर में आने-जाने और प्रवास का अवसर मिला। इस आवागमन के कारण मेरे अंदर बसी जाति की भावना कुछ हद तक दब-छिप गई। लेकिन पूरी तरह मिटी नहीं थी। बचपन में मिले संस्कार आसानी से नहीं छूटते हैं। जिसके मन-मस्तिष्क में ऐसे संस्कार भर दिए गए हों, बाद के जीवन में उन्हें बदल पाना बहुत कठिन है। यह मैंने तब अनुभव किया जब एक बार गर्मियों के दिनों में अहमदाबाद से दिल्ली को आ रहा था। कोटा-रतलाम के बीच किसी जगह में बहुत जोर की प्यास लगी थी। पास का पानी खत्म हो चुका था। ट्रेन रुकती, चलती सी चल रही थी। किसी भी स्टेशन में पानी का नल चलता नहीं दिखता था। मैं ट्रेन से पानी के लिए उतरता, चढ़ता और खाली बोतल लिए वापस ट्रेन में चढ़ आता। मेरी सीट के पास गोल टोपी पहने, सफेद वस्त्रों में एक सज्जन बैठे हुए थे। उन्होंने मेरी परेशानी जानकर अपनी सुराही से मुझे पानी देना चाहा। मैंने उन्हें एक नजर देखा और भयंकर प्यास के बावजूद, पानी पीने से मना कर दिया। मैं समझ गया था कि वह मुसलमान है। उच्च सवर्ण जाति का मैं मुसलमान का दिया पानी कैसे पीता! अपने द्वारा ऐसा करने का कारण मैं समझ गया था। हम लोग क्योंकि धर्मभीरू और जातपात को मानने वाले लोग थे, इसलिए बचपन में हमारी मां ने मुसलमानों के हाथों कुछ भी खाने-पीने की सख्त मनाही कर रखी थी। हमारे सेब के बाग का चौकीदार खान को हमारे घर की देहरी को स्पर्श करने की इजाजत तक नहीं थी। जब हम छोटे-छोटे बच्चे आपस में झगड़ते, लड़ते तो मां अक्सर हमें मुस्रमां कहती। मुसलमान वे गाली की तरह प्रयोग करती थीं। यह विरासत में मिले संस्कारों का फल था। यह और बात है कि आज मेरे बहुत से अजीज मित्र, सम्मानित दोस्त मुस्लिम हैं। मुझे उनकी मित्रता पर गर्व है। अब सोचता हूं, तब कितने संकुचित मेरे विचार थे। कितना गिरा हुआ मेरा दृष्टिकोण था। कैसी तुच्छ मेरी मानसिकता थी! जब उम्र और बढ़ी तथा देश के विभिन्न राज्यों, अलग-अलग नगरों, शहरों में प्रवास और आना-जाना शुरू हुआ, तो देश-दुनिया, सामाजिक, नैतिक, दुनियादारी और धार्मिक समझ भी विकसित हुई। बचपन में मन पर घर कर बैठी सोच, संस्कार कुछ हद तक कुंद पडने लगे। जीवन में व्यावहारिकता अधिक पनपने लगी। लेकिन अपने उच्च जाति का एहसास हमेशा दूसरों से ऊंचा होने का आभास दिलाता रहा। यद्यपि केवल शेर सिंह नाम होने से अधिकांश लोग मुझे निम्न जाति से होने का अनुमान लगाते रहे! कभी-कभी विचार आता है कि जिनके मन में बचपन में ही ऐसे विचार, ऐसी भावना, ऐसे संस्कार भर दिए गए हों, तो उनमें वो आजकल के गौ रक्षक, स्वयंसेवक, बजरंग दल, दक्षिण पंथी, उच्च जाति भावना, श्रेष्ठ होने का एहसास, अहंकारी होना स्वाभाविक है। किसी को भी अपने से तुच्छ समझना विशेषकर दलित और मुसलमानों को, उच्च जाति के लोगों की आम मानसिकता है।

कुछ अलग

मैं, बीवी और अखबार

ज्यों ही सुबह हॉकर अखबार का रस निकाल अखबार दरवाजे की दरार में से ड्राइंग रूम में घुसाता है तो मैं आए शौच को वहीं रोक तुरंत उस पर यों झपट पड़ता हूं जैसे बाज अपने शिकार पर। विवाह के बाद से मेरा और अखबार का रिश्ता बाज और शिकार सा है। बीवी मेरा शिकार करती है तो मैं अखबार का। हे अखबारजीवियो! हमारे घर अखबार इसलिए नहीं आता कि हम आसपास की जानकारी से अपडेट रहें। खबरिया चौनलों से भी तेज और सटीक खबरें तो मुझे मेरे पड़ोसी शर्मा जी से बिन मांगे ही व्हाट्सैप पर सटाक मिल जाती हैं। बावजूद इसके ज्यों ही हमारे घर में अखबार आता है, घर का मुखिया होने के नाते अखबार पर न होते हुए भी पहला हक मेरा ही होता है। क्योंकि उस वक्त सब सोए होते हैं। सो मैं उस पर उस हक को बनाए रखता हूं। हक कोई आपको आपकी थाली में परोस कर देने वाला नहीं। हक आजकल बनाए रखने का जमाना है। इसलिए आपको अपने हक पर हर हाल में खुद ही पूरा हक जमाए रखना चाहिए। आप अपना हक पाना चाहते हों तो। जैसे ही अखबार मेरे हाथ में आता है, मैं पहले पेज की तमाम मुख्य खबरों को दरकिनार करता केवल उस पेज पर जाता हूं, जहां मेरे मतलब का आज का राशिफल छपा होता है। मेरे लिए शेयर बाजार कोई मायने नहीं रखता। वह आसमान छुए या फिर धूल चाटे। मेरे वेतन से बाजार का ही पूरा हो जाए तो उसे ही शेयर बाजार में लगा मानूं। मेरे लिए दिल्ली में पानी नहीं है, कोई समस्या नहीं। जिनकी समस्या है उससे वे निपटें। यहां समाधान साझे होते हैं, पर समस्याएं अपनी अपनी। मेरे घर तो चौबीसों घंटे पानी रहता है, पानी छोडने वाले की कृपा से। बस, हर महीने उसे दो सौ देने पड़ते हैं। वह मेरी टंकी के पास से तब तक नहीं हिलता जब तक वह ओवरफ्लो नहीं हो जाती। मेरे लिए घोटालों से कोई लेना देना नहीं। हम हैं तो घोटाले हैं। घोटाले हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं। हमें उन्हें ईमानदारी से करते रहना चाहिए। हमें पूरी ईमानदारी से उनके होने में सहयोग देते रहना चाहिए। क्योंकि घोटाले करने से कइयों को घोटालों की जांच करते हुए घोटाले करने का अवसर मिलता रहता है। जैसे ही आज के अखबार को दुरुस्त करते, पेज दर पेज बदलते हुए एक पेज पर आज का राशिफल देखता हूं तो मेरे दिल की धडक़नें तेज हो जाती हैं। डरा सहमा सा अपनी राशि का राशिफल सांसें रोके यों पढ़ता हूं जैसे कोई राष्ट्रीय आपदा का समाचार पढ़ रहा होऊं। जब आज के राशिफल में छपा राशिफल मेरी फेवर वाला होता है तो मेरे चेहरे से चिंताओं की सारी रेखाएं उडऩछू हो जाती हैं। दिल की धडक़नें सामान्य से सामान्य होने लगती हैं। दिल ही नहीं, सिर से पांव तक मैं बाग बाग हो जाता हूं। उस वक्त मत पूछो मुझे कितना सुकून मिलता है! उस वक्त मैं ये भी भूल जाता हूं कि मैंने बीस मिनट से शौच रोके रखा है। धीरे धीरे तब अपनी राशि के राशिफल पढ़ते हुए मैं पॉजिटिव अनर्जी से सराबोर होने लगता हूं। मेरी नस नस में बेकार की कामयाबी दौडऩे लगती है। मन करता है इसी वक्त आसमान से तारे तोड़ लाऊं। मन करता है इसी वक्त हिमालय को फतह कर लूं। कल को पता नहीं मेरे राशिफल में क्या लिखा मिले। अखबार में अपना राशिफल पढऩे के बाद मैं अनर्जी फुल अपनी बीवी को चाय बनाकर जगाता हूं। उसे चाय और अखबार एक साथ पीने की आदत है। चाय उसके सामने रखता हूं तो वह अंगड़ाई लेती एक हाथ चाय तो दूसरा अखबार की ओर बढ़ाती है। फिर चाय किनारे छोड़ उसमें इस मौसम के आज के सौंदर्य टिप्स पढ़ती उनमें इतनी लीन तल्लीन हो जाती है, अपने खुरदरे चेहरे पर हाथ फेरते हुए मानो वह किसी राष्ट्रीय समस्या पर किसी महान कमर्शियल विचारक का आलेख पढ़ रही हो।

देश दुनीया से

पांडियन का पराभव, जिसमें दृष्टिगत हैं परोक्ष वापसी की पूरी संभावनाएं

राजनीति में इतना छोटा कॅरिअर भी शायद ही किसी और नेता का होगा। नौकरी से इस्तीफा देने के बाद 27 नवंबर, 2023 को उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हुए। लेकिन चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नौ जून को उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर डाला। उनका राजनीतिक जीवन सिर्फ 195 दिनों का रहा। सन 2000 में आईएएस बनने के बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। अपनी मेहनत और लीक से हटकर काम करने की असाधारण क्षमता के कारण उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। पहले मयूरभंज, फिर गंजाम जिले के कलेक्टर के रूप में उनके द्वारा किए गए अच्छे कामों को लोग आज भी याद करते हैं।

मोहन चरण माझी ने ओडिशा में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, लेकिन इन चुनावों में चर्चाओं में रहे आईएएस अफसर से नेता बने वीके पांडियन की अविश्वसनीय कहानी की मिसाल भारतीय राजनीति में पहले शायद ही कभी देखी गई होगी। राजनीति में इतना छोटा कॅरिअर भी शायद ही किसी और नेता का होगा। नौकरी से इस्तीफा देने के बाद 27 नवंबर, 2023 को उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश किया और ओडिशा के तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) में शामिल हुए। लेकिन चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद नौ जून को उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का एलान कर डाला। उनका राजनीतिक जीवन सिर्फ 195 दिनों का रहा। सन 2000 में आईएएस बनने के बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। अपनी मेहनत और लीक से हटकर काम करने की असाधारण क्षमता के कारण उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। पहले मयूरभंज, फिर गंजाम जिले के कलेक्टर के रूप में उनके द्वारा किए गए अच्छे कामों को लोग आज भी याद करते हैं। दोनों ही जिलों में कामों के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत भी किया गया। ये सब थीं एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पांडियन की उपलब्धियां। लेकिन सत्ता की राजनीति में उनका प्रवेश तब हुआ, जब गंजाम के जिलाधीश के रूप में उनके काम से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें सन 2011 में अपना निजी सचिव बनाया। अपनी काबिलियत के जरिये पांडियन ने नवीन का विश्वास जीता और धीरे-धीरे अपनी काया विस्तार करने लगे। 2019 में लगातार पांचवीं बार चुनाव जीतने के बाद नवीन पटनायक ने सरकार को अधिक लोकाभिमुखी करने के लिए 5टी (टीमवर्क, टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमलाइन) नामक एक नया विभाग खोला और पांडियन को इसका सचिव बना दिया। सरकार के सभी विभागों को इस नए विभाग के अंदर लाया गया। इसके बाद सरकार में पांडियन का दबदबा और भी बढ़ गया। पांडियन के नौकरी से इस्तीफा देने के बाद उन्हें इस विभाग का अध्यक्ष बना दिया गया, ताकि सरकार में उनकी पकड़ बनी रहे। और 2019 के चुनाव के बाद नवीन ने अपने निवास से बाहर निकलना लगभग बंद कर दिया और दल व सरकार दोनों का पूरा जिम्मा पांडियन को सौंप दिया। कोविड के बाद मुख्यमंत्री न सचिवालय गए, न विधानसभा। कैबिनेट की बैठक में भी वे वीडियो लिंक के जरिये अध्यक्षता करने लगे। अपने दल के नेता, मंत्री, विधायकों से मिलना उन्होंने लगभग बंद कर दिया। यहां तक कि राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के लिए भी सलाह-मशवरे के लिए मुख्यमंत्री से मिलना दूभर हो गया और वे पांडियन के आदेश पर काम करने लगे। अब पांडियन की महत्वाकांक्षा बढ़ने लगी और वह राज्य सरकार के चॉपर का इस्तेमाल कर पूरे राज्य का दौरा करने लगे। बहाना था कि लोगों से उनकी शिकायतें लेकर तत्काल कार्रवाई करना। बाद में पता चला कि पांडियन राजनीति में प्रवेश करने के लिए अपनी जमीन तैयार कर रहे थे। वह जहां भी गए पूरा स्थानीय प्रशासन, स्थानीय नेता, विधायक और मंत्री उनकी सेवा करते हुए नजर आए। मंच पर पांडियन के अलावा

कोई भी देखने को नहीं मिला। साफ था कि उनकी ताजपोशी की तैयारी चल रही थी। इस बात की जमकर चर्चा हुई कि वह नवीन के उत्तराधिकारी हैं। नवीन ने ऐसी चर्चाओं का खंडन करने की कोशिश भी नहीं की, जिससे ओडिशा के लोगों में यह धारणा और भी पुख्ता होती गई कि नवीन ने पांडियन को अपना उत्तराधिकारी बनाने का मन बना लिया है। इस धारणा को तब और बल मिला, जब पांडियन ने औपचारिक रूप से बीजद में योगदान किया। इस वर्ष मार्च में जब बीजद और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी, तब बीजद की ओर से पांडियन ही इसके सूत्रधर थे। प्रेक्षकों का मानना था कि भाजपा से गठबंधन कर वह अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करना चाहते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि नवीन के डर से पार्टी के जो नेता चुप बैठे हैं, वे नवीन के बाद उनके खिलाफ बगावत पर उतर आएंगे, तब उन्हें भाजपा के समर्थन की जरूरत होगी। हालांकि बात बनी नहीं और भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। इस बार चुनाव का पूरा मोर्चा पांडियन ने संभाला। उम्मीदवारों के चयन से लेकर रणनीति तैयार करने और आर्थिक संसाधन के उपयोग से लेकर मीडिया कैंपेन तक लगभग सब कुछ उन्हीं की देखरेख में हुआ। करीब डेढ़ महीने के चुनाव प्रचार के दौरान मंच पर अकेले पांडियन ही प्रचार करते नजर आए। मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक बीच-बीच में उनके साथ प्रचार के लिए जाते रहे, लेकिन पार्टी के 40 'स्टार प्रचारकों' में से 38 पूरे चुनाव के दौरान नदारद रहे। और पार्टी को इसी बात का खामियाजा भुगतना पड़ा। भाजपा ने भी एक सोची-समझी रणनीति के तहत 'ओड़िया अस्मिता' को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी भाजपा नेता हर आमसभा में इसी बात को दोहराते रहे कि नवीन साढ़े चार करोड़ ओड़िया लोगों की अस्मिता को पैरों तले रौंदते हुए तमिलनाडु में जन्मे एक आदमी को ओडिशा के लोगों पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। और भाजपा की यह रणनीति काम कर गई। राज्य में चौथे और अंतिम चरण के मतदान से ठीक पहले नवीन ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि पांडियन उनके उत्तराधिकारी नहीं हैं, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। चुनाव में हार के बाद अब तक सहमे हुए पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अब पांडियन को हार का जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ खुलकर नारेबाजी करने लगे हैं। चुनाव खत्म होने तक हर जगह दिखाई देने वाले पांडियन परिणाम आने के बाद से कहीं नजर नहीं आ रहे। इसके बावजूद नवीन ने पांडियन को चुनाव में हार के लिए जिम्मेदार ठहराने या उनकी निंदा करने से साफ इन्कार कर दिया है। इसके उलट उन्होंने पांडियन की जमकर प्रशंसा की है और उनके खिलाफ हो रही बयानबाजी को अनुचित बताया है। नवीन के इसी आचरण और उच्चारण के कारण राजनीति से संन्यास लेने की पांडियन की घोषणा के बाद भी बहुत कम लोग यह मानने के लिए तैयार हैं कि अब राजनीति में कभी उनकी वापसी नहीं होगी। ज्यादातर प्रेक्षक मानते हैं कि पार्टी में उनके खिलाफ फैले आक्रोश के मद्देनजर यह एक 'टैक्टिकल रिट्रीट' भर है और मामला ठंडा होने पर प्रत्यक्ष नहीं, तो परोक्ष रूप से उनकी वापसी की पूरी संभावना है।

आप का नजरीया

फिर उपचुनाव की गंगा

रिकार्ड और रिपोर्ट में फर्क होता है। पिछले उपचुनावों का रिपोर्ट कार्ड अपने रिकार्ड से भिन्न होने के कारण लोकसभा से भिड़ गया, इसलिए इस बार तीन निर्दलीयों के लिए मशक्कत बढ़ जाती है। विधानसभा अध्यक्ष ने पहले ही निर्दलीय विधायकों की आंखों से सुरमा चुराया और वे इस्तीफे के बावजूद कांग्रेसी बागियों के साथ उपचुनाव की गंगा में तब हाथ नहीं धो पाए। अब उनकी बारी आई है, हालांकि वे भी बागी बनकर ही उपचुनाव जीतना चाहते हैं। उपचुनाव जीतकर सुक्खू सरकार को गलत साबित करना चाहते हैं। कल तक उनके साथ छह कांग्रेसी भी सुक्खू सरकार के खिलाफ मैदान में उतरे थे। उनके रिपोर्ट कार्ड में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की शैली के खिलाफ जो भी था, वह पूरी तरह खरा साबित नहीं हुआ और बाजी चार-दो के हिसाब में सरकार को फतवा नहीं सुना सकी। अब शेष बचे तीन निर्दलीय विधायकों की कहानी का मंचन नालागढ़ में केएल ठाकुर, देहरा में होशियार सिंह तथा हमीरपुर के आशीष शर्मा करेंगे। पुनः मशक्कत यह भी कि क्या भाजपा सीधी अंगुली से उन्हें अपना टिकट देगी या कहीं सख्त-नरम के बीच गलबहियां बदल जाएंगी। जो भी हो और जितनी भी जीत हो, भाजपा के आंकड़े बदल सकते हैं। इस बार फिर कांग्रेस को अपनी क्षतिपूर्ति दूर करनी है तो निशाने पर आशीष शर्मा, होशियार सिंह व केएल ठाकुर आएंगे। यह दीगर है कि लोकसभा चुनाव की परिपाटी में यह तिकड़ी सफलतापूर्वक भाजपा के हाथ में रिकार्ड बना चुकी है, फिर भी हर चुनाव और मुद्दे अलग होते हैं। अब न सरकार के खिलाफ और न ही विधानसभा के हालात इतने सरल हैं कि एकतरफा हो जाएं। जाहिर है भाजपा के लिए यह बिसात इन्हीं मोहरों पर कमाल कर सकती है। इस बार पुनः हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ही दो विधानसभा हलकों में उपचुनाव अपनी परिभाषा गढ़ेगा। पिछली बार सुजानपुर, बड़सर, गगरेट तथा कुटलैहड़ में उपचुनाव हुए तो इस बार हमीरपुर व देहरा में यही क्षेत्र फिर दांव लगा रहा है। इसके अलावा शिमला संसदीय क्षेत्र का नालागढ़ मैदान पर आया है। यानी भाजपा की मजबूत दीवारों के सामने प्रदेश सरकार की विश्वसनीयता पर ये उपचुनाव पुनः दोनों पार्टियों के बीच कुछ समाधान तो कुछ व्यवधान पैदा कर सकते हैं। हालांकि इनसे राजनीतिक जरूरतें किसी भी दल की पूरी नहीं हो रहीं, फिर भी तीन पूर्व विधायकों के अस्तित्व पर कई प्रश्न लेकर ये उपचुनाव खड़े हैं। उपचुनाव की वजह अब पूरी तरह बेमानी है, लेकिन सरकार के आंकड़ों में यह जंग सत्ता का नशा भर सकती है। पहले भी छह उपचुनाव मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में हुए और चार सीटें जीतकर हर स्थिति में कांग्रेस बहुमत पा गई और अगर इस बार भी अनुकूल परिणाम आए तो सरकार का पलड़ा और सुखविंदर सुक्खू का प्रभुत्व भारी होगा। भाजपा ने हिमाचल की 61 सीटें पहले ही जीतकर लोकसभा के हर खंड में विजयश्री प्राप्त की है, लिहाजा नाक की लड़ाई इस बार मुद्दे और मुराद पर होगी। इस सबके बावजूद आम मतदाता के लिए इन उपचुनावों में न कोई अवसर, न राहत, बल्कि अनिश्चय की स्थिति में अपने लिए कुछ सुनिश्चित जरूर करना है।

लेबर पार्टी जारी करेगी अपना घोषणा पत्र आर्थिक विकास और धन सृजन पर रहेगा जोर

लंदन ।
ब्रिटेन की मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी ने कहा है कि उनकी सरकार अगर सत्ता में आई तो वो धन सृजन और आर्थिक विकास पर फोकस करेंगे। लेबर पार्टी के नेता केर स्टर्मर अपनी पार्टी का घोषणा पत्र जारी करेंगे। ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। ब्रिटेन की मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी ने कहा है कि उनकी सरकार अगर सत्ता में आई तो वो धन सृजन और आर्थिक विकास पर फोकस करेंगे। लेबर पार्टी के नेता केर स्टर्मर अपनी पार्टी का घोषणा पत्र जारी करेंगे।

केर स्टर्मर ने आर्थिक विकास का किया वादा

ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए मतदान में करीब तीन हफ्ते का ही समय रह गया है और 4 जुलाई को ब्रिटेन में वोट डाले जाएंगे। लेबर पार्टी ने अपने घोषणा पत्र को पूरी तरह से बदलाव शीर्ष दिया है। सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी ने हाल ही में अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कंजरवेटिव पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में एक महत्वकांक्षी योजना का एलान किया है, जिसके तहत प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने टैक्स में 17 अरब पाउंड की कटौती करने का एलान किया है। लेबर पार्टी ने कंजरवेटिव पार्टी के इस एलान को चुनावी स्टंट करार दिया है और इसे कंजरवेटिव पार्टी की चुनाव जीतने के लिए आखिरी कोशिश करार दिया है। गौरतलब है कि लेबर पार्टी की ब्रिटेन में एक ऐसी पार्टी के रूप में पहचान है, जो जनता पर टैक्स थोपती है। ऐसे में पार्टी इस छवि को बदलने के लिए ही अपने घोषणा पत्र में धन सृजन करने और आर्थिक विकास पर फोकस कर रहे हैं। बदलने के लिए ही अपने घोषणा पत्र में धन सृजन करने और आर्थिक विकास पर फोकस कर रहे हैं। लेबर पार्टी के घोषणापत्र में बुनियादी ढांचे में बदलाव, निवेश को बढ़ावा और जॉब मार्केट में आमूल-चूल परिवर्तन की भी बात कही गई है।

हिंदुओं ने जारी किया अपना घोषणापत्र

ब्रिटेन में चार जुलाई को होने वाले आम चुनाव के लिए ब्रिटेन के हिंदू समुदाय ने अपनी मांगों को लेकर एक मांगपत्र जारी किया है। इस 32 पेज के दस्तावेज में हिंदू समुदाय के लोगों वो मांगे रखी हैं, जो वो चाहते हैं कि सरकार पूरी करे।

न्यूज ब्रीफ

मालदीव के क्षमता से ज्यादा खर्च पर विश्व बैंक ने दी ऋण संकट की चेतावनी, कहा- जीडीपी से 110 प्रतिशत ज्यादा कर्ज

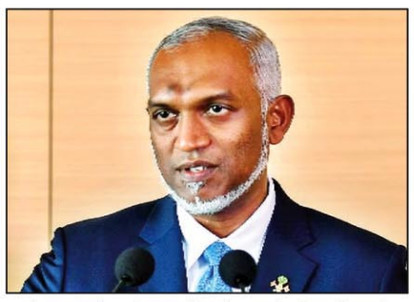

माले । मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर फारिस एच हदाद जर्वोस का कहना है कि मालदीव को इस साल करीब 51 करोड़ डॉलर और अगले साल 1.07 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। हदाद ने कहा कि दशकों से मालदीव अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च कर रहा है। विश्व बैंक ने मालदीव को क्षमता से ज्यादा खर्च जारी रखने पर गहरे ऋण संकट में फंसने की चेतावनी दी है। मालदीव दशकों से अपनी क्षमता से अधिक खर्च कर रहा है। जब से मोहम्मद मुइज्जु के नेतृत्व में मालदीव में नई सरकार बनी है यहां सार्वजनिक खर्च में बेतहाशा वृद्धि हुई है। मालदीव की जीडीपी करीब 6.17 अरब डॉलर है। जबकि, फिलहाल मालदीव का सार्वजनिक कर्ज 8.2 अरब डॉलर हो गया है। मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के लिए विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर फारिस एच हदाद जर्वोस का कहना है कि मालदीव को इस साल करीब 51 करोड़ डॉलर और अगले साल 1.07 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। हदाद ने कहा कि दशकों से मालदीव अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च कर रहा है। खर्च में तेज वृद्धि और सब्सिडी ने घाटे को बढ़ा दिया है, जिससे वित्तीय स्थिति कमजोर हो गई है और कर्ज असहनीय हो गया है। ऋण बढ़कर 8.2 अरब डॉलर हुआ इससे पहले 1 जून को प्रकाशित मालदीव के वित्त मंत्रालय के तिमाही ऋण बुलेटिन के मुताबिक 2024 की पहली तिमाही के लिए सार्वजनिक और सार्वजनिक रूप से गारंटीकृत (पीपीजी) ऋण बढ़कर 8.2 अरब डॉलर हो गया है, जो मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद का 110 फीसदी है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष के पहले तीन महीनों में राज्य का ऋण 9.8 करोड़ डॉलर बढ़ गया। वहीं, हदाद ने तत्काल राजकोषीय सुधारों का सुझाव देते हुए कहा कि व्यापक सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना, सरकारी क्षेत्र की कमजोरियों को दूर करना, स्वास्थ्य सेवा व्यय दक्षता में सुधार करना तथा सार्वजनिक निवेश कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करना कुछ उपाय हो सकते हैं, जिनसे मालदीव गहरे ऋण संकट में फंसने से बच सकता है। कर्ज से उबरना मुश्किल जानकारों का कहना है कि मौजूदा स्थिति में मालदीव के लिए यह रकम चुका पाना आसान नहीं है, क्योंकि पर्यटन पर निर्भर अर्थव्यवस्था को कोविड से जो झटका लगा था, उससे उबर नहीं पाई है। इसके अलावा भारत के साथ संबंधों में तल्खी पैदा कर पर्यटन उद्योग के लिहाज से अपने पैरों पर कुल्हाडी मारी है।

चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए भारत को अमेरिका ने दी बधाई, लेकिन शी जिनपिंग को लेकर चेताया भी

वॉशिंगटन । अमेरिका का यह बयान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान के बाद आया है, जिसमें विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत, चीन के साथ संबंध बहेतर करन पर फोकस कर रहा है। अमेरिका ने भारत को चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अमेरिका के एक शीर्ष राजनयिक ने यह बात कही। अमेरिका का यह बयान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान के बाद आया है, जिसमें विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत, चीन के साथ संबंध बहेतर करन पर फोकस कर रहा है।

सात मासूमों को मौत के घाट उतारने की दोषी महिला पर फिर शुरू हुआ मुकदमा अब नवजात की हत्या की कोशिश का आरोप

लंदन । लेटबी पर आरोप है कि फरवरी 2016 में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में उसने समय से पहले जन्में एक नवजात को मारने की कोशिश की थी। अदालत में सुनवाई के दौरान वकील निक जॉनसन ने आरोप लगाया कि आरोपी नर्स को एक वरिष्ठ डॉक्टर ने लगभग रंगे हाथों पकड़ लिया था। बच्चों की हत्या के आरोप में दोषी महिला पर ब्रिटेन में फिर से मुकदमा शुरू किया गया है। महिला पर अब एक नवजात बच्ची की हत्या के प्रयास का आरोप है। आरोपी महिला लूसी लेटबी ने हत्या की कोशिश वहीं की, जिस अस्पताल में वह काम करती थी। शिशु की श्वास नली से छेड़छाड़ का आरोप जानकारी के अनुसार, लेटबी पर आरोप है कि फरवरी 2016 में उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के काउंटेस ऑफ चेस्टर अस्पताल में उसने समय से पहले जन्में एक नवजात को मारने की कोशिश की थी।

अर्जेंटीना में आर्थिक सुधार बिल के खिलाफ सड़कों पर लोग

गाड़ियां जलाईं, पेट्रोल बम फेंके ; पुलिस ने रोकने के लिए पेपर स्प्रे इस्तेमाल किया

ब्यूनस आयर्स।
अर्जेंटीना में राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के आर्थिक सुधार बिल के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सीनेट में बिल पेश होने के साथ ही राजधानी ब्यूनस आयर्स में लोग सड़कों पर उतरे। लोगों ने कांग्रेस (संसद) के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस, रबर बुलेट और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल बम फेंके और पत्थरबाजी भी की। इस दौरान पुलिस की एक गाड़ी में तोड़फोड़ कर उसे आग के हवाले कर दिया गया।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने देश बिकाऊ नहीं है का नारा भी लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बाड़ों को पार कर संसद में घुसने की कोशिश भी की। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों पर पत्थर फेंके। इस पर अफसरों ने उन्हें हटाने के लिए मिर्ची के स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन में विपक्ष के कई सांसदों ने भी हिस्सा लिया। झड़प के दौरान 20 पुलिसकर्मी समेत की लोग घायल हुए। वहीं पुलिस ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया। घायल सांसदों को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए लाया गया बिल

अर्जेंटीना की खस्ता हाल अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने संसद में एक बिल पेश किया है। इसके तहत देश में आर्थिक इमरजेंसी की स्थिति घोषित करने की बात कही गई है।

इसके अलावा पेंशन में कटौती और श्रम अधिकारों को कम करने का प्रावधान भी रखा गया है। इस प्रस्ताव का वामपंथी राजनीतिक दल, लेबर यूनियन और सामाजिक संगठन विरोध कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह बिल देश को 100 साल पीछे ले जाएगा।

प्रस्ताव को फरवरी में अर्जेंटीना की संसद के लोअर हाउस (चेंबर ऑफ डेप्यूटीज) में पेश किया गया था। 2 महीनों तक चली बहस के बाद यह अप्रैल में पास हो गया। इसके बाद इसे सीनेट (अपर हाउस) में

रखा गया। यहां शुरुआत में यह 36-36 वोटों के साथ टाई हो गया। हालांकि, सीनेट की अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति विक्टोरिया विलारुएल ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया।

विक्टोरिया ने कहा, मेरा वोट उन लोगों के लिए है, जिन पर आर्थिक तंगी का सबसे ज्यादा असर हो रहा है, जो सुधार का इंतजार कर रहे हैं और जो अपने बच्चों को देश छोड़कर जाते नहीं देखना चाहते। अब इस बिल के हर पॉइंट पर चर्चा होगी, जिसके बाद इसे लागू करने के लिए दोबारा लोअर हाउस भेजा जाएगा।

अर्जेंटीना में महंगाई दर 300 प्रतिशत, देश की 40 प्रतिशत आबादी गरीब

अर्जेंटीना में महंगाई दर 300 प्रतिशत पहुंच चुकी है। जैसे-जैसे लागत बढ़ रही है, देश में गरीबी भी बढ़ती जा रही है। पिछले साल नवंबर में हुए एक सर्वे के मुताबिक देश में 40 प्रतिशत से ज्यादा आबादी गरीब है। राष्ट्रपति का दावा है कि नए सुधारों से महंगाई दर काबू में आएगी। साथ ही देश पर कर्ज के बोझ को भी कम किया जा सकेगा। हालांकि, उनके आलोचकों ने आशंका जताई है कि भारी कटौती से स्थिति और खराब होगी।

जेवियर को अर्जेंटीना का पागल आदमी कहते हैं आलोचक

अर्जेंटीना के कट्टर राष्ट्रवादी और दक्षिणपंथी नेता जेवियर ने पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति पद संभाला था। उन्होंने वादा किया था कि वे सरकारी खर्च पर लगाम लगाएंगे। इसके लिए वे चुनावी कैंपेन के दौरान आरी लेकर भी पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जेवियर को उनके आलोचक अकसर 'पागल आदमी' कहते हैं। चुनावी कैंपेन के दौरान जेवियर ने वादा किया था कि वे गन लॉ यानी बंदूक रखने के कानूनों को लचीला बनाएंगे। देश में 2020 में गर्भपात कानून को मंजूरी दी गई थी। वो इसे भी खत्म करेंगे और ह्यूमन ऑर्गन्स यानी मानव अंगों की खरीद-फरोख्त को मंजूरी देंगे।

विरोध के आगे झुकी फ्रांस सरकार, न्यू कैलेडोनिया के मतदान सुधार को निलंबित किया

पेरिस ।
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने न्यू कैलेडोनिया में लागू किए गए मतदान सुधार को निलंबित करने का एलान किया। इन मतदान सुधारों की वजह से ही कैलेडोनिया में बीते दिनों भीषण हिंसा भड़क गई थी। हिंद प्रशांत महासागर में फैले पांच द्वीप क्षेत्रों में से एक न्यू कैलेडोनिया पर फ्रांस का प्रशासन है।

मतदान सुधार पर हुआ था भारी विवाद

फ्रांस ने बीते दिनों न्यू कैलेडोनिया में मतदान को लेकर कुछ सुधार किए थे। न्यू कैलेडोनिया में मतदान का अधिकार उन्हीं लोगों के पास था, जो 1998 से पहले न्यू कैलेडोनिया में रह रहे थे। इस कानून का उद्देश्य कैलेडोनिया में रहने वाले मूल निवासियों और अल्पसंख्यक कनक समुदाय को अधिक प्रतिनिधित्व देना था। हालांकि पेरिस ने इस व्यवस्था को अलोकतांत्रिक माना और फ्रांस की संसद ने कानून में सुधार करते हुए 10 वर्षों से कैलेडोनिया में रह रहे लोगों को भी मतदान का अधिकार देने का फैसला किया।

सरकार के इस फैसले से स्थानीय लोग नाराज हो गए और इसके चलते कैलेडोनिया में हिंसा भड़क गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस फैसले से वह हाशिए पर चले जाएंगे और कैलेडोनिया में उनका प्रभाव खत्म होने का डर है। कैलेडोनिया में फ्रांस से आजादी की मांग भी जोर पकड़ रही है। हिंसा भड़कने के बाद राष्ट्रपति मैक्रां ने कैलेडोनिया के जन प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए पेरिस आमंत्रित किया और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की बात कही थी। अब राष्ट्रपति मैक्रां ने इन सुधारों को निलंबित करने का फैसला लिया। हिंसा में तीन लोगों की हुई थी मौत मतदान सुधारों के चलते कैलेडोनिया में हुए विरोध प्रदर्शनों में तीन लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। हिंसा के चलते कैलेडोनिया में स्कूल-कॉलेज और हवाई अड्डे बंद करने पड़े थे और राजधानी नौमिया में कर्फ्यू लगा दिया गया था। उसके बाद से भी छिटपुट हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं। न्यू कैलेडोनिया ऑस्ट्रेलिया से करीब 1500 किलोमीटर पूर्व में स्थित है।

एफबीआई दफ्तर में महिला ने खुद पर तानी बंदूक, अफसरों ने सूझबूझ से आत्मसमर्पण कराया, पुलिस ने हिरासत में लिया

वाशिंगटन ।
सिएटल पुलिस विभाग ने ईमेल के माध्यम से घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला ने खुद पर ही बंदूक तान ली थी। इसके बाद बंधक वार्ता दल को वहां बुलाया गया। बंधक वार्ता दल ने अपनी सूझबूझ से महिला को आत्मसमर्पण और बंदूक को जमीन पर रखने के लिए राजी कर लिया है। अमेरिका के सिएटल में एफबीआई की इमारत में एक घंटे खूब बवाल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया। एफबीआई के प्रवक्ता स्टीव बर्न्ड ने बताया कि महिला सार्वजनिक क्षेत्र में चली गई थी। यहां आने के लिए लोगों को लॉबी में जाने के लिए इंतजार करना पड़ता है। यह है पूरा मामला, घटना में कोई घायल नहीं सिएटल पुलिस विभाग ने ईमेल के माध्यम से घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला ने खुद पर ही बंदूक तान ली थी। इसके बाद बंधक वार्ता दल को वहां बुलाया गया। बंधक वार्ता दल ने अपनी सूझबूझ से महिला को आत्मसमर्पण और बंदूक को जमीन पर रखने के लिए राजी कर लिया है। इन सब खींचतान में खास बात यह रही कि कोई भी इसमें घायल नहीं हुआ। महिला कौन है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। महिला ने ऐसा क्यों किया, इसकी जानकारी अभी नहीं है। पुलिस तमाम कारणों की जांच कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी घटनाएं एफबीआई ने पिछले कुछ वर्षों में ब्यूरो कर्मियों और सुविधाओं के खिलाफ अपराधों के बढ़ने की पुष्टि की है। दो साल पहले, 2022 में, क्र-15 राइफल और नेल गन से लैस एक व्यक्ति ने एफबीआई के सिनसिनाटी फील्ड ऑफिस में घुसने की कोशिश की थी। हालांकि, कुछ घंटों बाद वह मारा गया। अगस्त में एक व्यक्ति अटलांटा स्थित एफबीआई कार्यालय में घुसा था। उसने बैरिकेड तोड़ दिया था।

बदहाल पाकिस्तान ने रक्षा बजट 15 फीसदी बढ़ाया, 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2122 अरब रुपये का है बजट

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने देश का वर्तमान वित्त वर्ष का बजट पेश किया जिसका आकार पिछले साल से करीब 30 फीसदी ज्यादा है। 18.9 (18,877 अरब) ट्रिलियन रुपये के इस बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 15 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इस साल पाकिस्तान का रक्षा बजट 2122 अरब रुपये होगा। पिछले साल यह 1804 अरब रुपये था।

बजट में अगले साल देश की अर्थव्यवस्था के 3.6 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया गया है। पिछले साल यह अनुमान 3.5 प्रतिशत था मगर पाकिस्तान लक्ष्य से चूक गया था और जीडीपी सिर्फ 2.38 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इस बार वित्त मंत्री औरंगजेब ने बड़े पैमाने पर सख्त फैसले लिए हैं और कर का दायर बढ़ाया गया है। बजट में उधारी चुकाने पर सबसे अधिक 9700 अरब रुपये खर्च होंगे जबकि इसके बाद सबसे अधिक खर्च रक्षा पर ही किए जाने का प्रावधान है। देश में नए आम चुनावों के बाद पीएमएल-एन और पीपीपी

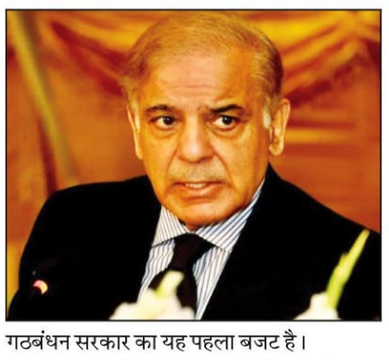

गठबंधन सरकार का यह पहला बजट है।

बजट से पहले खुलकर उभरी गठबंधन में दरार

बजट के पेश किए जाने से पहले ही गठबंधन के दोनों सहयोगियों में दरार देखने को मिली और पीपीपी के बिलावल भुट्टो जरदारी ने आरोप लगाया है कि बजट तैयार करने में उनकी पार्टी से कोई सलाह मशविरा नहीं किया गया। बिलावल ने सवाल किया कि क्या शहबाज शरीफ के नेतृत्व की सरकार अब भी उनके समर्थन को तरजीह देती है। इस विवाद के चलते पाकिस्तान की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के सहयोगियों में पड़ी दरार खुलकर सामने आ गई है। बताया कि पीपीपी ने संसद में बजट पेश किए जाने से पहले ही बिलावल संसदीय समिति की बैठक में यह आपत्ति जताई।

खान का यूटर्न, सरकार से करेंगे चर्चा

उजेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान ने यू-टर्न लेते हुए सियासी तनाव घटाने के लिए सरकार से बातचीत को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कुछ दिन पहले ही सत्तारूढ़ गठबंधन को दंतहीन कहकर उसके साथ वार्ता से इन्कार किया था। उम्मीद थी कि हमारी सुनेंगे सरकार के व्यवहार पर पीपीपी की ओर से नाराजगी जताते हुए सूचना सचिव शाजिया मारी ने कहा, हमने ऐसे हालात रोकने के लिए सरकार से संपर्क किया था। उम्मीद भी नहीं थी कि हमारी आवाज नहीं सुनी जाएगी।

युद्ध विराम और गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के लिए डालें दबाव', हमास ने अमेरिका से की अपील

दोहा ।
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के युद्ध विराम प्रस्ताव को बढ़ावा देने के लिए ब्लिंकन अंतिम दिन कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका सौदे को लागू करने के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ काम करेगा।

इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। अमेरिकी विदेश मंत्री इन दिनों मध्य पूर्व के दौरे पर थे। दौर के आखिरी दिन उन्होंने कहा कि फलस्तीनी क्षेत्र में भयंकर लड़ाई चल रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई का समझौता अब भी संभव है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक दिन पहले ही इजराइल ने लेबनान के आंतकी समूह हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडर को मौत के घाट उतार दिया, जिसके बाद उत्तरी इजराइल पर हिजबुल्लाह रॉकेट की बारिश कर रहा है।

हमास ने इजराइल पर दबाव डालने का किया आग्रह

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के युद्ध विराम प्रस्ताव को बढ़ावा देने के लिए ब्लिंकन अंतिम दिन कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका सौदे को लागू करने के लिए

क्षेत्रीय भागीदारों के साथ काम करेगा। हमास ने मध्यस्थ कतर और मिस्र को अपना जवाब प्रस्तुत किया। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ओसामा हमदान ने कहा कि हम गाजा में स्थायी युद्ध विराम और इजराइली सैनिकों की पूर्ण वापसी चाहते हैं पर इजराइल ने अस्वीकार कर दिया है। हमास ने ब्लिंकन से आग्रह किया है कि वे इजराइल पर दबाव डालें। इसके अलावा, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा कि हमास की कई मांगे मामूली नहीं है और उनकी मांगे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पास प्रस्ताव से अलग है।

सुरक्षा परिषद में पहला प्रस्ताव पास

बता दें, 10 जून को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से संघर्ष विराम योजना का समर्थन किया और अपने पहले प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह प्रस्ताव अमेरिका ने पेश किया था, जो 14-0 से पास हो गया। मतदान के दौरान रूस वहां उपस्थित नहीं था। इस दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि इजराइल ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। अमेरिका ने हमास से आह्वान किया था कि वह भी प्रस्ताव को स्वीकार करे। प्रस्ताव पर अमेरिका ने कहा कि यह इजराइल और हमास बिना किसी शर्त के प्रस्ताव की शर्तों को पूरी तरह से लागू करें।

हमास ने प्रस्ताव का किया स्वागत

हमास ने प्रस्ताव किया। हमास ने कहा था कि वे प्रस्ताव के सिद्धांतों को लागू करने के लिए मध्यस्थों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। हमास ने कहा था कि वह उन सिद्धांतों को लागू करने के लिए अप्रत्यक्ष बातचीत करने के लिए तैयार है, जो उनकी मांगों के अनुरूप हैं। हमास ने सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में शामिल उन सभी बातों का स्वागत किया है, जिसमें गाजा में स्थायी युद्ध विराम, पूर्ण वापसी, कैदियों की अदला-बदली, पुनर्निर्माण, विस्थापितों को उनके निवास क्षेत्रों में वापस भेजना और आवश्यक सहायता देने सहित कई सिद्धांत शामिल हैं।

सात अक्तूबर से जारी है युद्ध

गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इजराइली शहरों पर दागे गए थे. जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। इजराइल ने इस हमले को आंतकी हमला करार दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई है कि वह जब तक हमास को पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देते, तब तक वे युद्ध विराम नहीं करेंगे। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइली हमलों में 36,700 से अधिक फलस्तीनियों की मौत हो गई है। वहीं, 80 हजार से अधिक लोग घायल हैं। इनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं। 80 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है और सैकड़ों हजारों लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं।

सलाह

इन घरेलू उपायों से करें जिंजीवाइटिस का उपचार

जिंजीवाइटिस मसूड़ों की बीमारी का एक प्रकार है। इसके परिणामस्वरूप मसूड़ों में सूजन, कोमतला और लालिमा आ जाती है। जब प्लेक (चिपचिपा पदार्थ जिसका मुंह में कीटाणु की उपस्थिति के कारण लगातार गठन होता है और लार, खाद्य कणों और दांतों की सतह पर अन्य प्राकृतिक पदार्थ के साथ जमा हो जाता है।) रोजाना ब्रशिंग और फ्लसिंग द्वारा दूर नहीं होता है। तब जिन्जिवाइटिस की समस्या होती है।

जिंजीवाइटिस अक्सर दंत स्वच्छता का ध्यान रखने के कारण होता है। जिंजीवाइटिस का इलाज नही किया जाए तो यह प्रोडोन्टिटिस नामक बीमारी को बढा सकता है और दांत और जबड़े के स्थायी नुकसान का कारण बन सकता है। लेकिन बहुत सारे घरेलू उपाय इस समस्या के लक्षणों से राहत प्रदान करने में आपकी मदद कर सकते है।

एलोवेरा: एलोवेरा मसूड़ों की सूजन को कम करने में सहायक होता है। यह सूजन को कम करने के साथ-साथ, बैक्टीरिया को नष्ट करने और जल्दी उपचार में मदद करता है। जिंजीवाइटिस की समस्या से बचने के लिए एलोवेरा जैल को मसूड़ों पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। फिर पानी से कुल्ला कर लें। इस उपचार को तब तक दोहराये जब तक समस्या ठीक न हो जाये।

बेकिंग सोडा: बेकिंग सोडा जिंजीवाइटिस के लिए एक लोकप्रिय घरेलू उपाय है। बेकिंग सोडा में थोड़ा सा पानी मिलाकर, इसे अपनी उंगली से मसूड़ों पर लगाये। इस उपाय से बैक्टीरिया से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी।

पुदीने के पत्ते: गले में ठंडक का एहसास दिलाने वाला पुदीना एक ऐसा हर्बल है, जिसका सेवन हर मौसम में किया जाता है। पुदीना बहुत ही स्वादिष्ट और रिफ्रेशिंग होता है। यह खाने में स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। जिंजीवाइटिस की समस्या होने पर कुछ पुदीने की पत्तियों को आधे घंटे के लिए पानी में भिगो कर, फिर इस मिश्रण से कुल्ला करें। जिंजीवाइटिस की समस्या के साथ सांसों में बदबू का इलाज करने में भी मदद करता है।

लौंग: लौंग मसूड़ों की सूजन के लिए सबसे बढ़िया घरेलू उपचारों में से एक है। समस्या होने पर एक लौंग लेकर उसे मसूड़ों पर धीरे-धीरे रगड़ें। इसके अलावा आप लौंग की जोड़ी को मसूड़ों के पास रखकर कुछ समय के लिए छोड़ दें। लौंग का तेल भी मसूड़ों की सूजन के उपचार में लाभदायक होता है।

क्रेनबेरी: जिन्जीवाइटिस मसूड़ों में टॉर्टर, प्लाक के कारण होते हैं। इससे मसूड़े दुखदायी, लाल और फूल जाते हैं। जिन्जीवाइटिस की समस्या से बचने के लिए आप एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर क्रेनबेरीका प्रयोग कर सकते हैं। मसूड़े की सूजन को दूर करने के लिए आप प्राकृतिक उपचार क्रेनबेरी जूस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बैक्टीरिया के प्रसार को सीमित करने में आपकी मदद करता है। लेकिन ध्यान रहें क्रेनबेरी के जूस को बिना चीनी के ही पीये।

नींबू: विटामिन-सी से भरपूर नीबू स्फूर्तिदायक और रोग निवारक फल है। नींबू का रस बैक्टीरिया को मारने और सूजन को कम करने में मदद करता है। समस्या होने पर एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू निचोड़कर, दांतों में ब्रश करने के बाद इसे माउथवॉश के रूप में उपयोग करना चाहिए।

तेजपात: तेजपात में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते है। समस्या होने पर एक बड़ी चम्मच तेजपात को पानी में मिलाकर कुछ मिनट के लिए उबालें। इसके बाद इसमें नमक की एक चुटकी मिलाकर इस मिश्रण को बोतल में डाल लें। इस बोतल को बाद में उपयोग के लिए आप फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं। यह ब्रशिंग के बाद संक्रमित और मसूड़ों में जलन को शांत करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

आंखों के लिए योगा-सर्वांगासन

सर्वांगासन व्यायाम करने के लिए एक सहज पोजीशन में बैठ जाए, जिससे आपका दिमाग और शरीर रिलैक्स महसूस कर सके। टांगो को सीधा रखते हुए मेट पर लेट जाए और रिलैक्स करें। इसके बाद अपनी दोनों टांगो को ऊपर की तरफ नब्बे डिग्री तक ले जाए और फिर टांगो को स्ट्रेच करते हुए जितना हो सके हिप्स के सहारे ऊपर तक ले जाए। आँखें बंद कर ले और घुटनो को मोड़ते हुए नीचे लाये और थोड़ी देर आराम करें।

दाग धब्बे हटाने का हर्बल उपाय

चेहरे के दाग धब्बे मिटाने के लिए लोग कई तरह के ब्यूटी ट्रीटमेंट करवाते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए मंहगे ट्रीटमेंट की बजाए आप घर पर ही सस्ता और असरदार उपाय अपना कर इस परेशानी से राहत पा सकते हैं। चेहरे के दाग धब्बे मिटाने का आसान उपाय: पुदीने के पत्ते, बनाने की विधि, पुदीने के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार कर लें। ,इसके बाद इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं। ,

ध्यान में रखें यह बात ,किसी भी तरह का उपाय करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

फिश टैंक महत्व और उसकी सही दिशा

आज हम घर में फिश टैंक के महत्व और उसके रखने की सही दिशा के बारे में बता रहें हैं।

घर में फिश टैंक की दिशा

घर के दक्षिण-पूर्व भाग को सबसे शुभ माना जाता है ,उसे निरंतर साफ करते रहें अन्यथा गन्दा फिश टैंक आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

ऑफिस में फिश टैंक की दिशा

» ऑफिस के उत्तर, उत्तर-पूर्व एवं पूर्व दिशा में फिश टैंक को रखने से आपके व्यवसाय में वृद्धि होती है। यदि आप ऑफिस में फिश टैंक रखना चाहते हैं तो गोल एक्वेरियम का उपयोग करें।

» व्यापार में आर्थिक परेशानियों को दूर करने अरोवना फिश एवं प्रसिद्धि पाने के लिए गोल्ड फिश को रखना फायदेमंद होता है।

इन जगहों पर न रखें फिश टैंक

फिश टैंक वैसे तो खुशहाली को बढ़ाता है लेकिन सही स्थिति की जानकारी न हो और इसे गलत दिशा और स्थान पर रखा जाए तो यह विपरीत असर भी डालती है.इसे घर के बेडरूम, किचन या बाथरूम में नहीं रखना चाहिए अन्यथा घर में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और हानि हो सकती है।

फिश टैंक महत्व

» यह स्ट्रेस और विचलित मन को शांत बनाने में भी फिश टैंक कारगर होता है।

» मछलियों में से अगर कुछ मछलियाँ मर जाती हैं तो आपके घर में आने वाली विपत्तियाँ उसके साथ ही खत्म हो जाती मछलियों की मृत्यु हो जाती है उतनी ही मछलियाँ फिर से लाकर टैंक में डाल देना चाहिए।

सलाह

खाली पेट लहसुन खाना है फायदेमंद

लहसुन एक जड़ी बूटी है। भोजन को स्वादिष्ट बनाने वाले मसाले के रूप में इसका इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन यह वास्तव में कई प्रकार की बीमारियों को रोकने और इलाज में काफी कारगर होता है। इसकी गंध बहुत ही तेज और स्वाद तीखा होता है। लहसुन में एलियम नामक एंटीबायोटिक होता है जो बहुत से रोगों के बचाव में लाभप्रद है। नियमित लहसुन खाने से ब्लडप्रेशर कम या ज्यादा होने की बीमारी नहीं होती। एसिडिटी की समस्या में इसका प्रयोग बहुत ही लाभदायक होता है। कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि खाली पेट लहसुन का सेवन करने से इसकी शक्ति और भी बढ़ जाती है और यह बेहद मजबूत प्राकृतिक एंटीबायोटिक बन जाता है।

खाली पेट लहसुन खाने के फायदे

कई लोगों ने पाया कि लहसुन उच्च रक्तचाप के लक्षणों से वास्तव में आराम पहुंचाता है। यह न केवल रक्त परिसंचरण को नियंत्रित करता है बल्कि विभिन्न प्रकार की हृदय संबंधी समस्याओं से भी बचाता है और इसके आपके लीवर और ब्लैडर के सभी कार्य भी ठीक से होते हैं।

लहसुन पेट की समस्याओं जैसे डायरिया के इलाज के लिए कारगर होता है। साथ ही यह तंत्रिका की समस्याओं के लिए भी अद्भुत उपाय है, लेकिन तब जब लहसुन का सेवन खाली पेट किया जाये। लहसुन पेट की समस्याओं के उपचार में वास्तव में बहुत प्रभावी है - यह अच्छे पाचन और भूख को बढ़ाने में मदद करता है। लहसुन के सेवन से पेट के तनाव को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और इस तरह से घबराहट के कारण शरीर में बार-बार पैदा होने वाले एसिड का उत्पादन बंद हो जाता है। लहसुन दुनिया के हर हिस्से में अपने स्वास्थ्य लाभ के लिए लोकप्रिय है। इसी मुख्य कारण से वर्षों से लोग इसे एक औषधि के रूप में जानते हैं।

लहसुन और वैकल्पिक चिकित्सा

लहसुन डिटॉक्सीफिकेशन गुणों के कारण वैकल्पिक चिकित्सा में सबसे कुशल खाद्य पदार्थों में से एक माना जाता है। लहसुन इ तना शक्तिशाली होता है कि यह परजीवी और कीड़े से शरीर को साफ करता है और मधुमेह, अवसाद, और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाता है। लेकिन अगर आपको एलर्जी की समस्या है तो दो महत्वपूर्ण चीजों का ध्यान रखना होगा, एक तो इसका सेवन कच्चा न करें, दूसरा किसी भी प्रकार की त्वचा संबंधी समस्या, शरीर का उच्च तापमान और सिर दर्द होने पर इसका सेवन बंद कर दें। कुछ अध्ययनों के अनुसार एचआईवी/एड्स के लिए दवा लेने वाले रोगियों के लिए लहसुन का सेवन कभी-कभी खतरनाक भी हो सकता है। इसलिए इस विशेष स्वास्थ्य समस्याओं के होने पर आपको बहुत सावधान रहना चाहिए।

लहसुन के अन्य स्वास्थ्य लाभ

लहसुन श्वसन तंत्र के लिए अच्छा होता है- यह टीबी, दमा, निमोनिया, सर्दी, ब्रोंकाइटिस, पुरानी ब्रोन्कियल सर्दी, फेफड़ों में संक्रे मण और खांसी की रोकथाम और इलाज के लिए अच्छा होता है। ट्यूबरक्लोसिस की समस्या होने पर सुबह खाली पेट लहसुन खाना बहुत फायदेमंद होता है। दांत के दर्द में लहसुन का सेवन फायदेमंद होता है। यदि कीड़ा लगने से दांत में दर्द हो तो आप लहसुन के टुकड़ों को गर्म करें और उन टुकड़ों को दर्द वाले दांत पर रखकर कुछ देर तक दबाएं। ऐसा करने से दांत का दर्द ठीक हो जाता है। फ्लू यानी इन्फ्लुएन्जा में सुबह उठकर गर्म पानी के साथ लहसुन और प्याज का रस पीने से फ्लू से निजात मिलता है। ये एक एंटीबायोटिक तरह है।

एक मां ही समझ सकती है मातृत्व की ये बातें

मदरहुड यानी मातृत्व अपने साथ ढेर सारी खुशियां और परिवर्तन के साथ ही कुछ ऐसे बदलाव भी लेकर आता है जो शायद आपको पसंद न हो। इस तरह के अप्रिय बदलावों के बारे में कोई भी पैरंटल गाइड आपको जानकारियां नहीं देता। मातृत्व के बारे में इन बातों को सिर्फ आप मां बनने के बाद ही समझ सकती हैं-

एक नियम सबके लिए नहीं

जब आप पहली बार अपने बच्चे को गोद में लेती हैं तो तो उस वक्त किसी भी तरह की ट्रेनिंग या एक्सपर्ट अडवाइस काम नहीं आती। हर बच्चा अपने आप में यूनीक होता है। हर बच्चे की जरूरतें अलग-अलग होती हैं और जैसे-जैसे आपका बच्चा बढ़ा होता जाता है आप अपनी पैरंटल स्टाइल डिवेलप करते जाते हैं। हमेशा याद रखें, कोई एक सेट नियम नहीं है जो हर बच्चे पर लागू हो।

सफाई की नई परिभाषा

अगर आप बहुत ज्यादा सफाई पसंद हैं और आपकी हर एक चीज से अपनी निश्चित जगह पर होती है तो इस बात को याद रखें कि बच्चे के आते ही आपकी यह आदत बदलने वाली है। इसकी शुरूआत होती है सूसू-पॉटी से, फिर खिलौनी, किताबें और यह लिस्ट बढ़ती है। बेस्ट बात यह है कि अपने बच्चे से जुड़े काम करने में आपको तकलीफ नहीं खुशी महसूस होती है।

ब्रेस्टफीडिंग आसान नहीं है

ब्रेस्टफीडिंग उतना आसान नहीं जितना देखने में लगता है। इसमें ढेर सारा सायेंस, आर्ट और टेक्निक जुड़ा है जिसके बारे में आप तभी समझ सकती हैं ज आप खुद बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करना शुरू करें। बच्चे को किस तरह पकड़ना है, कितना दूध पिलाना है, इन्फेक्शन से किस तरह बचना है, ब्रेस्ट में सूजन, ज्यादा दूध, कम दूध... इस तरह की कई समस्याएं जिसके बारे में आप मां बनने के बाद ही समझ सकती हैं।

समस्याओं के लिए तैयार रहें

आप पूरे उत्साह, जोश और उमंग के साथ अपनी मातृत्व की पारी की शुरूआत करेंगी और सबकुछ परफेक्ट करना चाहेंगी। लेकिन बच्चे को संभालना, उसकी साफ-सफाई, उसके कपड़े धोना, घर साफ करना, खाना बनाना और इन सबके बाद रात में ढंग से नींद भी न ले पाना। यह सब किसी को भी परेशान कर सकता है। लिहाजा मां बनने के बाद इन छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी तैयार रहें।

परफॉर्मेंस पता करने का तरीका नहीं

हर छोटा बड़ा काम जो आप करते हैं उससे आपके बच्चे की पर्सनैलिटी पर गहरा असर पड़ता है। लिहाजा सालों तक मां के तौर पर बेहतरीन काम करने के बाद भी आप यह नहीं जान पाती हैं कि अपने बच्चे को पालने में आपकी परफॉर्मेंस कैसी रही। कम से कम 20-30 साल तक तो बिलकुल नहीं।

हृदय के स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है अंगूर

दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे अंगूर पसंद न हों। द्राक्ष, रसाला, मधुफला, फलोत्रमा आदि नाम अंगूर के ही हैं। मीठे, रसीले और ठंडक प्रदान करने वाले इस फल का जन्म स्थल रूस के आरमेनिया नामक स्थान को माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि कि ईरान तथा अफगानिस्तान से होता हुआ यह फल भारत में भी पहुंचा। यह फल केवल ताजा नहीं बल्कि सुखाकर किशमिश व मुनक्के के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। शराब बनाने के लिए भी इसका प्रयोग किया जाता है।

बाजार में अंगूर की बहुत सी किस्में उपलब्ध हैं। जैसे रंग के आधार पर अंगूर की दो किस्में हैं काले तथा हरे अंगूर। कुछ अंगूरों का आकार लम्बा होता है तो कुछ का गोल। इसी प्रकार छोटे और बड़े अंगूर भी पाए जाते हैं। कुछ अंगूरों में बीज होते हैं जबकि बेदाना में बीज नहीं होते।

हालांकि इनमें प्रोटीन, वसा, विटामिन और खनिज लवण बहुत ही कम मात्रा में होते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट शर्करा के रूप में पाया जाता है इसमें ग्लूकोज तथा फ्रक्टोज किस्म की शर्करा पाई जाती है इसी कारण इनका सेवन काफी स्फूर्तिदायक सिद्ध होता है। दूसरी और किशमिश में शर्करा की मात्रा अंगूर से ज्यादा होती है इससे उसमें मिलने वाली ऊर्जा की मात्रा भी ज्यादा है। ताजा अंगूरों की सौ ग्राम मात्रा से जहां लगभग सत्तर कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है वहीं किशमिश की इतनी ही मात्रा से लगभग तीन सौ आठ कैलोरी ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

अंगूर हमारे स्वास्थ्य का भी रक्षक होता है। अंगूर को सुखाकर तैयार की जाने वाली मेवा किशमिश तथा बड़े बीज वाले अंगूर को सुखाकर तैयार किया जाने वाला मुनक्का दोनों ही बहुत लोकप्रिय हैं। इनके विविध औषधीय प्रयोग किए जाते हैं। आयुर्वेदिक तथा यूनानी दवाओं में अक्सर इनका प्रयोग किया जाता है। कफ, दुर्बलता तथा कब्ज को दूर करने के लिए

इनका प्रयोग फायदेमंद होता है। इसके लिए पंचामृत अवलेह नामक मिश्रण तैयार किया जाता है। इसे बनाने के लिए एक-एक भाग सोंठ, पीपल, काली मिर्च तथा सेंधा नमक मिलाकर पीस लें। फिर उसमें चालीस भाग मुनक्का मिलाकर उसका सेवन करें। आमतौर पर इसकी एक छोटी चम्मच मात्रा का सुबह-शाम प्रयोग पर्याप्त होता है। कब्ज, कफ तथा मंदाग्नि में इससे आशातीत लाभ होता है। यकृत (लीवर) तथा किडनी के रोगों में भी अंगूर तथा किशमिश का प्रयोग लाभकारी होता है। सभी प्रकार के बुखारों तथा क्षय रोग (टीवी) के समय शरीर को अधिक ऊर्जा व बल की जरूरत होती है ऐसे अंगूर का सेवन करना श्रेष्ठ होता है। यों तो अंगूर के रस को संरक्षित कर बोतलों में रखा जा सकता है परन्तु ऐसा करने से आप उससे प्राप्त होने वाले फाइबर (रेशे) से वंचित हो जाएंगे। शर्करा की मात्रा अधिक होने के कारण अंगूरों का खमीरीकरण करके अच्छी किस्म की मदिरा भी तैयार की जाती है। अंगूरों की तासीर ठंडी होती है। सेवन करने पर ये शीतलता प्रदान करते हैं अत: दाह तथा हॉट फ्लशज के उपचार के लिए इनका प्रयोग किया जा सकता है।

इधर परीक्षण यह बताते हैं कि अंगूर जीवनदायी गुणों से भरपूर है। हृदय की सुरक्षा में ताजे अंगूरों का बहुत महत्व है। ताजा अंगूरों में पालिफिनाल नामक तत्व होता है जो हमारे हृदय के लिए फायदेमंद होता है। रेडवाइन की तरह ताजा अंगूर भी रोगियों के हृदय तथा धमनियों को आक्सीडेशन से होने वाले नुकसान से बचाता है। अंगूर तथा वाइन दोनों में एक जैसे पॉलीफिनोल पाए जाते हैं। केटेचिन्स, रेसवेराट्रोल, एंथोसायेनिन तथा क्वेरसिटिन जैसे पॉलीफिनोल, जो अंगूरों में भी पाए जाते हैं, वास्तव में सभी बीमारियों से लड़ने वाले फाइटोन्यूट्रिएंट हैं जो हमारे हृदय के मददगार साबित होते हैं।

अंगूरों में उपस्थित पॉलिफिनोल दो प्रकार से एटी आक्सिडेंट की भूमिका निभाते हैं। पहले ये फ्री-रेडिकल्स को निष्क्रिय कर देते हैं फिर आक्सीजन के एक बाय-प्रोडक्ट मेलोडायएल्डीहाइड के बनने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। ये सभी स्थितियां हृदय के लिए आदर्श होती हैं।

अंगूर के उत्पाद तो फायदेमंद होते ही हैं, अंगूर भी हृदय का बचाव करने में अव्वल हैं। अंगूरों का सेवन, हार्ट अटैक के बाद आश्चर्यजनक लाभ देता है। परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि अंगूरों के सेवन से न केवल रोगी के खून के दबाव में सुधार आता है बल्कि हृदय के खून पम्प करने की क्षमता भी बढ़ जाती है। यही नहीं हार्ट अटैक के बाद मृत होने वाले हिस्से अथवा जिस हिस्से को नुकसान पहुंचा हो, का क्षेत्र भी काफी घट जाता है। इसी प्रकार अंगूर का जूस एलडीएल के आक्सीकरण को रोकता है और खून के थक्के बनने की प्रवृत्ति को कम करता है। अब जबकि इस छोटे, रसीले और गुच्छों में लगने वाले फल के इतने अधिक फायदे उजागर हो चुके हैं, इसे सिर्फ एक सजावटी टेबल फ्रूट समझना उचित नहीं क्योंकि अंगूर जीभ के स्वाद के साथ-साथ आपके हृदय का भी ख्याल रखते हैं इसलिए इन्हें आसानी से आपके दिल का मददगार कहा जा सकता है।

शरीर में हो गई है हीमोग्लोबिन की कमी

आजकल लोग इतने व्यस्त रहने लगे हैं कि वह अपनी जीवनशैली पर ही ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में वह कई बीमारियों का शिकार होने लगते हैं। इन्हीं में से एक है हीमोग्लोबिन की कमी। दरअसल, हीमोग्लोबिन एक तरह का प्रोटीन होता है जिसमें आयरन पाया जाता है। यह शरीर में ऑक्सीजन का संचार करता है।

जल्दी थकान, सांस फूलना, चक्कर आना आदि इसके लक्षण होते हैं। सामान्यत-पुरुषों में हीमोग्लोबिन की मात्रा 13.5-17.5 मिलीग्राम/ डिसीलीटर और महिलाओं में 12.0-15.5 मिलीग्राम/ डिसीलीटर होनी चाहिए। इसके होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी 12, विटामिन सी

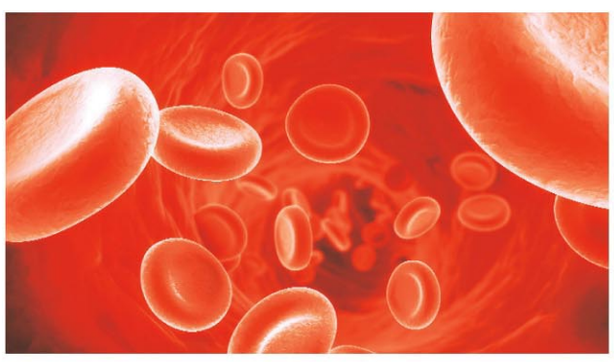

की कमी। आमतौर पर इस बीमारी को एनीमिया के नाम से जाना जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो जाए तो रोजाना अपनी डाइट में इन चीजों को शामिल करने से आपको फर्क पड़ेगा।

हीमोग्लोबिन की कमी होने पर आपको अपनी डाइट में ऐसी चीजें शामिल करनी चाहिए जो आयरन और विटामिन की कमी को पूरा करते हैं। ऐसे में पालक, मेथी, चुकुंदर, सेम की फली, टमाटर, राजमा, शकरकंद, गोभी, कद्दु, शिमला मिर्च आदि सब्जियों का सेवन करना चाहिए। फलों में आप पपीता, संतरा, अमरूद, स्ट्रॉबेरी, अंगूर, अनार भी हीमोग्लोबिन का स्तर काफी तेजी से बढ़ाते हैं। आयरन की कमी को पूरा करने के लिए मूंगफली खाएं।

रेसिपी

मखाने की खीर

आवश्यक सामग्री

1 लीटर दूध
1 कप मखाने
1 छोटा चम्मच घी
1 छोटा चम्मच चिरौंजी
10 काजू
10 बादाम
1 चम्मच इलायची पाउडर
द कप चीनी

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम महीन काटकर अलग रख लें। मखानों को महीन काट लें और फिर मिक्सी में दरदरा पीस लें। अब एक भारी तली के पैन में घी गरम करें और उसमें मखानों को 1 मिनट के लिए भून लें। अब मखानों में दूध डालकर पहले उबाल के बाद आंच को धीमा कर दें। दूध को तब तक पकने दें जब तक कि मखाने पूरी तरह से गल जाएं। 5-7 मिनट के गैप में खीर को चलाते रहें ताकि वो तली में लगने ना पाए। अब कटे हुए मेवे और चीनी को खीर में डालकर अच्छी तरह मिलाएं और 5 मिनट बाद इलायची पाउडर डालकर गैस बंद कर दें। मखाने की खीर तैयार है। इसे ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। चाहे तो इसे गर्म सर्व करें या फिर ठंडा होने के बाद परोसें।

बादाम अंजीर का हलवा

आवश्यक सामग्री

आधी कटोरी बादाम, टुकड़ों में कटे हुए
250 ग्राम अंजीर,
2 बड़ा चम्मच घी
आधा लीटर दूध
एक कप कंडेंस्ड मिल्क

विधि

सबसे पहले अंजीर के टुकड़ों को एक घंटे तक दूध में भिगोकर रखें। इसके बाद इसे मिक्सर जार में डालकर पीस लें। बादाम को भी पीस लें। कुछ टुकड़ों रहने दें। इनका इस्तेमाल हम गार्निशिंग के लिए करेंगे।

स्वीट डिश को और भी टेस्टी बना देंगे ये टिप्स: अब एक पैन में घी डालकर गर्म होने के लिए मध्यम आंच पर रखें। फिर इसमें बादाम का पाउडर, कंडेंस्ट मिल्क और अंजीर का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक भूनें। जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे तो आंच बंद कर दें। तैयार हलवे को बादाम से गार्निश कर गर्मागर्म सर्व करें।

फेड को अब भी महंगाई की चिंता, नीतिगत ब्याज दरों में लगातार सातवीं बार नहीं की गई कोई कटौती

नई दिल्ली ।
अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक (फेडरल रिजर्व बैंक) ने अपनी ताजा मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर को 5.25-5.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान किया। कोविड-19 महामारी के दौरान, ब्याज दरें शून्य के करीब थीं। ब्याज दरें बढ़ाना एक मौद्रिक नीति साधन है जो आम तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करता है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है। फेड ने कहा, हम मौद्रिक नीति पर प्रतिबंधात्मक रुख बनाए हुए हैं ताकि मांग को आपूर्ति के अनुरूप रखा जा सके और मुद्रास्फीति के दबाव को कम किया जा सके। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा, आर्थिक घटनाक्रमों की संक्षिप्त समीक्षा के बाद मेरे पास मौद्रिक नीति के बारे में कहने के लिए और कुछ होगा। अमेरिका में उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रही, हालांकि यह अब भी 2 प्रतिशत से ऊपर बनी बनी हुई है और यह इसके केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का कारण है। मई तक पिछले 12 महीनों में, मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत बढ़ी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने इस सप्ताह अपनी मौद्रिक नीति बयान में कहा, हाल के महीनों में, समिति के 2 प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य की दिशा में मामूली प्रगति हुई है। केंद्रीय बैंक लंबे समय में 2 प्रतिशत की दर से अधिकतम रोजगार और मुद्रास्फीति प्राप्त करना चाहता है। पॉवेल ने कहा कि इस साल अब तक मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने उन्हें अधिक आत्मविश्वास नहीं दिया है। समिति का मानना है कि अपने रोजगार और मुद्रास्फीति लक्ष्यों को प्राप्त करने के जोखिम पिछले एक साल में बेहतर संतुलन की ओर बढ़ गए हैं। आर्थिक दृष्टिकोण अनिश्चित है, और समिति मुद्रास्फीति जोखिमों के प्रति अत्यधिक चौकस बनी हुई है। दर में किसी भी समायोजन पर विचार के बारे में पॉवले ने कहा कि फेड आने वाले डेटा, विकसित दृष्टिकोण और जोखिमों के संतुलन का सावधानीपूर्वक आकलन करेगा। फेड की रिपोर्ट में कहा गया है, समिति को उम्मीद नहीं है कि ब्याज दरों को कम करना तब तक उचित होगा जब तक कि उसे यह विश्वास नहीं हो जाता कि मुद्रास्फीति लगातार 2 प्रतिशत की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारी अब इस साल सिर्फ एक दर में कटौती कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीसीआईएल को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से मिला यह काम होगा 2000 करोड़ से अधिक का भुगतान

नई दिल्ली । हुगली ज्वारनदमुख समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। हल्दिया डॉक से जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए इसकी गहराई बनाए रखना आवश्यक है। इस काम का ठेका ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया है। ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) को पश्चिम बंगाल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। डीसीआईएल ने एक बयान में कहा कि यह ठेका हुगली मुहाना में तलकर्षण (ड्रेजिंग) के रखरखाव के लिए है, जो मुख्य रूप से हल्दिया डॉक की ओर जाने वाले शिपिंग चैनल में है। कंपनी ने कहा कि पांच साल के अनुबंध का मूल्य 2,015.88 करोड़ रुपये है। हुगली ज्वारनदमुख समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। हल्दिया डॉक से जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए इसकी गहराई बनाए रखना आवश्यक है। शिपिंग चैनल के जरिए जहाजों के आने-जाने की सुगमता करो बनाए रखने के लिए रखरखाव ड्रेजिंग महत्वपूर्ण है। इससे क्षेत्र में सुचारू और कुशल समुद्री संचालन की सुविधा मिलती है। डीसीआईएल के चेयरमैन मधैयां अंगमुथु ने कहा कि कंपनी परियोजना की कठिन जरूरतों को पूरा करेगी। विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में स्थित डीसीआई बंदरगाहों, भारतीय नौसेना, मछली पकड़ने के बंदरगाहों और अन्य समुद्री संगठनों को ड्रेजिंग और इससे जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराता है।

सोना फिसला, चांदी 90 हजार से नीचे

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में नरमी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 495 रुपये की गिरावट के साथ 71,475 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 1,499 रुपये की गिरावट के साथ 88,946 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 2,010 रुपये की गिरावट के साथ 88,435 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,340.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,354.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 23.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.80 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.26 डॉलर था। इस समय यह 1.03 डॉलर की नरमी के साथ 29.23 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एप्पल ने माइक्रोसॉफ्ट से छीना दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का तमगा, 2 प्रतिशत से अधिक बढ़े शेयर

वॉशिंगटन । एपल ने माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का स्थान फिर से हासिल कर लिया। एपल के शेयर दो फीसदी से अधिक बढ़कर 211.75 डॉलर हो गए। जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 3.25 ट्रिलियन डॉलर हो गया। इसकी तुलना में माइक्रोसॉफ्ट का बाजार पूंजीकरण 3.24 ट्रिलियन डॉलर तक गिर गया, जिससे यह पांच महीने में पहली बार एपल से पीछे हो गई। एपल के स्टॉक में उछाल तब आया है, जब नैस्डैक ने मुद्रास्फीति कम होने के ताजा संकेतों के कारण रिकॉर्ड ऊंचाई को छू लिया। अपने उपकरणों के लिए एआई-इनेबल्ड सुविधाओं की एख सीरीज का अनावरण करने के एक दिन बाद एपल के शेयरों में पिछले सत्र में सात फीसदी की वृद्धि हुई थी। कई विश्लेषकों का मानना है कि इससे आईफोन की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा।

मई में खुदरा महंगाई दर 12 महीने के निचले स्तर पर, 4.75 प्रतिशत पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली ।
देश की खुदरा मुद्रास्फीति मई में सालाना आधार पर घटकर 12 महीने के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह पिछले महीने यानी अप्रैल में 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत थी। द्य सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2-6 फीसदी के सहिष्णुता दायरे में बना हुआ है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार क्रमिक आधार पर मुद्रास्फीति की दर मई में 0.48 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार खाने-पीने की कीमतें कम हुईं

मई में खाद्य मुद्रास्फीति की दर अप्रैल के 8.75 प्रतिशत से घटकर मई में 8.62 प्रतिशत हो गई। हालांकि यह आंकड़ा मई 2023 की खाद्य महंगाई दर 3.3 प्रतिशत से अधिक है। ग्रामीण मुद्रास्फीति मई में घटकर 5.28 प्रतिशत रह गई, जो पहले 5.43 प्रतिशत थी। इस बीच, मई में शहरी मुद्रास्फीति की दर 4.15 प्रतिशत रही।

फल और सब्जियों की कीमतों में मामूली कमी

फलों और सब्जियों की मुद्रास्फीति अप्रैल के 27.8 प्रतिशत से घटकर मई में सालाना आधार पर 27.3 प्रतिशत पर आ गई। अनाज और दालों की कीमतें जो भारत के मुख्य आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, मुद्रास्फीति की दर क्रमश: 8.69 प्रतिशत और 17.14 प्रतिशत पर आ गई। ईंधन के मामले में मुद्रास्फीति दर मई में घटकर 3.83 प्रतिशत रह गई, जबकि अप्रैल में इसमें 4.24 प्रतिशत की गिरावट आई थी। कपड़े और जूते और हाउसिंग सेक्टर के लिए मुद्रास्फीति दर मई में क्रमश: 2.74 प्रतिशत और 2.56 प्रतिशत रही। एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने महंगाई पर की थी ये टिप्पणी जून की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसलों के बारे में बताते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि भारत की मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि केंद्रीय बैंक चाहता है कि यह प्रक्रिया क्रमिक हो और टिकाऊ आधार पर हो। एमपीसी की बैठक के बाद दास ने मुद्रास्फीति को हाथी बताया था और कहा था कि जून की बैठक के दौरान यह बहुत धीरे-धीरे जंगल में लौटता दिखा। उस दौरान, अपने अनुमानों में भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए मुद्रास्फीति के लक्ष्य को 4.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित छोड़ दिया था। वित्त वर्ष 2024 में मुद्रास्फीति दर केंद्रीय बैंक के पूर्वानुमान के अनुरूप 5.4 प्रतिशत थी।

अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक घटकर 5 प्रतिशत रह गई

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल में घटकर 5 प्रतिशत रह गई, जो तीन महीने का निचला स्तर है। मार्च में यह 5.4 प्रतिशत थी। सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अप्रैल 2023 में आईआईपी वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत दर्ज की गई। आईआईपी का पिछला उच्चतम स्तर अक्टूबर 2023 में 11.9 प्रतिशत दर्ज किया गया था, यह नवंबर में घटकर 2.5 प्रतिशत, दिसंबर में 4.2 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 4.1 प्रतिशत दर्ज किया गया।

पेटीएम शेयर की कीमत में 3 फीसदी तेजी, पेटीएम सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी

मुंबई ।
पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेटीएम के शेयर की कीमत 415.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा भी की है कि कंपनी सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी।

इस साझेदारी से यूजर्स को फ्लाइट, बस, मूवी और इवेंट टिकट बुकिंग करने में लाभ हो सकेगा। इसके बाद गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अब पेटीएम की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और बस बुकिंग, मूवी टिकट खरीद और इवेंट बुकिंग शामिल हैं।

सैमसंग वॉलेट से साथ साझेदारी करने के बाद सर्विसेस का उपयोग किया जा सकेगा। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता फ्लाइट, बस और मूवी बुकिंग के लिए पेटीएम ऐप और इवेंट बुकिंग के लिए पेटीएम इनसाइडर ऐप का उपयोग करते हैं, ताकि वे सैमसंग वॉलेट में जोड़ें कार्यक्षमता का उपयोग करके अपने टिकट सीधे सैमसंग वॉलेट में जोड़ सकें। इससे वे हवाई अड्डों, बस टर्मिनलों, सिनेमा हॉल, इवेंट स्थलों आदि में प्रवेश करने के लिए इन तक आसानी से पहुँच सकेंगे। बता दें कि बीमा नियामक इरडा ने सामान्य बीमा उत्पादों के निर्माता के रूप में पेटीएम जनरल इंश्योरेंस के पंजीकरण वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है।

पेटीएम ने कहा कि यह कदम स्वास्थ्य, जीवन, मोटर, दुकान और गैजेट्स खंडों में बीमा वितरण को दोगुना करने की हमारी दिशा के अनुरूप है, जिसे हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (पीआईबीपीएल) के माध्यम से सुगम बनाया गया है। हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए छोटे टिकट वाले बीमा उत्पादों पर नवाचार करना है।

रेलवे पैसे बचाने बाजार में घूमकर खरीद रही है सस्ती चीज, झांसी मंडल ने पांच करोड़ से अधिक की बचत की, अन्य जोनों में अपना रही यही तरीका

नई दिल्ली ।
भारतीय रेलवे भी बचत करने के लिए आम उपभोक्ता की तरह कोई भी चीज खरीदने से पहले उसके भाव की तुलना करती है और उसके बाद खरीद रही है। इसका लाभ भी मिल रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल ने इसी तरीके से पांच करोड़ से अधिक की बचत कर ली है। अन्य जोनों में भी बचत का यह तरीका अपनाया जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के एक जन संपर्क अधिकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल अप्रैल माह में मध्य प्रदेश क्षेत्र से 5.28 करोड़ रुपये की बिजली व्यय में राजस्व बचत की गयी है। यह बचत खुले बाजार से बिजली खरीद से संभव हुई है। उन्होंने बताया कि पूर्व में मंडल द्वारा बिजली चुनिन्दा कंपनियों से ही खरीदी जाती थी, जिसका तय की गयी दरों के अनुसार ही भुगतान करतना पड़ता था लेकिन रेलवे ने इसमें बदलाव कर दिया है। अब चुनिंदा कपंनियों के बजाए खुले बाजार से बिजली खरीदी जा रही है। मध्य प्रदेश क्षेत्र के 10 स्टेशनों से यह बचत की गयी है, इसमें दतिया, हेतमपुर, ग्वालियर,

भिंड, हरपालपुर, निवाड़ी, मालनपुर, ईशानगर, सांक एवं बसई के सब स्टेशन शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे बचत करने के लिए नए-नए तरीके अपना रहा है, जैसे उत्तर रेलवे कबाड़ बेच कर करोड़ों रुपये कमा रहा है। यह जोन कबाड़ से कमाई में पूरे देश में नंबर बन गया है। रेलवे के अनुसार इस तरह बचत कर यात्री सुविधाओं को और बेहतर किया जा रहा है।

ऋण वसूली के लिए बैंक लुकआउट सर्कुलर नहीं जारी कर सकते, दिल्ली हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली ।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने बैंक कर्ज वसूली से जुड़े एक मामले में बड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि बैंक कर्ज वसूली के लिए बैंक लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) नहीं जारी कर सकते जब तक कि धोखाधड़ी या धन की हेराफेरी का कोई आरोप न हो। अदालत ने कर्ज चुकाने में विफल रहने वाली कंपनी के पूर्व निदेशक के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर को रद्द कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि विदेश यात्रा की इच्छा रखने वाले व्यक्ति के लिए एलओसी एक बड़ी बाधा है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि किसी भी व्यक्ति को बहुत ही बाध्यकारी कारणों को छोड़कर विदेश जाने के उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने 28 मई को पारित एक फैसले में ये बातें कही। अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई आपराधिक कार्यवाही लंबित नहीं है और न ही उन पर कोई आरोप है कि उसने गबन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अदालत ने कहा कि बैंक ने याचिकाकर्ता के साथ-साथ उनकी कंपनी के खिलाफ वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन (एसएआरएफएईएसआई) कानून और दिवाला व ऋण शोधन अक्षमता संहिता जैसे विभिन्न कानूनों के तहत पहले ही कदम उठा दिए हैं। याचिकाकर्ता जो कंपनी के निदेशकों में से एक था ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से लिए गए 69 करोड़ रुपये के क्रेडिट की गारंटी दी थी। बाद में उन्होंने कंपनी से इस्तीफा दे दिया और एक अन्य इकाई में शामिल हो गए। कंपनी द्वारा कर्ज नहीं चुका पाने के बाद बैंक ने विभिन्न कानूनों के तहत उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू की और याचिकाकर्ता के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करने का अनुरोध किया। अदालत ने कहा कि हालांकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत विदेश यात्रा के अधिकार की गारंटी है और इसे मनमाने और अवैध तरीके से नहीं छीना जा सकता है। अदालत ने कहा, लेकिन अब बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहां बैंक बिना किसी आपराधिक कार्यवाही के केवल धन की वसूली के उपाय के रूप में लुक आउट सर्कुलर जारी करने पर जोर दे रहे हैं।

18 जून को जारी होगी किसान सम्मान की 17वीं किस्त: पीएम मोदी 9.3 करोड़ किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे 20 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करेंगे। पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से देश के 9.3 करोड़ों किसानों को 2-2 हजार रुपए की किस्त ट्रांसफर करेंगे। इसमें 20 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में ट्रांसफर किए जाएंगे। इससे पहले 28 फरवरी को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 16वीं किस्त जारी हुई थी। इसमें 21 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा किसानों को ट्रांसफर किए गए थे। इस योजना के तहत सरकार हर साल किसानों के अकाउंट में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तों में 6000 रुपए ट्रांसफर करती है। किसानों को हर साल मिलते हैं 6 हजार रुपए इस योजना के तहत

किसानों को 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें, साल में (कुल 6000 रुपए), दी जाती हैं। स्कीम के तहत पहली किस्त अप्रैल-जुलाई के बीच, दूसरी किस्त अगस्त-नवंबर के बीच और तीसरी किस्त दिसंबर-मार्च के बीच जारी की जाती है। इस योजना की शुरुआत 2019 में किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए की गई थी। योजना के पात्र लाभार्थी कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय पटवारी, राजस्व अधिकारी और योजना के लिए राज्य सरकार की ओर से नामित नोडल अधिकारी ही किसानों का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

पीएम किसान योजना में सभी किसानों को मिलता है फायदा

शुरुआत में जब पीएम-किसान योजना शुरू की गई थी (फरवरी, 2019), इसका लाभ केवल छोटे और सीमांत किसानों के परिवारों के लिए था। इसमें वो किसान शामिल थे जिनके पास 2 हेक्टेयर तक की कम्बाइन्ड लैंड होल्डिंग (संयुक्त भूमि) थी। जून 2019 में स्कीम को रिवाइज किया गया और सभी किसान परिवारों के लिए इसे एक्सटेंड कर दिया गया। हालांकि, कुछ किसानों को अभी भी इस योजना से बाहर रखा गया है। पीएम किसान से बाहर किए गए लोगों में संस्थागत भूमि धारक, संवैधानिक पदों पर बैठे किसान परिवार, राज्य या केंद्र सरकार के सेवारत या रिटायर्ड अधिकारी और कर्मचारी हैं। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और सरकारी स्वायत्त निकाय के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हैं। इनके अलावा डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे प्रोफेशनल्स के साथ-साथ 10,000 रुपए से ज्यादा की मासिक पेंशन वाले रिटायर्ड पेंशनर्स और पिछले असेसमेंट ईयर में इनकम टैक्स भरने वालों को भी इस स्कीम से बाहर रखा गया है।

तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत: वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली । वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया है कि भारत अगले 3 साल में 6.7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सैक्टर में अच्छी गतिविधि के चलते भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा, हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी हो सकती है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूरे साल 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 प्रतिशत है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत थी।

मानवता के लिए भगवान का तोहफा! एकमात्र रजनीकांत : अनुपम खैर

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में अनुभवी एक्टर्स अनुपम खेर और रजनीकांत को साथ में देखा गया। अनुपम ने इससे जुड़ा एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। एक्टर इस वीडियो में रजनीकांत की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में अनुपम, रजनीकांत के साथ-साथ चलते हुए दिखाई रहे हैं। उनके चारों ओर सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। वह तारीफ करते हुए कहते है, वन एंड ओनली, मिस्टर रजनी-द-कांत! वन एंड ओनली! भगवान का तोहफा !इस दौरान अनुपम की तारीफ सुन रजनीकांत कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अनुपम ने कैप्शन में लिखा, मानवता के लिए भगवान का तोहफा! एकमात्र-रजनीकांत! जय हो... प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया। इस समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। बॉलीवुड से शाहरुख खान, अक्षय कुमार, भोजपुरी स्टार रवि किशन, तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण, भोजपुरी एक्टर और राजनेता निरहुआ, अभिनेता मनोज तिवारी, एक्ट्रेस रवीना टंडन समेत कई सेलेब्स पहुंचे थे। अनुपम ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया हैं, जिसमें उन्हें तमिल मेगास्टार के साथ देखा जा सकता है।

उषा काकड़े प्रोडक्शन को जबरदस्त कामयाबी मिलेगी : करण जौहर

-प्रोडक्शन हाउस का लोगो किया लॉन्च

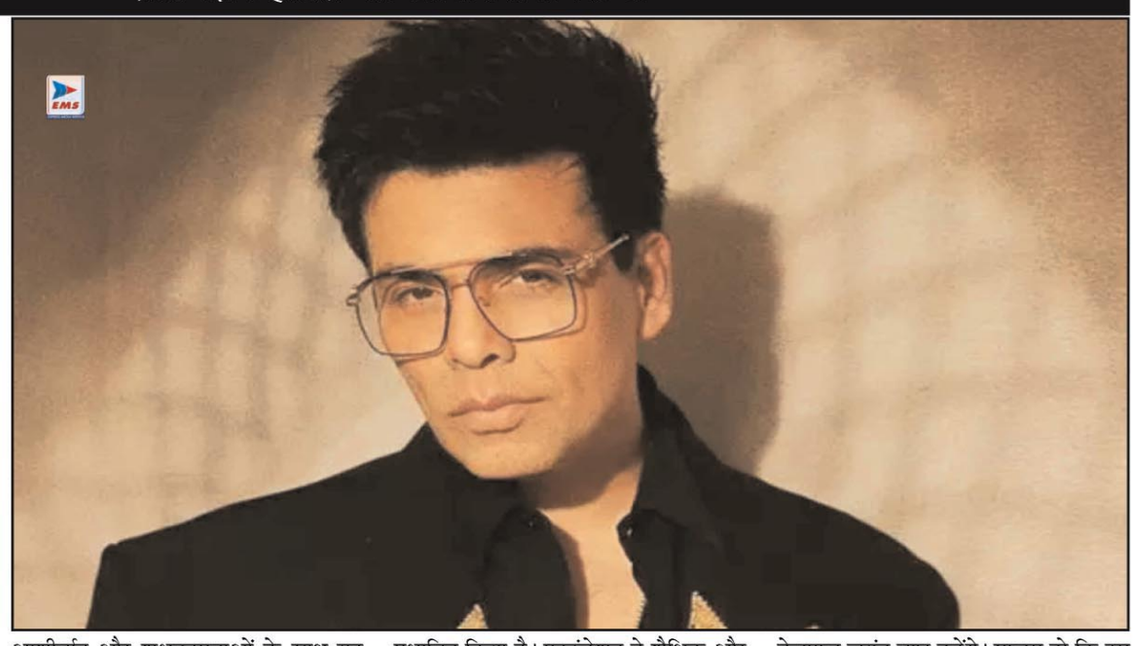

मुंबई (ईएमएस)। बिल्डर और समाजसेवी उषा काकड़े के प्रोडक्शन हाउस का लोगो फिल्ममेकर करण जौहर और मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने लॉन्च किया। इस अवसर पर करण ने उषा काकड़े के विजन और डेडिकेशन की तारीफ करते हुए कहा, मैं यह देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं कि उषा काकड़े प्रोडक्शन हमारे लिए क्या लेकर आया है। उषा को हमेशा मेरा सपोर्ट रहेगा, और मुझे यकीन है कि उषा काकड़े प्रोडक्शन को जबरदस्त कामयाबी मिलेगी। उन्होंने यूकेपी की पहली फिल्म विक्की- फुल ऑफ लव के लिए भी अपनी एक्साइटमेंट को जाहिर किया। मनीष ने फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखने के लिए उषा काकड़े की सराहना की और कहा, मैं उषा के नए वेंचर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। अन्य सभी क्षेत्रों की तरह, वह अपने बैनर उषा काकड़े प्रोडक्शंस के तहत सभी का दिल जीतने जा रही हैं। यह प्रोडक्शन हाउस कला और मानवीय सहायता दोनों के प्रति उषा काकड़े की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वहीं उषा काकड़े ने इवेंट में मौजूद सभी हस्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि यह उनकी जिंदगी का इस नया चैप्टर है। साथ ही उन्होंने प्रोडक्शन हाउस के क्रिएटिव कंटेंट को लेकर भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैं इस वेंचर को शुरू करने और प्रोड्यूसर के रूप में नई जर्नी को लेकर बेहद एक्साइटेड हूं। मुझे भरोसा है कि करण जौहर के आशीर्वाद और शुभकामनाओं के साथ यह कामयाब होगा। बता दें कि उषा काकड़े ग्रे-विटस फाउंडेशन की संस्थापक भी हैं, जिन्होंने 500,000 से ज्यादा बच्चों को सेफ और अनसेफ टच के बारे में जागरूक किया। उन्होंने 80,000 बच्चों का डेंटल चेकअप, 110,000 बच्चों के आंखों का चेकअप और सर्जरी की सुविधा प्रदान कर समाज को प्रभावित किया है। फाउंडेशन ने शैक्षिक और स्वास्थ्य सेवा पहलों को आगे बढ़ाने के लिए यूनिसेफ के साथ भी सहयोग किया है। इस इवेंट में उषा काकड़े प्रोडक्शंस के बैनर तले पहली मराठी फिल्म विक्की- फुल ऑफ लव की घोषणा भी हुई। इस फिल्म में हेमल इंगले और सुमेध मुधलकर लीड रोल में नजर आएंगे। विक्की- फुल ऑफ लव का निर्देशन तेजपाल जयंत वाघ करेंगे। मालूम हो कि इस इवेंट में हिंदी और मराठी फिल्म इंडस्ट्री की कई महान हस्तियां शामिल हुईं। इनमें ईशा कोप्पिकर, रिंकू राजगुरु, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, सुमेध मुदगलकर, तनिषा मुखर्जी, शर्मिला ठाकरे, अभिजीत खेडेकर, स्मिता गोंडकर, सोनाली कुलकर्णी, गौहर खान और अशोक पंडित जैसे स्टार शामिल हैं।

कभी शाहरुख खान से ज्यादा फीस मिली थी फराह खान को

-कोरियोग्राफर फराह ने 30 साल बाद किया ये खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म कभी हां कभी ना के रिलीज के 30 साल बाद फिल्म की कोरियोग्राफर फराह खान ने एक शॉकिंग खुलासा किया है। कोरियोग्राफर-फिल्म निमार्ता फराह खान शाहरुख खान के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए बहुत सारी चटपटी बातों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह शाहरुख खान देखती ही समझ गई थीं उनकी और शाहरुख के बीच बेहद अच्छी बॉन्डिंग बन जाएगी। वे दोनों जल्दी ही एक दूसरे के साथ घुल-मिल जाएंगे। फराह खान ने याद किया कि दोनों पहली बार फिल्म कभी हां कभी ना के सेट पर मिले थे। उन दिनों शाहरुख खान फिल्मों में नए थे और उनके पास पैसे थे इसलिए वे फराह के सहायक के रूप में काम करते थे। फराह ने कहा कि उन्होंने वास्तव में फिल्म में शाहरुख से अधिक पैसा कमाया। शाहरुख के साथ दशकों पुरानी दोस्ती के बारे में पूछे जाने पर फराह ने कहा- हमने 1991 में शूटिंग शुरू की थी और मैं भी नई थी। हम गोवा में थे और मैंने शाहरुख का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वह बहुत ही अकडू और घमंडी लग रहे थे। मैं बहुत डर गई थी। मुझे याद है कि जब हम पहली बार मिले थे तो उन्होंने क्या पहना था और क्या कर रहे थे। डायरेक्टर कुंदन शाह ने हमारा परिचय कराया था। कभी-कभी, आप तुरंत किसी से घुल-मिल जाते हैं। आपको ऐसा लगता है कि आप स्कूल के दोस्त हैं। शाहरुख के साथ भी ऐसा ही था। हमारी रुचियां एक जैसी थीं। हमने एक जैसी किताबें पढ़ी थीं, हमारा सेंस ऑफ ह्यूमर भी एक जैसा था। फराह ने बताया कि शाहरुख ने गरीब की शूटिंग के दौरान उनकी काफी मदद की थी। उन्होंने आगे कहा, बजट बहुत कम था। शाहरुख को उस फिल्म के लिए 25,000 रुपये दिए गए थे, मैं आपको बता दूं कि उस फिल्म में मुझे सबसे ज्यादा पैसे मिले थे। मुझे हर गाने के लिए 5,000 रुपये दिए गए थे और उसमें छह गाने थे। बस इसी वजह से मुझे 30,000 रुपये दिए गए थे। हम एक असिस्टेंट भी नहीं रख सकते थे। इसलिए, आना मेरे प्यार को के पूरे गाने के लिए हमने गोवा से ऐसे लोगों को कास्ट किया। फराह ने कहा कि चूंकि एक्स्ट्राज को यह नहीं पता था कि संकेत कैसे लेना है या निशान कैसे मारना है, इसलिए शाहरुख बारी-बारी से उन्हें चुटकी बजाते थे ताकि वे गाने में दीवार के पीछे से उठ सकें। फराह ने शाहरुख को तीन फि ल्मों में निर्देशित भी किया है - मैं हूँ ना, ओम शांति ओम, और हैप्पी न्यू ईयर। 2000 के दशक के अंत और 2010 के दशक की श-रूआत में कई सालों तक वे एक-दूसरे से बात नहीं करते थे, लेकिन बाद में उनके बीच सुलह हो गई। मालूम हो कि शाहरुख खान की हिट फिल्म कभी हां कभी ना में शाहरुख की जोड़ी एक्ट्रेस सुचित्रा कृष्णमूर्ति संग बनी थी। इस फिल्म का कुंदन शाह ने बनाया था। फिल्म के साथ ही साथ इसके गाने भी काफी फेमस हुए थे। फिल्म का गाना ऐ काश के हम, सच्ची ये कहानी है, दीवाना दिल दीवाना आज भी दर्शकों को काफी पसंद है। यह फिल्म साल 1994 में रिलीज हुई थी।

प्रोडयूसर रवि दुबे और सरगुन मेहता फिर से चर्चा में

हाल ही में एक इंटरव्यू के बाद एक्टर, प्रोडयूसर रवि दुबे और सरगुन मेहता फिर से चर्चा में हैं। रवि और सरगुन दोनों ही अपने बेहतरीन टेलेंट स्किल और चार्मिंग पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में लगातार कड़ी मेहनत से तरक्की करके अपना नाम बनाया है। एक बातचीत में, रवि दुबे ने अपने प्रोफेशनल एथोस के बाते में एक दिलचस्प पहलू उजागर किया। उन्होंने कहा, अगर आप मेरे पास आए हैं और मुझसे प्रोजेक्ट के बारे में बात की है और आपको लगता है कि मैंने आपसे बहुत ज्यादा राइज के बारे में पूछा है, तो यह मान लीजिए कि मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। रवि का अपने काम के लिए समर्पण इतना गहरा है कि वह पैसे से ज्यादा प्रोजेक्ट की अखंडता को ज्यादा प्राथमिकता देते हैं। एक्टर ने कहा, हाल ही में मेरे पास एक प्रोजेक्ट आया और मैंने अपने मैनेजमेंट से उनसे 101 रुपये लेने को कहा। मुझे इसकी परवाह नहीं है, मैं अपने पूरे सामान का भुगतान करूंगा और अगर जरूरत पड़ी तो अपनी वैनिटी खुद ही ले लूंगा। अगर वैनिटी नहीं होगी तो मैं अपने पेड़ के नीचे बैठकर अपना मेकअप करवा लूंगा। मैं सिर्फ 101 रुपये लूंगाऔर उससे ज्यादा कुछ नहीं लूंगा।

टीवी चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा ली थी इमरान की कहानी

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्टर इमरान खान ने खुलासा किया कि उनकी कहानी को एक टेलीविजन चैनल के एक्जीक्यूटिव ने चुरा लिया था। एक्टर की माने तो वह 2005 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत लौटे थे, तब वह डायरेक्टर और रा-इटर बनने की ख्वाहिश रखते थे। लेकिन शुरू में एक्टिंग उनके माइंड में नहीं थी। उन्होंने अपनी कहानियों का एक फोल्डर बनाया और किसी को बताए बिना ही एक टेलीविजन चैनल को प्रस्ताव देने के लिए चले गए। इमरान खान ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को बताया, चैनल ने उनके विचारों की सराहना की, लेकिन उन्होंने फिर कभी उनसे कोई बात नहीं की। फिर एक दिन उनकी एक एक्ट्रेस दोस्त ने बताया कि उन्हें एक ऐसे रोल में कास्ट किया गया है, जिसकी कहानी उनके द्वारा पेश स्क्रिप्ट की रूपरेखा से काफी मिलती-जुलती है। एक्टर ने बताया, मैं उनसे मिलने गया और जब उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट दी, तो उसमें मेरी कहानी की रूपरेखा से काफी समानता थी।

इसलिए, उन्होंने मेरी बात मान ली और इसे एक एपिसोड बनाने के लिए विस्तारित किया। मैंने उन लोगों को फोन करके उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे कभी यह पूछने के लिए संपर्क नहीं कर सका कि आप लोगों ने क्या किया? इस एक्सपीरियंस ने न केवल इमरान खान में कुछ बदलाव किया, बल्कि उन्हें अब्बास टायरवाला से भी मिलवाया। एक्टर ने इनके साथ बाद में अपनी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना में काम किया। इमरान खान ने यह सोचकर एक फिल्म के लिए स्क्रीन टेस्ट देने का फैसला किया कि अगर वह एक एक्टर के रूप में सफल होते हैं, तो उनका नाम पहचाना जाएगा।

सलमान 18 जून से शुरू करेंगे सिकंदर की शूटिंग

बालीवुड के दंबग भाईजान यानि की सलमान खान आगामी 18 जून से अपनी अगली फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। सलमान खान को आखिरी बार स्पाई यूनिवर्स फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था। शूटिंग मुंबई में हवाई एक्शन सीक्वेंस के साथ शुरू होगी, जिसमें सलमान एक विमान में समुद्र तल से 33,000 फीट ऊपर दिखाई देंगे। फिल्म के निमार्ताओं ने सोमवार को सोशल मीडिया पर फिल्म के निर्माण के बारे में एक अपडेट साझा किया।इस फिल्म में रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्माण सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला मिल कर कर रहे हैं। इस जोड़ी ने इससे पहले किक बनाई थी, जिसका निर्देशन साजिद नाडियाडवाला ने किया था। बताया गया है कि इस फिल्म में संगीत प्रीतम देंगे। इसे साजिद की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। सिकंदर के ईद 2025 पर सिनेमाघरों में आने की संभावना है।बता दें कि एक दिन पहले ही सलमान खान ने कहा था कि जब वो बॉलीवुड पर एकतरफा राज कर रहे थे, तब उन्हें एक बेहद संजीदा फिल्म ऑफर हुई थी। लेकिन उन्होंने ये फिल्म ठुकरा दी। बाद में फिल्म जबरदस्त तरीके से हिट हुई। फिल्म रिलीज होने के कई साल बाद सलमान खान ने उस फिल्म को रिजेक्ट करने का अफसोस जताया।

लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं : जन्नत जुबैर

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस जन्नत जुबैर ने छोटे पर्दे के प्रतिष्ठित शो फुलवा में वापसी की इच्छा जताई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह चाहेंगी कि फुलवा फिर से स्क्रीन पर आए, तो जन्नत ने कहाः क्यों नहीं? ये शो काफी अच्छा है। इतने सालों बाद लोग आज भी बालिका वधू, ना आना इस देस लाडो और फुलवा के बारे में बात करते दिखाई देते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि आज भी लोग उन्हें उनके किरदार फुलवा के नाम से बुलाते हैं। उन्होंने कहा, लोग आज भी मुझे फुलवा के नाम से जानते हैं, जो इस बात का सबूत है कि यह शो आज भी कितना प्रभावशाली है। लगभग 12-13 साल हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ऐसे शो बनाए जाएंगे। लेकिन अगर फुलवा 2 या बालिका वधू 2 बनता है, तो मुझे लगता है कि प्रशंसक और लोग फिर से क्रेजी हो जाएंगे। फुलवा मध्य प्रदेश के मुरैना के पास चंबल के जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित शो था। इसमें फूलन देवी के जीवन की कहानी दिखाई गई है। कहानी भारत के एक डाकू-प्रभावित इलाके में रहने वाली एक गांव की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। जन्नत ने भारत का वीर पुत्र - महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में भी काम किया है। वह रानी मुखर्जी अभिनीत हिचकी में दिखाई दी थीं। उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 12 में भाग लिया। 2022 में उन्होंने मीडिया, मार्केटिंग और विज्ञापन श्रेणी में फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में भी जगह बनाई। बता दें कि जन्नत ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत सामाजिक नाटकों में एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जिसमें 2010 का शो काशी - अब ना रहे तेरा कागज कोरा और 2011 में प्रसारित फुलवा शामिल है।

सूडोकु नवताल- 6822

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6821 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्दजाल - 7569

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी	
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं	
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो	
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री	
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प	
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्धा	घ	रिं	
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ	
थ	वा	ई	द	ब	र्ड	डू	ए	श	सि	मी	
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र	
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि	
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र	

शब्दजाल में दस धार्मिक स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

हरिद्वार,गंगोत्री,वैष्णोदेवी,बद्रीनाथ,नासिक, केदारनाथ,अमरनाथ,ऋषिकेष,काशी, वाराणसी

शब्दजाल - 7568 का हल

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज	
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा	
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द	
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब	
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	निं	
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग	
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे	
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला	
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल	
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि	
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6522

7		5		3		1
2	39	1	29		26	
	6			2		4
4	30	2	25		34	6
1			4	5		
	30	6	39	4	35	3
	5		6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6521 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	39	1	29	6	26	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

पूर्व खेलमंत्री संदीप सिंह को आरोप मुक्त किए जाने की अर्जी पर पुलिस ने दिया जवाब, कहा- उन पर चले मुकदमा

चंडीगढ़।

महिला कोच से छेड़छाड़ मामले मे हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह की आरोप मुक्त किए जाने की अर्जी पर चंडीगढ़ पुलिस ने जिला अदालत में जवाब दिया। सेक्टर 26 थाना पुलिस ने अपने जवाब में कहा कि महिला अपने बयानों पर कायम है। उसने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दिए बयानों में संदीप सिंह पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। इसलिए इस मौके पर संदीप सिंह को केस से आरोप मुक्त नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में पुलिस ने संदीप सिंह की अर्जी को रद्द किए जाने और उनके खिलाफ आरोप तय कर मुकदमा चलाए जाने की मांग की। अब इस केस में आगे की कार्रवाई 6 जुलाई को होगी। हालांकि सुनवाई के वक्त संदीप सिंह खुद पेश नहीं हुए।

पूरी योजना बनाकर झूठे केस में फंसाया गया- संदीप सिंह - संदीप सिंह के खिलाफ सेक्टर-26 थाना पुलिस ने दिसंबर 2022 में छेड़छाड़ के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी। पूर्व मंत्री ने आरोपमुक्त किए जाने की अर्जी में कहा कि शिकायतकर्ता महिला पहले भी मामूली बातों पर कई लोगों के खिलाफ शिकायतें दे चुकी है। उनके खिलाफ छह महीने की देरी से एफआईआर हुई थी यानी पूरी योजना बनाकर उन्हें झूठे केस में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि महिला कोच की पोस्टिंग और विदेश में ट्रेनिंग जैसी मांगों को उन्होंने नहीं माना, इसलिए उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं।

क्या है ये पूरा मामला - पीड़ित महिला कोच की ओर से एडवोकेट दीपांशु बंसल अदालत में पेश हुए। उन्होंने बताया कि दो साल पहले हरियाणा खेल विभाग की एथलेटिक्स कोच ने पूर्व मंत्री पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। उसकी शिकायत पर सेक्टर-26 थाना पुलिस ने 31 दिसंबर 2022 को संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354-ए, 354-बी, 342, 506 और 509 के तहत केस दर्ज किया था। शिकायत में महिला ने बताया कि एक जुलाई 2022 को संदीप सिंह ने उसे अपने सेक्टर 7 स्थित सरकारी घर पर बुलाया। वहां उन्होंने महिला से छेड़छाड़ शुरू कर दी थी और उसके कपड़े भी फाड़ दिए।

मंत्री की बात नहीं मानी तो हो गया ट्रांसफर - एडवोकेट बंसल ने कहा कि पूर्व मंत्री संदीप सिंह ने पीड़ित के साथ दुष्कर्म की कोशिश की। वह बड़ी मुश्किल से वहां से भाग निकली। इसके बाद मंत्री ने उसे तंग करना शुरू कर दिया। यहां तक कि पीड़ित की झज्जर में ट्रांसफर कर दी गई। जिसके बाद उसने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा खेल नर्सरी योजनाः इस जिले में कुश्ती की सबसे अधिक नर्सरियां, 15 जून से फिर से होगा संचालन

सोनीपत। खेल विभाग पंचकूला ने खेल नर्सरियों की सूची जारी कर दी हैं, जिसमें जिले के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा देने के लिए 79 निजी खेल नर्सरियां आवंटित की हैं। खेल नर्सरियां फरवरी में बंद कर दी गई थीं जिसके बाद नर्सरियां एक अप्रैल से दोबारा शुरू की जानी थी, लेकिन नर्सरियां शुरू नहीं हो पाई थी। अप्रैल में नर्सरियों का दोबारा फिजिबिलिटी जांच कराई गई जिसकी रिपोर्ट के आधार पर अब जिले में खेल नर्सरियां 15 जून को शुरू कर दी जाएंगी। सभी निजी संस्थान को 15 जून से पहले ट्रायल के माध्यम से खिलाड़ियों को चयनित करके जिला खेल विभाग में सूची जमा करानी होगी। खेल नर्सरी योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को जमीनी स्तर से विश्व स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना हैं। जिसके तहत प्रदेश के हर जिले में नर्सरी खोली गई हैं।कुश्ती की सबसे अधिक नर्सरियांजिले में कुल 111 प्राइवेट व सरकारी खेल नर्सरियां आवंटित की गई हैं, जिसमें कुश्ती व कबड्डी को प्राथमिकता दी गई हैं। जिले में कुश्ती की कुल 28 नर्सरियां प्रदान की गई हैं। वहीं कबड्डी की कुल 17 खेल नर्सरियां हैं। इन संस्थानों को मिली नर्सरियां तीरंदाजी - प्रताप सिंह मेमोरियल शिक्षा संस्थान। एथलेटिक्स - मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, बिरला चिल्ड्रन्स अकादमी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव तिहाड़बागड़ू, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव जुआं को मिली। बास्केटबाल- मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोहाना, ग्राम पंचायत रुखी खास, सर छोटू राम मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रतनगढ़ ।बैडमिंटन - मलिक बैडमिंटन अकादमी, एसडी स्पोर्ट्स काम्पलेक्स ।बेसबाल - रौनक पब्लिक स्कूल गन्नौर। मुक्केबाजी - जय बालाजी स्पोर्ट्स अकादमी, मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, होली क्रास स्कूल, दिलबाग बाक्सिंग क्लबतलवारबाजी - प्रताप खेलकूद विद्यालय, खरखौदाफुटबाल - राजीव गांधी खेल परिसर गांव राजलू गढ़ी, डिलाइट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव जागसी (लड़की), गांव मुरथल ।जिम्नास्टिक्स - मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत ।हैंडबाल - राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बुटाना, राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माडल टाउन सोनीपत ।हाकी - मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, राई, महेंद्रा मेमोरियल स्पोर्ट्स क्लब गांव खेवड़ा, हाकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हाकी सोसाइटी, दीनबंधू सर छोटूराम अकादमी गांव पिनाना ।जूडो - विद्या महासभा कन्या गुरुकुल। कबड्डी - जय बाबा प्रेम दास कबड्डी अकादमी, भैंसवाल कलां, द आर्यन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बारू राम स्टेडियम, चौ. मांगेराम स्पोर्ट्स कबड्डी सोसाइटी, आदर्श युवा खेल व विकास समिति गांव नाहरी, राजीव गांधी खेल परिसर गांव खानपुर कलां, मिनी स्टेडियम गांव गिवाना, शास्त्री खेल समिति गांव माहरा, खेल स्टेडियम ग्राम पंचायत छतेहरा, राजीव गांधी खेल परिसर गांव पुरखास धीरान, बेस अकादमी फॉर गर्ल्स स्पोर्ट्स, अनूप खेल विलेज, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव गुमड़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव कोहला ।लान टेनिस - मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय ।शूटिंग - जिला शूटिंग रेंज सोनीपत, मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय, जन चेतना स्पोर्ट्स व वेलफेयर सोसाइटी।

शहजाद ने बाबर आजम पर सवाल उठाये, निचले स्तर की टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को भ्रम में डाला

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी खराब

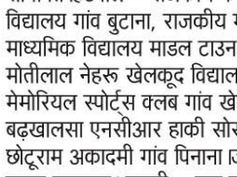

कप्तानी के कारण पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें कप्तानी छोड़कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है। विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका जैसी नई टीम से हारने के बाद से ही आजम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी। वहीं भारत से हार के बाद तो उनके आलोचक और मुखर हो गये हैं। पाक टीम को कनाडा के खिलाफ मिली जीत के दौरान भी खासा संघर्ष करना पड़ा है और उसपर सुपर आठ से बाहर होने की तलवार लटकी हुई है। इसी सब के बीच ही बल्लेबाज अहमद शहजाद ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया है। शहजाद का कहना है कि ऐसे किंग का क्या किया जाये जो किसी काम का नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ अहम मुकाबले में जीत के करीब पहुंचने के बाद भी पाक टीम के खिलाड़ी दबाव नहीं झेल पाए और ऐसे अहम मैच में कप्तान बाबर एक अच्छा स्कोर नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी मैच में बेहद लचर नजर आयी। शहजाद ने कहा कि अगर बाबर टीम के लिए मैच नहीं जीत सकते तो ऐसे किंग का कोई फायदा नहीं है। शाहजाद ने एक शो के दौरान कहा कि उन्होंने निचले स्तर की बी, सी और डी टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को गुमराह किया है। खेल को विकसित करने के लिए पीसीबी ने उनका वेतन बढ़ाया था।

भारत की जीत से पाक को फायदा : अमेरिका के हारने से सुपर-8 का रास्ता खुला, अब आयरलैंड से उम्मीदें

नई दिल्ली ।

भारत ने अमेरिका के खिलाफ अपना पहला क्रिकेट मैच 7 विकेट से जीत लिया है। इसी के साथ टीम टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 राउंड में पहुंच गई। अमेरिका की हार से पाकिस्तान के अगले राउंड में पहुंचने की उम्मीदें कायम हैं। हालांकि, अब भी पाकिस्तान को आखिरी मैच जीतने के साथ अमेरिका के अगले मैच में आयरलैंड से हारने की दुआ भी करनी होगी। टीम इंडिया सुपर-8 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी। वहीं ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया, ग्रुप-डी से साउथ अफ्रीका और ग्रुप-सी से वेस्टइंडीज भी अगले राउंड में पहुंच चुकी हैं।

भारत की जीत से पाकिस्तान का फायदा कैसे हुआ - ग्रुप-ए में मंगलवार तक भारत और अमेरिका के 4-4 पॉइंट्स थे। बुधवार को भारत ने मैच जीता और 6 पॉइंट्स हासिल कर सुपर-8 में जगह बना ली। अमेरिका का आखिरी मैच आयरलैंड से 14 जून को होगा। अमेरिका अगर इसमें भी हार गया तो टीम 4 पॉइंट्स पर रुक जाएगी और इससे पाकिस्तान को फायदा होगा। पाकिस्तान के 2 हार और एक जीत से 2 ही पॉइंट्स हैं। टीम का आखिरी मैच आयरलैंड से 16 जून को होगा। इसे जीतने पर पाकिस्तान के भी अमेरिका के बराबर 4 पॉइंट्स हो जाएंगे। इस कंडीशन में बेहतर रन रेट वाली सुपर-8 में पहुंचेगी। पाकिस्तान का मैच अमेरिका के बाद होगा, इसलिए उन्हें पता होगा कि क्वालिफाई करने के लिए किस अंतर से जीत चाहिए।

ग्रुप-ए में बाकी टीमों की स्थिति क्या है

कनाडा को बड़े अंतर से जीतना होगा मैचः कनाडा को अमेरिका और पाकिस्तान ने हराया, लेकिन टीम ने आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की। इससे उनके खाते में 2 पॉइंट्स हैं। टीम का आखिरी मैच भारत से है, इसमें जीत मुश्किल होगी, लेकिन क्वालिफाई करना है तो कनाडा को बड़े अंतर से जीतना ही होगा।

आयरलैंड को दोनों मैच जीतने ही होंगेः आयरलैंड को शुरुआती 2 मैच भारत और कनाडा ने हरा दिए। उनके 2 मैच अमेरिका और पाकिस्तान से बाकी हैं, टीम को सुपर-8 में पहुंचना है तो दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने ही होंगे।

ग्रुप-बी में किस टीम को क्या करना होगा

ऑस्ट्रेलिया सुपर-8 में पहुंचाः ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया, इंग्लैंड और ओमान को हराकर सुपर-8 में जगह बना ली। टीम के 6 पॉइंट्स हैं। उनका आखिरी मैच स्कॉटलैंड से है, इसे जीतकर टीम ग्रुप-बी में टॉप पर फिनिश करेगी।

स्कॉटलैंड को एक जीत चाहिएः स्कॉटलैंड का इंग्लैंड के खिलाफ मैच बेनतीजा रहा, टीम ने नामीबिया और ओमान को बड़े अंतर से हरा दिया। इससे टीम के 5 पॉइंट्स हो गए। उनका आखिरी मैच 16 जून को ऑस्ट्रेलिया से होगा। इसे जीतकर टीम सुपर-8 में पहुंच जाएगी, लेकिन हारने पर भी क्वालिफाई करने की उम्मीदें बनी रहेंगी। उन्हें बस अपनी हार का अंतर कम रखना होगा।

नामीबिया की उम्मीदों को झटकाः नामीबिया ने ओमान को हराया, लेकिन स्कॉटलैंड से जीत नहीं सके। टीम ऑस्ट्रेलिया से हार कर सुपर-8 की रेस से बाहर हो गई। उनका आखिरी मैच इंग्लैंड से बाकी है।

इंग्लैंड को बड़े अंतर से जीतने होंगे दोनों मैचः डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड का पहला मैच स्कॉटलैंड से बेनतीजा रहा, वहीं ऑस्ट्रेलिया से टीम को हार मिली। अब इंग्लैंड के 2 मैच नामीबिया और ओमान से बाकी हैं, टीम दोनों मैच जीतकर भी 5 पॉइंट्स तक ही पहुंचेगी। यहां से उन्हें क्वालिफाई करने के लिए अपना रन रेट स्कॉटलैंड से बेहतर रखना होगा, इसलिए उन्हें आखिरी दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने ही होंगे।

ओमान ग्रुप स्टेज से बाहरः ओमान 3 मैच हार कर ग्रुप स्टेज से बाहर हो चुका है। उन्हें नामीबिया, स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने हराया। टीम का आखिरी मैच इंग्लैंड से बाकी है, इसे जीतकर भी टीम क्वालिफाई नहीं कर पाएगी, हालांकि इससे इंग्लैंड जरूर बाहर हो सकता है।

ग्रुप-सी में किस टीम को क्या करना होगा

वेस्टइंडीज की टीम सुपर-8 के लिए क्वालिफाईः होम टीम वेस्टइंडीज ने युगांडा, पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड को शुरुआती 3 मैच हराकर 6 पॉइंट्स हासिल कर लिए। टीम खेले गए मैच में न्यूजीलैंड को हराकर सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर ली। विंडीज को ग्रुप स्टेज में अब केवल एक मैच अफगानिस्तान के खिलाफ 18 जून को खेलना है।

अफगानिस्तान को 2 जीत चाहिएः अफगानिस्तान ने अपने कैंपेन का धमाकेदार आगाज किया और शुरुआती 2 मैच युगांडा और न्यूजीलैंड को बड़े अंतर से हरा दिए। टीम के 2 मैच वेस्टइंडीज और पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ हैं। दोनों मैच जीतकर टीम 8 पॉइंट्स के साथ क्वालिफाई कर जाएगी। एक भी मैच जीतकर टीम 6 पॉइंट्स के साथ उम्मीदों को जिंदा रखेगी।

युगांडा को बड़े अंतर से जीतना होगाः युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को एक मैच हराया, लेकिन वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान से टीम हार गई। उनका एक मैच न्यूजीलैंड से बाकी है, यहां जीत मुश्किल है, लेकिन टीम को क्वालिफाई करना है तो बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी ही होगी।

पापुआ न्यू गिनी को जीतने होंगे दोनों मैचः टीम ने वेस्टइंडीज और युगांडा के खिलाफ 2 मैच गंवा दिए। अब उनके 2 मैच अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड से बाकी हैं, दोनों मैच जीतना मुश्किल हैं, लेकिन क्वालिफाई करना है तो दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

न्यूजीलैंड रेस से लगभग बाहरः न्यूजीलैंड के लिए सुपर-8 में पहुंचना लगभग नामुमकिन हो गया है। थोड़े बहुत चांस टीम के अगले स्टेज में पहुंचने के हैं, लेकिन इसके लिए कीवी टीम को पहले तो अपने दोनों मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे और फिर बाकी टीमों के रिजल्ट पर निर्भर रहना होगा। उसे 14 जून को युगांडा और 17 जून को पापुआ न्यू गिनी से भिड़ना है।

पेरिस ओलंपिक में नडाल-अल्काराज की जोड़ी युगल में खेलेगी, स्वर्ण पर साधेंगे निशाना

मैड्रिड।

महान टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन घोषणा की कि नडाल-अल्कारेज ओलंपिक में युगल में खेलेंगे।

फेडरेशन ने यह घोषणा 21 वर्षीय अल्कारेज के पहली बार फ्रेंच ओपन चैंपियन बनने के तीन दिन बाद की है। अल्कारेज को नडाल का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। नडाल उनके बचपन के हीरो रहे हैं। नडाल न सिर्फ 22 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं बल्कि 2008 के बीजिंग ओलंपिक में उन्होंने एकल का स्वर्ण और 2016 के रियो ओलंपिक में मार्क लोपेज के साथ मिलकर युगल का स्वर्ण जीता था।

अल्काराज ने हाल ही में बनाया था रिकॉर्ड - स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने यहां पुरुष एकल के फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों के कड़े मुकाबले में हराकर फ्रेंच ओपन का एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। अल्काराज ने यह मुकाबला 6-3, 2-6, 5-7, 6-1, 6-2 से अपने नाम किया। साल 2022 से अल्काराज ने प्रत्येक वर्ष एक ग्रैंडस्लैम की ट्रॉफी जीती है। यह अल्काराज का तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब रहा। इससे पहले 21 वर्षीय अल्काराज ने 2022 में यूएस ओपन और 2023 में विंबलडन जीता था। अल्काराज ने 11 एटीपी टूर खिताब जीते हैं। 21 वर्षीय अल्काराज तीन अलग-अलग ग्रैंडस्लैम (सतह) को जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं और उन्होंने हमवतन राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया। नडाल 14 बार के फ्रेंच ओपन विजेता हैं। फ्रेंच ओपन में खेलने से पहले अल्कारेज चोट के कारण तीन सप्ताह तक नहीं खेल पाए थे। ज्वेरेव दूसरी बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में हारे हैं। इससे पहले उन्हें 2020 यूएस ओपन के फाइनल में शिकस्त मिली थी।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को हरा कर सुपर 8 में बनाई जगह

त्रिनिदाद।

शेरफेन रदरफोर्ड की नाबाद 68 रन की पारी और अल्जारी जोसेफ के चार विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 13 रन से हराकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ में जगह बना ली है। धाकड़ ऑलराउंडर से सजी वेस्टइंडीज की टीम ने ग्रुप-सी में तीनों मैच जीते हैं और अब उसका सामना ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में अफगानिस्तान से होगा। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड लगातार दो हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 136 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 30 रन के अंदर टीम ने अपने 5 विकेट खो दिए, लेकिन छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए शेरफेन रदरफोर्ड ने पारी को संभाला और स्कोर 149 तक पहुंचाया। रदरफोर्ड ने नाबाद 68 रन बनाए। उनके अलावा निकोलस पूरन ने 17, अकील होसैन ने 15, आंद्रे रसेल ने 14 और रोमारियो शेफर्ड ने 13 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 3 विकेट झटके। टिम साउथी और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2-2 विकेट लिए। जेम्स नीशम और मिचेल सेंटनर को 1-1 विकेट मिला। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही। हालांकि, फिन एलन ने एक छोड़ संभाले रखा लेकिन वो भी 26 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने आए ग्लेन फिलिप्स ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट झटके। वहीं मोती ने 3 विकेट लिए। आंद्रे रसेल और अकील होसेन को 1-1 विकेट मिला।

इस फुटबॉल क्लब से खेलते हुए करियर खत्म करेंगे मेसी, अपने सबसे बड़े डर का भी किया खुलासा

न्यूयॉर्क।

दुनिया के महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने कहा है कि वह अपने करियर का अंत अपने मौजूदा क्लब इंटर मियामी में रहते हुए ही करेंगे। इसके अलावा उन्होंने अपने सबसे बड़े डर का भी खुलासा किया है। साथ ही यह भी बताया है कि वह फुटबॉल में अपना करियर खत्म होने के बाद क्या करेंगे। मेसी का इंटर मियामी से 2025 तक का अनुबंध है। इंटर मियामी मेजर लीग सॉकर का हिस्सा है। इसके बाद वह अपने कॉन्ट्रैक्ट को आगे बढ़ाएंगे या नहीं इसको लेकर अब तक उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है। ऐसा माना जा रहा है कि 2025 उनके करियर का आखिरी साल हो सकता है। मेसी ने 2022 में अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप का खिताब दिलाया था। अभी भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक होने के बावजूद मेसी ने स्वीकार किया कि उनके करियर का अंत निकट आ रहा है। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फुटबॉल क्लब का यह पूर्व स्टार इस महीने के अंत में 37 वर्ष का हो जाएगा। मेसी ने ईएसपीएन अर्जेंटीना के साथ एक अपनी भावनाओं और योजनाओं को साझा किया। मेसी ने ईएसपीएन अर्जेंटीना से कहा, मैं फुटबॉल छोड़ने के लिए

तैयार नहीं हूं। मैंने अपने पूरे जीवन में यही किया है। मैं ट्रेनिंग सेशन और मैच का आनंद लेता हूं। यह डर हमेशा बना रहता है कि सब कुछ खत्म हो जाएगा। मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होने जा रहा है। मेसी का करियर असाधारण रहा है। अर्जेंटीना के इस दिग्गज खिलाड़ी ने कई बार चैंपियंस लीग जीती है, साथ ही स्पेन और फ्रांस में लीग खिताब हासिल किए हैं। सबसे खास बात यह है कि अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका और विश्व कप में जीत दिलाई है। मेसी की ट्रॉफी कैबिनेट भी उतनी ही प्रभावशाली है, जो उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में मान्यता देने वाले कई बैलन डीओर पुरस्कारों से सुसज्जित है। जैसे-जैसे वह रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे हैं, मेसी के विचारों से वैश्विक आइकन के मानवीय पक्ष का पता चलता है। उन्होंने स्वीकार किया, यह डर कि सब कुछ खत्म हो जाएगा, यह हमेशा बना रहता है। इससे पता चलता है कि महान खिलाड़ियों को भी किसी न किसी डर से गुजरना पड़ता है। उनके शब्द उन भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक चुनौतियों को दर्शाते हैं जिनका सामना महानतम खिलाड़ियों को भी करना पड़ता है।

पीसीबी ने रखा 19 फरवरी से शुरुआत का प्रस्ताव, भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल किया खारिज

लाहौर।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 19 फरवरी से शुरुआत करने का प्रस्ताव रखा है, जो पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी। साथ ही उसने एशिया कप 2023 की तरह भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रस्ताव के मुताबिक, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 19 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक आयोजित की जाएगी। सभी मैच तीन प्रमुख शहरों कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाएंगे। पीसीबी के सूत्रों के मुताबिक, इस आयोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए पाकिस्तान आए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताया है। पीसीबी ने भारत के मैचों के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने से

इनकार कर दिया है। पीसीबी का कहना है कि सभी मैच पाकिस्तान में खेले जाने चाहिए। ये उम्मीद की जा सकती है कि इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का फैसला काफी विचार विमर्श के बाद आ सकता है। पिछले एशिया कप 2023 के दौरान भारत के मैचों को श्रीलंका में ट्रांसफर कर दिया गया था। हालांकि, इस बार पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के चयन के लिए तैयार नहीं है। पाकिस्तान चाहता है कि भारत समेत सभी मैच देश में ही खेले जाएं। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा, हमने हाइब्रिड मॉडल नहीं चुना है। हालांकि, हमने यह सुविधा दी है कि भारत के मैच लाहौर में ही खेले जा सकते हैं। इस तरह, टीम को पाकिस्तान के शहरों में इधर-उधर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी और लाहौर में टीम की सुरक्षा अच्छी तरह से बनाए रखी जा सकेगी। सूत्र के अनुसार, भारतीय क्रिकेट टीम पूरे टूर्नामेंट के दौरान लाहौर में रह सकती है। इससे सुरक्षा संबंधी कठिनाई कम हो जाएंगी और टीम को एक शहर से दूसरे शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय टीम के लिए विशेष व्यवस्था मैचों में हिस्सा लेने के लिए आसान और ज्यादा सुविधाजनक विकल्प दे सकती है, क्योंकि ये मैच एक ही शहर में खेले जाएंगे। पीसीबी सूत्र ने कहा, लाहौर से वाघा बॉर्डर का करीब होना भारतीय फैंस के लिए ज्यादा सुविधाजनक रहेगा। हालांकि, सवाल यह है कि क्या भारत इस आयोजन को स्वीकार करेगा और इसमें हिस्सा लेगा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, कराची में कम से कम तीन मैच खेले जाएंगे। इसमें उद्घाटन और सेमीफाइनल मैच शामिल है। लाहौर में फाइनल समेत कम से कम सात मैच खेले जाएंगे। रावलपिंडी में कम से कम पांच मैच खेले जाएंगे, जिसमें एक सेमीफाइनल भी शामिल है।

भारतीय पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप में जीत से की शुरुआत

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने एशियाई टीम स्क्वाश चैंपियनशिप 2024 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारत ने दोनों वर्गों में जीत के साथ आगाज किया। चोटिल अभय सिंह के बिना

खेल रही पुरुष टीम ने अनुभवी वेलावन सेंथिलकुमार की अगुआई में कुवैत को 2-1 से हराया। रतिका एस सीलान की अगुआई में महिला टीम ने मकाउ को 2-1 और मंगोलिया को 3-0 से शिकस्त दी। पुरुष वर्ग में सेंथिलकुमार ने कुवैत के अथबी हमाद को 11-4, 11-5, 11-4 से हराया, लेकिन राहुल भाटिया को मोहम्मद अल्खानफिर के खिलाफ 8-11, 12-10, 8-11, 11-9, 2-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। सूरज कुमार चंद ने बदर अलमोघरेबी को 11-6, 11-7, 11-6 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। महिलाओं के वर्ग में मकाउ के खिलाफ रतिका ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाते हुए ल्यु क्वाई ची को 11-4, 11-4, 11-5 से हराया। पूजा आरती रघु को येउंग वेंग ची के खिलाफ 6-11, 5-11, 2-11 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन जेनेट विधि ने येउंग वेई वेंग को 11-9, 6-11, 14-12, 11-9 से हराकर भारत को जीत दिलाई। मंगोलोलिया के खिलाफ रतिका, पूजा और सुनिता पटेल ने जीत दर्ज करते हुए भारत की 3-0 से जीत सुनिश्चित की।

जानें क्या है मयूरासन और इसके लाभ

मयूरासन यानी मयूर की तरह किया जाने वाला आसन। योगा में यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है। इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है। मयूरासन के भी कई लाभ हैं। लेकिन सवाल ये उठता है कि मयूरासन कैसे किया जाए। मयूरासन के लाभ क्या हैं। मयूरासन करने की विधि क्या है। मयूरासन कब करना चाहिए। इत्यादि सवालों के जवाब जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि मयूर आसन क्या है।

मयूरासन करने की विधि

मयूरासन खुली हवादार जगह में करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और आगे की ओर झुके। आगे झुकते हुए दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर नाभि पर लगाकर जमीन पर सटा लें। इसके बाद अपना संतुलन बनाते हुए घुटनों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें। अब आपका शरीर पूरी सीध में है और सिर्फ आपके हाथ जमीन से सटे हुए हैं। इस आसन को करने के लिए शरीर का संतुलन बनाए रखना जरूरी है जो कि पहली बार में संभव नहीं। यदि आप रोजाना मयूर आसन का अभ्यास करेंगे तो आप निश्चित तौर पर आसानी से इसे कर पाएंगे।

मयूरासन के दौरान सावधानी

मयूरासन करते हुए बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है, इसीलिए आप जब भी मयूरासन करें तो किसी योग एक्सपर्ट की देखरेख में करें या फिर पहले इस आसन को करने की विधि को अच्छी तरह से जानें। तभी आप मयूर आसन को सही तरह से कर पाएंगे और इसका भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

मयूरासन के लाभ

- मयूरासन के कई लाभ है। आमतौर पर मयूरासन से गुर्दे, अग्नाशय और आमाशय के साथ ही यकृत इत्यादि को बहुत लाभ होता है।
- चेहरे पर चमक लाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। मयूरासन करने से हाथ, पैर व कंधे की मांसपेशियों में मजबूती आती है। जिन लोगों को बहुत अधिक कब्ज रहती है उनके लिए मयूरासन से बढ़िया कोई उपाय नहीं। मधुमेह के रोगियों के लिए भी यह आसन लाभकारी है।
- यदि आपको आंखों संबंधी कोई समस्या है तो उसका निदान भी मयूरासन से किया जा सकता है।
- पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। यदि आपको पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस बनना, पेट में दर्द रहना, पेट साफ ना होना इत्यादि होता है तो आपको मयूरासन करना चाहिए।
- सामान्य रोगों के अलावा मयूर आसन से आंतों व अन्य अंगों को मजबूती मिलती है। मयूरासन से आमाशय और मूत्राशय के दोषों से मुक्ति मिलती है।

किसे नहीं करना चाहिए

- आमतौर पर मयूरासन उन लोगों को करने के लिए मना किया जाता है जो उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं।
- टी.बी यानी तपेदिक के मरीजों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए।
- हृदय रोग या हार्ट की बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए। अल्सर और हर्निया रोग से पीड़ित लोगों को भी मयूरासन करने से बचना चाहिए।

हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां, लेकिन फिर भी कम निकले... आज युवाओं की कई ख्वाहिशें हैं। खासतौर पर युवा आजादी चाहता है। आज के दौर में युवाओं की सोच में क्रांति और आजादी की बातें उभरकर सामने आ रही हैं। आखिर देश का युवा किन बातों से आजादी चाहता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

हर ख्वाहिश पर दम निकले...

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सात महीने में तीसरी बार भारत की विजिट पर आए हैं। वे सोमवार को दिल्ली में माइक्रोसॉफ्ट के इवेंट में ऐड्रेस करने पहुंचे। गालिब के शेर से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया को देखने का नजरिया बदल लेते हैं, तो आप दुनिया को भी बदल पाते हैं। एक वाकये का जिक्र करते हुए सत्या ने गालिब का शेर पढ़ा-**हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां मगर फिर भी कम निकले।** उनके इस अंदाज पर काफी देर तक हाल तालियों से गूंजता रहा। उन्होंने गालिब का यह शेर जिस भी संदर्भ में सुनाया हो लेकिन यह शेर आज के दौर में देश के युवाओं के लिए कुछ खास है। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी बसती है। इस देश में करीब 30.56 करोड़ युवा बसते तो हैं लेकिन शायद बहुत कम युवाओं की ख्वाहिशें पूरी हो पाती हैं। यहां हम युवाओं की व्यक्तिगत ख्वाहिशों की बात नहीं कर रहे। यहां युवाओं की समग्र ख्वाहिशें हैं। आज देश का युवा आजादी चाहता है। यही उसकी ख्वाहिश है। आइए देखते हैं किन मुद्दों से भारतीय युवा को आजादी चाहिए...

जबरन करियर से आजादी

देश के ज्यादातर युवा इस मुश्किल से जूझ रहे हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचते ही उन पर करियर को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी जाती है और आखिर में उन पर जबरन कुछ भी थोप दिया जाता है। ज्यादातर मां-बाप बच्चे की ख्वाहिश पूछे बिना ही उसे इंजीनियर या डॉक्टर बनने के लिए मजबूर करते हैं।

ऑनर किलिंग से आजादी

देश के कई हिस्सों में खाप जैसी पंचायतों के तुगलकी फरमान युवाओं की इच्छा के आड़े आते हैं। खास तौर पर हरियाणा में खाप का असर ज्यादा है। जहां जरा सी बात पर लोग आत्म सम्मान के नाम पर युवक-युवतियों को मार देते हैं। कई मामलों में लड़के लड़की दोनों की हत्या कर दी कई। समलैंगिकता, प्रेम विवाह, अपनी मर्जी से लड़का या लड़की चुनना ये सारी बातें खाप के नियमों के खिलाफ मानी जाती हैं, जिनसे मुक्ति जरूरी है। यही नहीं, पुलिस भी ऐसे कामों में तुगलकी फरमान सुनाती है।

लिंग भेद से आजादी

लिंग भेद से आजादी ऐसी आजादी है जिसके लिए हर लड़की जन्म लेने के साथ ही लड़ना शुरू कर देती है। घर में ज्यादा तवज्जो न मिलने से लेकर अपनी मर्जी के कपड़े न पहन पाने तक, लड़कियों को कई सारी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। यहां तक कि शादी करने में भी उनकी पसंद का ख्याल नहीं रखा जाता।

अपने नजरिये की आजादी

लोकतंत्र में रहने के चलते हर किसी को अपना नजरिया रखने की आजादी होनी चाहिए लेकिन भारत ऐसा देश है जहां अपनी बात रखना आपके लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया ने इस वॉर को और बढ़ाया है। भीड़ से अलग हटकर अगर आप अपना नजरिया पेश करते हैं तो किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसके समर्थकों के शिकार बन जाते हैं।

सुरक्षा की चिंता से आजादी

हर मां-बाप अपने बच्चे को सुरक्षित देखना चाहते हैं लेकिन वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि घर की चारदीवारी में कैद करके बच्चों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। खासकर लड़कियों के मामले में परिजन ज्यादा सख्त होते हैं। उनके घर से निकलने और घर लौटने के समय को लेकर वो ज्यादा चिंतित होते हैं क्योंकि उन्हें उत्पीड़न, अपहरण या हत्या जैसी वारदातों का डर सताता रहता है।

इस्तेमाल होने से आजादी

हर युवा अपने उज्ज्वल जीवन की ख्वाहिश रखता है। युवा जब देखता है कि केवल योग्यता और ईमानदारी से कार्य संभव नहीं, तो कुंठाग्रस्त होकर गलत रास्तों पर चल पड़ता है। निश्चित तौर पर ऐसे में ही समाज के दुश्मन उनकी भावनाओं को भड़काकर व्यवस्था के विरूद्ध विद्रोह के लिए प्रेरित करते हैं, फलतः अपराध और आतंकवाद का जन्म होता है। युवाओं को मताधिकार तो दे दिया गया है पर उच्च पदों पर पहुंचने और निर्णय लेने के उनके स्वप्न को दमित करके उनका इस्तेमाल नेताओं द्वारा सिर्फ अपने स्वार्थ में किया जा रहा है।

सब्ज-बाग से आजादी

आज का युवा संक्रमण काल से गुजर रहा है। वह अपने बलबूते आगे तो बढ़ना चाहता है, पर परिस्थितियां और समाज उसका साथ नहीं देते। चाहे वह राजनीति हो, फिल्म व मीडिया जगत हो, शिक्षा हो, उच्च नेतृत्व हो- हर किसी ने उसे सुखद जीवन के सब्ज-बाग दिखाए और फिर उसको भंवर में छोड़ दिया। ऐसे में पीढ़ियों के बीच जनरेशन गैप भी बढ़ा है। समाज की कथनी-करनी में भी जमीन आसमान का अंतर है। एक तरफ वह सभी को डिग्रीधारी देखना चाहता है, पर उन सभी हेतु रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाता। नतीजन- निर्धनता, महंगाई, भ्रष्टाचार इन सभी की मार सबसे पहले युवाओं पर पड़ती है। इसी प्रकार व्यावहारिक जगत में आरक्षण, भ्रष्टाचार, स्वार्थ, भाई-भतीजावाद और कुर्सी की लालसा जैसी चीजों ने युवा हृदय को झकझोर दिया है।

दोहरेपन से आजादी

इसमें कोई शक नहीं कि युवा वर्ग ही भावी राष्ट्र की आधारशिला रखता है, पर दुःख तब होता है जब समाज युवाओं में भटकाव हेतु युवाओं को ही दोषी ठहराता है। क्या समाज की युवाओं के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं? जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्ति जब सार्वजनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का सरेआम क्षरण करते नजर आते हैं, तो फिर युवाओं को ही दोष क्यों? एक व्यक्ति द्वारा अटपटे बयान देकर या किसी युवती द्वारा अर्धनग्न पोज देकर जो नाम हासिल किया जा सकता है, वह दूर किसी गांव में समाज सेवा कर रहे युवा को तभी मिलता है जब उसे किसी अंतराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जाता है। आखिर ये दोहरापन क्यों?

दोषारोपण से आजादी

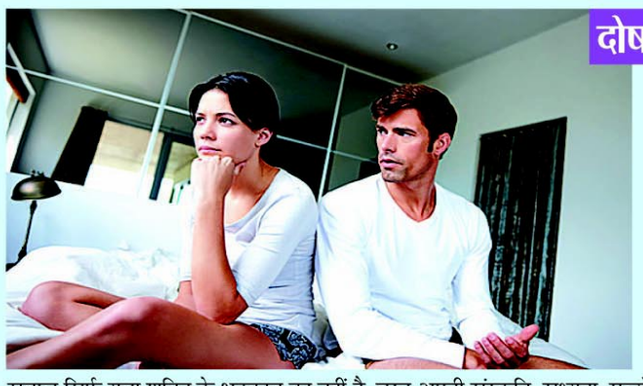

युवा व्यवहार मूलतः एक शैक्षणिक, सामाजिक, संरचनात्मक और मूल्यपरक समस्या है जिसके लिए राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सभी कारक जिम्मेदार हैं। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों को भी जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए, सिफ4 युवाओं को दोष देने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि सवाल सिर्फ युवा शक्ति के भटकाव का नहीं है, वरन अपनी संस्कृति, सभ्यता, मूल्यों, कला एवम् ज्ञान की परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का भी है। युवाओं को भी ध्यान देना होगा कि कहीं उनका उपयोग सिर्फ मोहरों के रूप में न किया जाय।

आधा घंटा बंद रखें स्मार्टफोन...

आज के दौर में स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गया है। सभी युवाओं के पास स्मार्टफोन मौजूद हैं। इसके कई फायदे भी हैं। स्मार्टफोन से न सिर्फ हमें जरूरी जानकारियां मिल जाती हैं, बल्कि यह मित्रों को भी हमारे साथ जोड़े रखने का काम करता है। स्मार्ट फोन की कई खूबियों के बारे में तो हम जानते भी नहीं हैं। वहीं इस स्मार्ट फोन के कुछ नुकसान भी हैं। स्मार्टफोन के जानकारों का कहना है कि अगर स्मार्ट फोन को दिन में आधे घंटे भी बंद रखा जाए तो इससे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं फायदों के बारे में बता रहे हैं।

दिमाग को मिलेगा रेस्ट

दिमाग असल में कई कामों को करने में व्यस्त रहता है। इन कामों को करने में वह तेजी से थकता है। ऐसे में आप अपना स्मार्ट फोन करीब आधा घंटा बंद रख सकते हैं। इससे आपके दिमाग को भी रेस्ट मिलेगा और वह भी तेजी से काम कर सकेगा।

ओवरहीटिंग से बचेगा

कई बार हमारा स्मार्ट फोन ओवरहीट हो जाता है। इसके हीट होने के वैसे तो और भी कई कारण हो सकते हैं। आपका फोन जब भी ओवरहीट हो जाए ऐसी स्थिति में आपको इसे कुछ देर के लिए बंद कर देना चाहिए। यही आपके पास पहला विकल्प है। इसके बाद इसकी समस्या को कहीं पर दिखा लीजिए।

समाधान जल्दी

हर समय फोन से चिपके रहने से दिमाग कई तरह की समस्या का समाधान सही तरीके से नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में फोन से थोड़े समय की दूरी बनाना आपके लिए हर समस्या का हल ढूंढने के लिए बेहतर हो सकता है। ब्रेन को आराम मिलने से यह सही ढंग से काम करने के काबिल हो जाता है।

काम में लगता है मन

एक रिसर्च में पाया गया है कि करीब 61 प्रतिशत लोग हर समय नोटिफिकेशन देखते रहते हैं। नोटिफिकेशन न आने की स्थिति में भी लोगों को लगता है कि कोई नोटिफिकेशन आया है। ऐसे में वह व्यक्ति अपने काम पर फोकस नहीं कर पाता। स्मार्ट फोन को बंद करने से काम पर फोकस हो पाता है और वह अच्छी तरह से किया जाता है।

रीबूट करने का फायदा

स्मार्टफोन कई बार हैंग होने लगता है। कई सारी ऐप्स बैकग्राउंड पर चलने से और मैमोरी ज्यादा यूज होने के कारण फोन हैंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में आप अपना फोन रीबूट कर सकते हैं। रीबूट करने से फोन दोबारा से सही चलने लगता है।

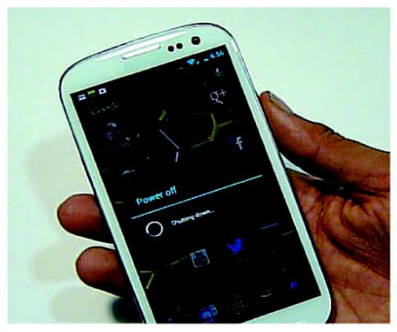

दाढ़ी मूंछ के भी हैं ढेरों फायदे

आप विश्वास नहीं करेंगे लेकिन वैज्ञानिक तक मान चुके हैं कि दाढ़ी रखने से त्वचा का कैंसर नहीं होता। दरअसल सूर्य की अल्ट्रावाइलेट किरणें स्किन कैंसर का कारण बनती है। शोध के मुताबिक लोग दाढ़ी रखते हैं वे 90 फीसदी तक यूवी किरणों से अपने आपको बचाने में कामयाब रहते हैं। है ना स्किन कैंसर से बचने का बढ़िया उपाय। क्लीन शेव लोगों की तुलना में दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोगों को अस्थमा और एलर्जी की शिकायत कम होती है। दरअसल प्रदूषित होते वातावरण में दाढ़ी मूंछ धूल और प्रदूषण को सीधे चेहरे और मुंह के संपर्क में नहीं आने देती। दाढ़ी और मूंछ के बाल छलनी की तरह काम करके प्रदुषित कणों को रोक लेते हैं। ये ठीक वही काम करती है जो आंखों के लिए पलक और नाक के बाल करते हैं। दाढ़ी मूंछ रखने वालों की स्किन आमतौर पर ड्राई नहीं मिलेगी। दरअसल दाढ़ी मूंछ होने से चेहरे पर रोजमर्रा की फेसक्रीम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। दाढ़ी मूंछ चेहरे को जवान बनाए रखते हैं क्योंकि इससे त्वचा पर नमी बनी रहती है। दाढ़ी मूंछ रखने वाले लोग चेहरे से आमतौर पर जवान दिखते हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी मूंछ उनके चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों को छिपा लेती हैं। रोज रोज शेव करने से स्किन कटने फटने का डर रहता है और त्वचा पर संक्रमण का भी खतरा रहता है लेकिन दाढ़ी मूंछ रखने से ये झंझट और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता।

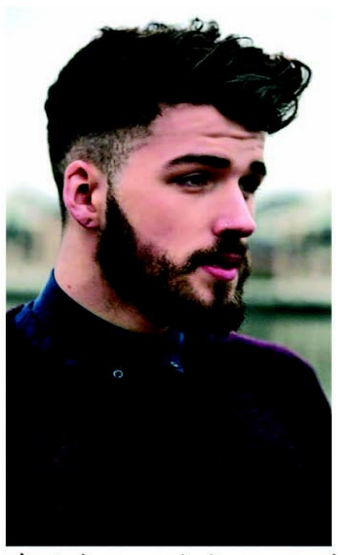

ऑनलाइन रहना क्यों पसंद...?

इंटरनेट के माध्यम से अब दुनिया के किसी भी भाग से आसनी से संपर्क बनाया जा सकता है। लोग अब घर बैठे ही दुनियाभर में अपने दोस्त बनाने लगे हैं, और ऑनलाइन रहकर ही प्यार ,डेटिंग, और शादी के लिए जोड़े भी खोजे जाने लगे हैं। ऑनलाइन दोस्ती के बहुत से नुकसान भी होते हैं, जैसे आप जिससे दोस्ती कर रहें हैं वह वास्तव में अपने बारे में सारी बातें सच बता रहा है, या आपको धोखा देने के मकसद से झूठी बातें बता रहा है। आप उसे सामने से नहीं देख सकते इसलिए आप उसकी वास्तविकता भी नही जान सकते हैं। ऑनलाइन चैटिंग से होने वाले इन नुकसानों के बावजूद क्यों हम इसका इस्तेमाल करना जारी रखते हैं?

गुप्त नाम का फायदा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है नाम को गुप्त रखने की आजादी। आप किसी भी नाम और किसी भी फोटो के साथ अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, कम्प्यूटर यह नहीं समझ पायेगा कि, आप झूठ बोल रहे हैं। आप किसी से या हर किसी से बात कर सकते हैं, और आपके वास्तविक जीवन की बुराई या कमियां जैसे, आपकी क्या हैसियत है ,और आप की योग्यता आदि कुछ भी हो, कोई फर्क नही पड़ता।

दुनियाभर में पहुंच

बहुत से देशों में जहां लड़के लड़कियां आपस में मिल कर बात नहीं कर सकते, उन स्थानों में लोग बातें करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं, इस तरह से किसी एक देश में बैठा युवा दूसरे देश में अपने लिए दोस्त या जीवनसाथी की तलाश करके बातें कर सकता है।

सुविधाजनक

यूं तो यदि आपको किसी से मिलना है तो आपको अच्छे से तैयार होने की जरूरत होती है,और फिर किसी अच्छी जगह की तलाश करनी होती है आदि। लेकिन आपको ऑनलाइन चैटिंग के लिए सिर्फ एक इंटरनेट पैक और अच्छे ब्राउजर के अलावा ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इसलिए लोग इन सब की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक-ऑनलाइन चैटिंग को वरीयता देते हैं।

बटन से कंट्रोल

हम ऑनलाइन कैसे दिखाई देते हैं इसका नियंत्रण हम सिर्फ एक बटन क्लिक कर के कर सकते हैं। सेल्फी कैमरे के साथ स्मार्टफोन और लाखों फिल्टर से हम अपनी एक नकली इमेज आसानी से बना सकते हैं। कई बार तो लोगों को अपनी यह इमेज अपनी असली इमेज से ज्यादा पसंद आने लगती है, और इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन गपशप और बातचीत में चिपके रहते हैं। हम क्या कहते हैं, और किससे कहते हैं, इसका नियंत्रण भी खुद कर सकते हैं। इसके साथ यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग की इच्छा को भी बढ़ाता है।

साथियों का दबाव

जब ऑनलाइन प्लेटफार्म की शुरुआत हुई तो इसके फायदे तभी पता चले होंगे जब किसी ने पहली बार इसका उपयोग किया होगा। पहले तो हमें इसपर बात करने की आदत नहीं पड़ी थी। फिर इसका चलन बढ़ने के साथ साथियों का दबाव भी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने के लिए महसूस किया जाने लगा, और ये भी एक बड़ा कारण था कि युवा एक दूसरे को ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते देख इसकी ओर आकर्षित होने लगे। अपनी उपलब्धियों और कहानियों को एक दूसरे से शेयर करने लगे। इस प्रकार एक यह ऐसा चक्र बन गया जो कभी कभी बहुत ज्यादा दोषपूर्ण बन जाता है। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अधिक उपयोग से हम बिना किसी अनुशासन और नियंत्रण के चैटिंग करते हैं। जिससे हम असभ्य और अविवेकी बन सकते हैं। कई बार तो लोग किसी बहकावे में आकर उनका शिकार भी बन जाते हैं। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग करते समय हमें अधिक सतर्कता और संयम की आवश्यकता है।

मशहूर ब्रांड नेम्स की कहानी...

जहां तक ब्रांड की बात है ब्रांड और कुछ नहीं होता है सिर्फ कंपनी की अपनी एक पहचान होती है। कुछ ब्रांड ऐसे भी हैं जो की कई कंपनियों के उत्पादों की पहचान बन गए हैं। क्या कभी आपने सोचा है की किसी भी ब्रांड का नाम आखिर कैसे बनाया जाता है और आज के मशहूर ब्रांड्स के नाम किस प्रकार से बनें हैं। नाईक एक मशहूर ब्रांड है। इसका नाम एक ग्रीक देवी के नाम पर पड़ा है जो की विजय की देवी मानी जाती हैं और इस ब्रांड का चिन्ह उनकी उड़ान का प्रतीक है। बात कोको कोला की करें तो पता चलता है कि असल में इस पेय पदार्थ की मुख्य सामग्री कोला बेरिज और कोको की पत्तियां है इसलिए ही इसको कोको कोला नाम दिया गया है। ऐसे ही पेप्सी नाम एक पाचक एंजाइम पेप्सिन से लिया गया है, हालांकि यह पेप्सी में नहीं होता है। एडिडास ब्रांड का नाम इसके मालिक और निर्माता अडोल्फ डैस्सलर के नाम पर रख गया है असल में अडोल्फ का उपनाम एडि था। अमेजन ब्रांड के मालिक सीईओ जैफ बेजोस अपनी इस कंपनी का नाम ए शब्द से शुरू होने वाला ही रखना चाहते थे और वो चाहते थे की उनकी कंपनी में दुनिया का हर सामान बिके इसलिए उन्होंने इसका नाम चुनने के लिए उन्होंने सबसे बड़ी नदी का नाम चुना। सोनी ब्रांड का नाम लैटिन शब्द 'सोनस' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है आवाज। वोडाफोन का मतलब आसान शब्दों में हैं वॉइस डाटा टेलीफोन है। नीविया ब्रांड नेम लैटिन शब्द 'निवेअस' से बना है जिसका अर्थ होता है बर्फ जैसा सफेद।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**

संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**